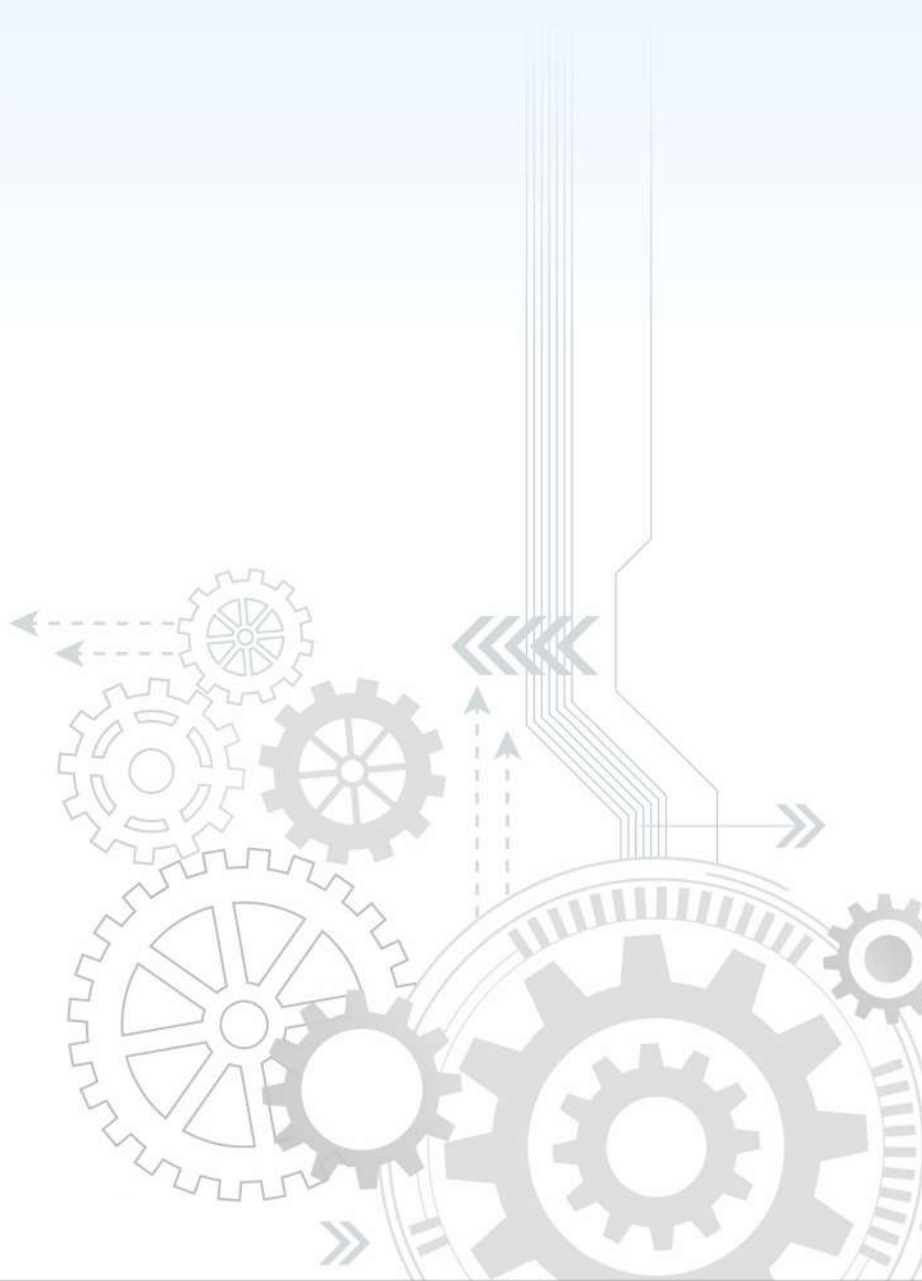




भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इन्दौर Indian Institute of Technology Indore

वार्षिक प्रतिवेदन

2021 - 22



अनुक्रमणिका

1. हमारे बारे में	02
2. निदेशक का संदेश	03
3. शासी मण्डल	05
4. संस्थान के पदाधिकारी	06
5. सीनेट	08
6. लक्ष्य, दूरदर्शिता और उद्देश्य	11
7. शैक्षणिक मामले	12
8. अनुसंधान और विकास	17
9. संकाय के मामले	20
10. मान्यता और पुरस्कार	21
11. अंतर्राष्ट्रीय संबंध	22
12. छात्रों के मामले	26
13. केंद्र	
• नवाचार, इन्क्यूबेटर, उद्यमिता और औद्योगिक संबंधों का केंद्र (सीआईआईआईआर)	29
• कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र	31
• उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (सीआई)	32
• इलेक्ट्रिक वाहन और इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम (सीआईआईटीएस)	34
• भविष्यवादी रक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआईडीएसटी)	36
• भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र (सीआईएसकेएस)	37
• ग्रामीण विकास केंद्र (सीआईडीटी)	39
14. आईआईटी दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन (धारा 8 कंपनी)	40
15. परामर्श प्रकोष्ठ	42
16. प्लेसमेंट प्रकोष्ठ	45
17. परिष्कृत उपकरण केन्द्र (एसआईसी)	50
18. केन्द्रीय कार्यशाला	56
19. स्वास्थ्य केंद्र	59
20. शिक्षण संसाधन केन्द्र	61
21. राजभाषा हिंदी से संबंधित कार्यक्रमों का ब्यौरा	64
22. प्रशासन	66
23. वित्त और लेखा	70
24. संस्थान समारोह	75
25. सामग्री प्रबंधन अनुभाग (एमएमएस)	85
26. समाचार में आईआईटी इंदौर	90
27. कैंपस के आधारिक संरचना का विकास	93
28. छात्रावास	100
29. केन्द्रीय खाना खाने की सुविधा	103
30. विभाग	
• जैव विज्ञान और जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी का विभाग	105
• खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष अभियांत्रिकी का अनुशासनी विभाग	109
• रसायन विज्ञान विभाग	111
• सिविल अभियांत्रिकी विभाग	114
• कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग	116
• विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	118
• गणित विभाग	120
• मशीनी अभियांत्रिकी विभाग	122
• धातुकर्म अभियांत्रिकी और पदार्थों के विज्ञान का विभाग	124
• भौतिक विज्ञान विभाग	126
• मानविकी और सामाजिक विज्ञान के स्कूल	128

हमारे बारे में

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विश्व स्तरीय सफलता हासिल करने और बड़े बदलाव लाने के भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए और अभूतपूर्व आर्थिक विकास की ओर बढ़ते हुए, भारत सरकार ने तकनीकी जनशक्ति की आवश्यकता का दोबारा मूल्यांकन किया और आठ नई भा.प्रौ.सं. स्थापित करने का फैसला किया, जिनमें से छह को शैक्षणिक वर्ष 2008-09 में स्थापित कर दिया गया था। ये हैदराबाद, गांधीनगर, राजस्थान, रोपड़, पटना और भुवनेश्वर में स्थापित की गई थी। भा.प्रौ.सं. इंदौर और भा.प्रौ.सं. मंडी की स्थापना जुलाई, 2009 में हुई।

मध्य प्रदेश में स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जिसे भा.प्रौ.सं. इंदौर के रूप में जाना जाता है, यह भारत सरकार द्वारा 2009 में स्थापित, देश की महत्वपूर्ण संस्थान है। यह शिक्षा मंत्रालय (भारत), भारत सरकार द्वारा शुरू की गई आठ नई भा.प्रौ.सं. में से एक है। भा.प्रौ.सं. बॉम्बे के मार्गदर्शन के तहत, इस संस्थान ने 2009-10 से, देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान में एक अस्थायी परिसर में काम करना शुरू कर दिया था। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह ने इंदौर शहर से लगभग 25 किमी दूर, खंडवा रोड पर स्थित सिमरोल में 1 फरवरी 2009 को, लगभग 501.42 एकड़ (2.1 किमी²) के क्षेत्र में फैले स्थायी परिसर की नींव रखी।

फरवरी 2016 से, भा.प्रौ.सं. इंदौर की स्थापना उसके स्थायी परिसर में की गई। सभी प्रशासनिक कार्यालय, सामग्री प्रबंधन विभाग, वित्त और हिसाब-किताब विभाग, सामान्य विज्ञान का स्कूल, मानविकी और सामाजिक विज्ञान का स्कूल, इंजीनियरिंग स्कूल, सामान्य विज्ञान की प्रयोगशालाएं और इंजीनियरिंग प्रयोगशालाएं सभी इस परिसर में स्थापित हैं। इसी परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय भी स्थित है।

कुलसचिव का कार्यालय वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित अधिकारियों की बैठक: 2021-2022

शासक मंडल	:	तीन बैठकें आयोजित	:	13.08.2021, 08.11.2021, 16.02.2022
वित्त समिति	:	तीन बैठकें आयोजित	:	12.08.2021, 08.11.2021, 16.02.2022
भवन और निर्माण समिति	:	दो बैठकें आयोजित	:	29.10.2021, 03.02.2022
सीनेट	:	दो बैठकें आयोजित	:	02.08.2021, 01.11.2021



निदेशक का संदेश

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर (भा.प्रौ.सं. इंदौर) दूसरी पीढ़ी की भा.प्रौ.सं. में से एक है जो देश में प्रमुख संस्थानों में से एक के रूप में अपने अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से तेजी से विकसित हुई है और जो विश्व स्तर पर भी एक उल्लेखनीय स्थान पर है। संस्थान में 2300 से अधिक छात्र और लगभग 175 संकाय सदस्य हैं और उनमें से प्रत्येक अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ है। हमारे पास 5 विषयों में बीटेक कार्यक्रम और 8 विषयों में एमटेक और 5 विषयों में एमएस (अनुसंधान) और एमएससी कार्यक्रम हैं। हम भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर के साथ मिलकर, डेटा साइंस और प्रबंधन में एक संयुक्त एमएस डिग्री भी प्रदान करते हैं, जो एक ऑनलाइन कार्यक्रम है और बहुत लोकप्रिय हो रहा है। हम प्रौद्योगिकी, विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के सभी विषयों में पीएचडी डिग्री प्रदान करते हैं। हर समय, लगभग 550 पीएचडी छात्र इस कार्यक्रम से जुड़े होते हैं। आने वाले वर्षों में कई स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू होने वाले हैं।

अनुसंधान भा.प्रौ.सं. इंदौर के सबसे महत्वपूर्ण आकर्षणों में से एक रहा है। हाई इम्पैक्ट फैक्टर जर्नल में 4000 से अधिक प्रकाशन होने के अलावा, छात्रों और संकाय सदस्यों की टीमों ने 80 से अधिक तकनीकों का विकास किया है जो विकास के विभिन्न चरणों से गुजर रही हैं। संस्थान को हाल ही में मिली एक विशाल परियोजना का उदाहरण दृष्टि साइबर भौतिक प्रणाली परियोजना है, जहां साइबर भौतिक प्रणालियों के क्षेत्र में अनुवाद संबंधी अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास गतिविधियां की जा रही हैं। परियोजना का कुल खर्च लगभग ₹100 करोड़ है, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा। संस्थान में डीएसटी-एफआईएसटी कार्यक्रम के तहत कई उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, जिनका कुल खर्च ₹22 करोड़ है। संस्थान में भविष्यवादी रक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लिए भी एक केंद्र है, जिसने कुछ साल पहले इसकी स्थापना के बाद से ₹5 करोड़ रुपये से अधिक का वित्त पोषण प्राप्त किया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के दृष्टिकोण के अनुरूप, संस्थान निम्नलिखित विशिष्ट उद्देश्यों को प्राप्त करते हुए, उत्कृष्टता हासिल करने के लिए खुद को पुनः समर्पित करती है:

- 1. परिवर्तन-संबंधी अनुसंधान को बढ़ावा देना:** भा.प्रौ.सं. इंदौर जैसे संस्थानों में बड़े-पैमाने पर अनुसंधान किया जाता है, जिसे परिचालन और कार्यात्मक उत्पादों में कुशलतापूर्वक बदलने और फिर व्यावसायिक रूप से उपयोग किए जाने योग्य उत्पादों में परिवर्तित करने की आवश्यकता होती है। संस्थान खुद को एक परिवर्तन-संबंधी अनुसंधान का मुख्य केंद्र बनाने और मौलिक वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान को व्यावसायिक और तकनीकी रूप से व्यवहार्य समाधानों में बदलने की सुविधा प्रदान करने में अग्रणी है। हम संस्थान में एक परिवर्तनशील अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की योजना बना रहे हैं, जहां कई प्रौद्योगिकियों को संस्थान में ही विकसित किया गया है, जिन्हें उद्योग और समाज के लिए उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित किया जा सकता है।
- 2. छात्रों के लिए शिक्षा और शिक्षण कार्यक्रम को बढ़ावा देना:** अब यह संस्थान, छात्रों को जीवन के विविध पहलुओं से शिक्षण की सुविधा

प्रदान करने के लिए अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों में नए तरीकों और पाठ्यक्रमों को बनाने, विकसित करने और लागू करने लगा है। ऐसा करने के लिए, कई नए स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं, शिक्षा को व्यापक बनाने के लिए नए पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं और शिक्षण सिखाने के नवीन तरीके लागू किए जा रहे हैं।

3. **सामाजिक ग्रामीण विसर्जन और तकनीकी विकास:** सामाजिक स्तर पर, भा.प्रौ.सं. इंदौर में हम समाज में योगदान देने और निचले वर्ग के लोगों का समर्थन करने में बेहद रुचि रखते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे छात्र उनके सामने आने वाली समस्याओं का तकनीकी समाधान प्रदान करें। हमने 'आदिवासी आजीविका के लिए प्रौद्योगिकीय नवाचार' – 'तितली' नाम का एक कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसके तहत हमने अपने छात्रों के लिए दो नए पाठ्यक्रम पेश किए हैं जिनका शीर्षक 'ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास के लिए भागीदारी' और 'ग्रामीण अनुप्रयोगों के लिए डिजाइन थिंकिंग' है। इन दोनों पाठ्यक्रमों में ग्रामीण लोगो की जरूरतों को समझने और समाधान विकसित करने के लिए क्षेत्र का दौरा करना शामिल है। ग्रामीण स्वास्थ्य कर्मियों के लिए एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए एक हम गैर सरकारी संगठन के साथ भी काम कर रहे हैं। यहां, हम ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को प्राथमिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना बना रहे हैं, ताकि वे गाँव में रहने वाले रोगियों और शहरी डॉक्टरों के बीच मध्यस्थ के रूप में काम कर सकें। यह सभी पहल, भा.प्र.सं इंदौर में हमारे 'ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी)' द्वारा प्रदान की जाती है।
4. **उद्यमिता कौशल के लिए छात्रों को प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करना:** तेजी से बदलती दुनिया में हमारे युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें प्रशिक्षित करना आवश्यक है। वास्तविक दुनिया में ज्ञान और इसके अनुप्रयोगों के बीच के अंतर को, उद्यमिता कौशल विकसित करने में व्यवस्थित प्रयासों के माध्यम से खत्म किया जा सकता है। युवाओं और व्यवसाय करने के उनके अद्भुत विचारों का समर्थन करने के लिए हमने एसीई फाउंडेशन की स्थापना की है, जो संस्थान की पहली धारा 8 कंपनी है।
5. **व्यावसायिक और कॉर्पोरेट संबंधों का समर्थन करना:** बढ़ती और निर्बाध वैश्विक मूल्य श्रृंखला प्रणालियों में, मौलिक अनुसंधान को वर्तमान व्यवसायों की आवश्यकताओं से जोड़ना उचित है। शोधकर्ताओं और छात्रों को दोनों तरफ की चुनौतियों को समझने और अंतर को खत्म करने के लिए सभी क्षेत्रों के व्यवसायों से समान रूप से जुड़ने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, हम 20 अगस्त को एक कॉर्पोरेट और इंडस्ट्री कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित करेंगे, जहां हम भा.प्रौ.सं. इंदौर से जुड़े कई व्यवसायों को भा.प्रौ.सं. इंदौर में उपलब्ध विशेषज्ञता के अनुरूप उनकी आवश्यकताओं पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित करेंगे। कई पैनल चर्चाएँ होंगी, जहाँ व्यवसाय के विशेषज्ञ और भा.प्रौ.सं. इंदौर की संकाय सदस्यों के सदस्य एक दूसरे के साथ बातचीत करेंगे। व्यवसायों के साथ लगातार संपर्क में रहने के लिए हम समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

13 अगस्त, 2022 को दसवें दीक्षांत समारोह का आयोजन, संस्थान के लिए गर्व की बात है। पद्म विभूषण, डॉ. अनिल काकोडकर, भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष और भारत सरकार के पूर्व सचिव, इस अवसर के मुख्य अतिथि होंगे। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस साल, संस्थान से 486 छात्र स्नातक हो रहे हैं। जो छात्र अपने शैक्षणिक प्रदर्शन में सम्मान प्राप्त करेंगे, उनमें भारत के राष्ट्रपति से स्वर्ण पदक, संस्थान का रजत पदक, सर्वश्रेष्ठ बीटेक परियोजना पुरस्कार, स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के सभी स्नातक छात्रों के बीच सबसे ज्यादा सीपीआई हासिल करने वाली सर्वश्रेष्ठ महिला छात्र के लिए बूटी फाउंडेशन से स्वर्ण पदक; और स्नातक महिला उम्मीदवार द्वारा सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस के लिए वीपीपी मेनन स्वर्ण पदक शामिल हैं। स्नातक बैच द्वारा कोविड 19 की महामारी के सबसे मुश्किल समय से गुजरने और समय पर अपना स्नातक पूरा करने के लिए उनकी विशेष रूप से सराहना करने की आवश्यकता है। मैं सभी स्नातक छात्रों के उज्ज्वल भविष्य और उनके करियर और जीवन में सफलता की कामना करता हूँ।

प्रोफेसर सुहास एस जोशी
निदेशक, भा.प्रौ.सं. इंदौर

शासी मण्डल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर



अध्यक्ष

प्रोफेसर दीपक बी. फाटक

सदस्य

प्रोफेसर सुहास एस. जोशी

निदेशक,

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, w.e.f. 31 जनवरी 2022

प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन

निदेशक (कार्यवाहक),

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, 30 जनवरी 2022 तक

श्री राकेश रंजन

अपर सचिव (टीई),

सरकार भारत के शिक्षा मंत्रालय

श्री आकाश त्रिपाठी

प्रमुख सचिव

तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास विभाग, मध्य प्रदेश शासन

प्रोफेसर योगेश एम. जोशी

केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, भा.प्रौ.सं. कानपुर

प्रोफेसर धनंजय वी. भट्ट

प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

एस.वी. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इच्छानाथ, सूरत

श्री मनोज कोहली

कार्यकारी अध्यक्ष

एसबी एनर्जी (सॉफ्ट बैंक ग्रुप) नई दिल्ली

प्रोफेसर आनंद पारे (सीनेट नामित)

प्रोफेसर

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, डीन, संसाधन निर्माण आईआईटी इंदौर 28 फरवरी, 2022 तक

श्री एस.पी. होता

कुलसचिव, (सचिव शासी मण्डल) भा.प्रौ.सं. इंदौर

संस्थान के पदाधिकारी



निदेशक, आईआईटी इंदौर
प्रो. सुहास एस. जोशी
प्रभावी कार्य दिवस 31 जनवरी 2022



निदेशक (कार्यवाहक), आईआईटी इंदौर
प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन
30 जनवरी 2022 तक



डीन, शैक्षणिक मामले
डॉ. देवेंद्र देशमुख
(1 जनवरी 2020 से प्रभावी)



डीन, प्रशासन
डॉ. प्रीति शर्मा
(1 जनवरी 2020 से प्रभावी)



डीन, अनुसंधान एवं विकास
डॉ. आई.ए. पलानी
(11 फरवरी 2020 से प्रभावी)



डीन, छात्र मामले
डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा
(26 सितंबर 2018 से 23 सितंबर 2021 तक)



डीन, छात्र मामले
डॉ. श्रीवत्सन वासुदेवन
प्रभावी कार्य दिवस 24 सितंबर 2021



डीन, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट
डॉ. मनीष कुमार गोयल
(15 जून 2020 से प्रभावी)



डीन, अंतर्राष्ट्रीय मामले और आउटरीच
प्रो. अविनाश सोनवणे
(27 नवंबर 2020 से प्रभावी)



डीन, संसाधन सृजन
प्रोफेसर आनंद पारे



कुलसचिव, भा.प्रौ.सं. इंदौर
श्री एस. पी. होता

एसोसिएट डीन

शिक्षाविद (पीजी कार्यक्रम)	: डॉ. ईश्वर प्रसाद कोरिमिली
एकेडमिक्स (इन्फ्रास्ट्रक्चर)	: डॉ. एंटनी विजेशो
शिक्षाविद (यूजी कार्यक्रम)	: प्रो. राम बिलास पचोरी
संकाय सदस्यों अफेयर्स	: डॉ. आमोद सी. उमरीकरी
अनुसंधान एवं विकास- I	: प्रो. रुचि शर्मा
अनुसंधान और विकास- II	: डॉ. बोधिसत्व मजूमदार
प्रशासन	: डॉ. संतोष होस्मानी
अवसंरचना विकास- I	: डॉ. गुरु प्रकाश
छात्र मामले	: डॉ. संजीव सिंह
अंतर्राष्ट्रीय मामले और आउटरीच- I	: प्रो. रघुनाथ साहू
अंतर्राष्ट्रीय मामले और आउटरीच- II	: प्रो. संजय कुमार सिंह

स्कूल के प्रमुख

मानविकी और सामाजिक विज्ञान	: डॉ. निर्मला मेनन
----------------------------	--------------------

विभागों के प्रमुख

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	: डॉ. सोमनाथ डे
इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	: प्रो. विपुल सिंह
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	: प्रो. संतोष कुमार साहू
रसायन विज्ञान	: प्रो. विश्वरूप पाठक
गणित	: डॉ. नीरज कुमार शुक्ला (13 सितंबर 2022 से प्रभावी) : डॉ. मोहम्मद अकील खान (12 सितंबर 2021 तक)
भौतिकी	: डॉ. पंकज आर. सागदेव
एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेस इंजीनियरिंग	: प्रो. अभिरूप दत्ता
बायोसाइंसेज एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग	: प्रो. अमित कुमार : डॉ. देबाशीष नायक (8 जनवरी 2021 से 21 जुलाई 2021 तक)
धातुकर्म इंजीनियरिंग और सामग्री विज्ञान	: डॉ. विनोद कुमार
सिविल इंजीनियरिंग	: डॉ. अभिषेक राजपूत (15 मार्च 2022 से प्रभावी) : प्रो. नीलिमा सत्यम देवरकोंडा (14 मार्च 2022 तक)

केंद्रों और सेवाओं के प्रमुख

केंद्रों और सेवाओं के प्रमुख उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र	: प्रो. मुकेश कुमार
कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र	: डॉ. नेमिनाथ हुबली
भविष्य रक्षा और अंतरिक्ष	: डॉ. इंद्रसेन सिंह नवाचार
प्रौद्योगिकी केंद्र, ऊष्मायन उद्यमिता और उद्योग	: डॉ. स्वामीनाथन आर
संबंध केंद्र ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केंद्र	: प्रो. संदीप चौधरी
डीएसटी-एफआईएसटी गियर	: प्रो. नीलेश कुमार जैन
इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता केंद्र परिष्कृत उपकरण केंद्र (एसआईसी)	: प्रो. सुमन मुखोपाध्याय
भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र	: प्रो. जी एस मूर्ति
इलेक्ट्रिक वाहन और इंटेलिजेंट	: डॉ. आमोद सी. उमरीकर
ट्रांसपोर्ट सिस्टम के लिए केंद्र परामर्श सेवाएं	: प्रो. अरुणा तिवारी
प्रशिक्षण एवं नियुक्ति	: डॉ. पवन कुमार कनकर
केंद्रीय कार्यशाला	: डॉ. दान साधियाराजी

सीनेट /प्रबंधकारिणी समिति

प्रोफेसर सुहास एस जोशी
निदेशक, आईआईटी इंदौर और अध्यक्ष, सीनेट

बाहरी विशेषज्ञ

प्रोफेसर हिमांशु राय

निदेशक भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर,
प्रबंध शिखर, राऊ-पीथमपुर रोड,
इंदौर - 453556, म.प्र. भारत

श्री बी. अनिल बालिंग

पूर्व कार्यकारी उपाध्यक्ष
वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड,
78-86, इंडस्ट्रियल एरिया नंबर III,
एबी रोड, देवास - 455001, एम.पी. भारत

प्रो. अजय कुमार जैन

प्रोफेसर (संगठन व्यवहार) डीन,
कार्यकारी स्नातक कार्यक्रम और परामर्श,
प्रबंधन विकास संस्थान, महारौली रोड,
सुखराली, गुडगांव - 122007, भारत

श्री देबाशीष दास

निदेशक
राजा रमन्ना उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र (आर आर केट),
इंदौर - 452013, एमपी, भारत

प्रो. अभिराम जी. रानाडे

प्रोफेसर
कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे,
पवई, मुंबई - 400076, भारत

डीन

डॉ. देवेंद्र एल देशमुख

डीन, अकादमिक मामले, एसोसिएट प्रोफेसर,
मैकेनिकल इंजीनियरिंग

प्रो. मनीष कुमार गोयल

डीन ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, प्रोफेसर,
सिविल इंजीनियरिंग

प्रो. आई. ए. पलानी

डीन, अनुसंधान और विकास, प्रोफेसर,
मैकेनिकल इंजीनियरिंग

प्रो. आनंद पारे

डीन, पूर्व छात्र और कॉर्पोरेट संबंध प्रोफेसर,
मैकेनिकल इंजीनियरिंग

प्रो. प्रीती शर्मा

डीन, प्रशासन, प्रोफेसर,
मानविकी और सामाजिक विज्ञान के स्कूल

प्रो. अविनाश सोनवणे

डीन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध
प्रोफेसर, बीएसबीई विभाग

डॉ. श्रीवत्सन वासुदेवन,

डीन, छात्र मामले,
एसोसिएट प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

विभागों के प्रमुख

डॉ. अभिषेक राजपूत

विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग, संबंधित प्रोफेसर, सिविल
इंजीनियरिंग

प्रो. संतोष कुमार साहू

विभागाध्यक्ष, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग

डॉ. विनोद कुमार

विभागाध्यक्ष, धातुकर्म इंजीनियरिंग और सामग्री विज्ञान (एमईएमएस)
एसोसिएट प्रोफेसर, एमईएमएस

डॉ. पंकज आर. सागदेव

विभागाध्यक्ष, भौतिकी, प्रोफेसर, भौतिकी

डॉ. नीरज कुमार शुक्ला

विभागाध्यक्ष, गणित, एसोसिएट प्रोफेसर, गणित

प्रो. अभिरूप दत्ता

विभागाध्यक्ष, खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और
अंतरिक्ष इंजीनियरिंग का अनुशासन (DAASE), प्रोफेसर, DAASE

डॉ. सोमनाथ डे

विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग,
एसोसिएट प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग

प्रो. विपुल सिंह

विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, प्रोफेसर,
इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

प्रो. अमित कुमार

विभागाध्यक्ष, बायोसाइंसेज और बायोमेडिकल
इंजीनियरिंग (बीएसबीई) प्रोफेसर, बीएसबीई

प्रो. विश्वरूप पाठक

विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान

प्रो. निर्मला मेनन

विभागाध्यक्ष, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज (एसएचएसएस)
प्रोफेसर, एसएचएसएस

केंद्रों और सेवाओं के प्रमुख

प्रो. संदीप चौधरी

प्रमुख, ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केंद्र,
प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग

डॉ. नेमिनाथ हुबली

प्रमुख, कंप्यूटर केंद्र
एसोसिएट प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग

डॉ. इंद्रसेन सिंह

प्रमुख, सेंटर फॉर फ्यूचरिस्टिक स्पेस एंड डिफेंस टेक्नोलॉजीज
संबंधित प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग

प्रो. मुकेश कुमार

प्रमुख, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोफेसर केंद्र, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

प्रो. अरुणा तिवारी

प्रमुख, परामर्श सेवाएं प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग

प्रो. सुमन मुखोपाध्याय

प्रमुख, परिष्कृत इंस्ट्रुमेंटेशन सेंटर प्रोफेसर, रसायन विज्ञान

डॉ. पवन कुमार कनकर

प्रमुख, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट एसोसिएट प्रोफेसर,
मैकेनिकल इंजीनियरिंग

प्रोफेसर

कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग

प्रो. नरेंद्र एस चौधरी

प्रो. अरुणा तिवारी

प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव

प्रो. कपिल आहूजा

मैकेनिकल इंजीनियरिंग

प्रो. नीलेश कुमार जैन

प्रो. आनंद पारे

प्रो. आई. ए. पलानी

प्रो. भूपेश कुमार बालक

प्रो. संतोष कुमार साहू

प्रो. रितुनेश कुमार

प्रो. दिनाकरन षण्मुगम

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

प्रो. राम बिलास पचौरी

प्रो. अभिनव क्रांति

प्रो. विमल भाटिया

प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा

प्रो. शैबल मुखर्जी

प्रो. विपुल सिंह

प्रो. प्रभात कुमार उपाध्याय

प्रो. तृप्ति जैन

प्रो. मुकेश कुमार

रसायन शास्त्र

प्रो. रजनीश मिश्रा

प्रो. सुमन मुखोपाध्याय

प्रो. अपूर्व कुमार दास

प्रो. संपर्क सामंथा

प्रो. संजय कुमार सिंह

प्रो. विश्वरूप पाठक

असैनिक अभियंत्रण

प्रो. संदीप चौधरी

प्रो. मनीष कुमार गोयल

प्रो. नीलिमा देवरकोंडा सत्यम

बायोसाइंसेज एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग

प्रो. अविनाश सोनावणे

प्रो. गंटी एस मूर्ति

प्रो. अमित कुमार

प्रो. प्रशांत कोडगिरे

भौतिक विज्ञान

प्रो. शुभेंद्र रक्षित

प्रो. कृष्णा आर. मवानी

प्रो. सारिका जालान

भौतिकी

प्रो. प्रीति आनंद भोबे

प्रो. राजेश कुमार

प्रो. सुदेशना चट्टोपाध्याय

प्रो. रघुनाथ साहू

एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेस इंजीनियरिंग

प्रो. अभिरूप दत्ता

मानविकी और सामाजिक विज्ञान

प्रो. निर्मला मेनन

प्रो. प्रीति शर्मा

प्रो. रुचि शर्मा

धातुकर्म इंजीनियरिंग और सामग्री विज्ञान

प्रो. पराशरम मारुति शिराज

गणित

प्रो. स्वदेश कुमार साहू

अन्य प्राधिकारी

संयोजक, स्वास्थ्य केंद्र सलाहकार समिति

डॉ. शरद गुप्ता

एसोसिएट प्रोफेसर, बायोसाइंसेज और

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग

कार्यशाला अधीक्षक, केंद्रीय कार्यशाला

डॉ. आनंद पेटारे

सचिव, सीनेट

श्री एस. पी. होता

कुलसचिव, भा.प्रौ.सं. इंदौर

मुख्य वाईन

डॉ. ललित बोराना

संबंधित प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग अकादमिक सचिव,

छात्र जिमखाना महासचिव, छात्र जिमखाना



लक्ष्य

21वीं सदी के पीछे का प्रेरणा स्रोत, ज्ञान से भरपूर समाजों का विकास है, जिसके कारण भारत में उच्च शिक्षा के लिए नए संस्थानों की स्थापना हुई है। 2009 में स्थापित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, उस पहल का हिस्सा है जो भारत को वैश्विक ज्ञान और प्रौद्योगिकी में अग्रणी के रूप में दर्शाता है। पुराने भा.प्रौ.सं. की परंपरा को जारी रखते हुए, भा.प्रौ.सं. इंदौर का उद्देश्य, अनुसंधान-आधारित शिक्षा और नवाचार संचालित अनुसंधान और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करके भारत को उसके विकास की राह पर आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाना है। भा.प्रौ.सं. इंदौर का उद्देश्य, मानवतावादी मुद्दों के साथ इस लक्ष्य को प्राप्त करना है।



दूरदर्शिता

शैक्षणिक मुद्दे:

- विचारों और अनुसंधान और नवाचार सम्बंधित विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता के साथ एक शैक्षणिक समुदाय को विकसित करना और बढ़ावा देना।
- जटिल सुविधाओं पर व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ निरंतर अद्यतन ज्ञान का संतुलन प्रदान करना।
- डेटा साइंस, इलेक्ट्रिक वाहन, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम, स्पेस इंजीनियरिंग, भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान, आदि जैसे भविष्यवादी क्षेत्रों में नए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करना।
- अंतरराष्ट्रीय छात्रों की बढ़ती संख्या का चयन करके और शिक्षण और अनुसंधान में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संकाय सदस्यों को नियुक्त करके संस्थान के अंतरराष्ट्रीय-स्तर पर आगे ले जाना।
- विभिन्न स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों में व्यवसायों, रक्षा बलों और इंजीनियरिंग संस्थानों से उम्मीदवारों की संख्या बढ़ाना।
- शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार के लिए व्यवसायों से सहायक शिक्षकों की भागीदारी बढ़ाना।
- पाठ्यक्रम को डिजाइन करने के लिए प्रतिष्ठित व्यवसायों और विदेशी विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों को शामिल करना।

अनुसंधान, विकास और उद्यमिता :

- विज्ञान, इंजीनियरिंग और मानविकी और सामाजिक विज्ञान में अंतःविषय अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- निरंतर विकास, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और जल सुरक्षा जैसे कुछ चुने हुए क्षेत्रों में हानिकारक और सामाजिक प्रभावकारी अनुसंधान का संचालन करना।
- नए उत्पादों, प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों का विकास करने वाले उद्योग-उन्मुख अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- इंजीनियरिंग के साथ जीवन विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान और कृषि विज्ञान के संमिलन पर ध्यान देना।
- मध्य भारत में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो ऐसे इंडस्ट्रियल रिसर्च पार्क की स्थापना करके स्टार्ट-अप और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देना।
- आक्रमणशील पेरेंटिंग और आईपीआर का संरक्षण।



उद्देश्य

- सामाजिक अनुसंधान, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता और ग्रामीण विकास के माध्यम से संस्थान की शैक्षणिक, तकनीकी और सामाजिक पहुंच को बढ़ाना।
- व्यवसायों, शिक्षण और अनुसंधान संस्थानों के लिए विश्व स्तरीय अनुसंधान और शिक्षण सुविधाएं विकसित करना।
- कौशल विकास और राष्ट्रीय आवश्यकताओं के लिए अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना।
- इंजीनियरिंग और बायोमेडिकल इंस्ट्रुमेंटेशन, रक्षा, ई-वाहन, ऊर्जा के वैकल्पिक संसाधनों आदि में सर्वश्रेष्ठ और नवीनतम प्रौद्योगिकी के विकास में योगदान करना।

शैक्षणिक मामले

संस्थान के शैक्षणिक मामले के तहत, प्रत्येक शैक्षणिक कार्यक्रम में नामांकित छात्रों की सभी शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के लिए सामरिक योजनाओं की देखरेख की जाती है। यह विभाग, संस्थान की प्रबंधकारिणी समिति द्वारा बनाए गए और अनुमोदित किए गए दिशानिर्देशों, नियमों और नीतियों के अनुसार, दो डिग्री वाले कार्यक्रम के साथ-साथ बीटेक, एमटेक, एमएससी, एमएस (रिसर्च) और पीएचडी के शैक्षणिक पाठ्यक्रम को खत्म करने के लिए, प्रत्येक सेमेस्टर में तैयार किए गए एक नियोजित शैक्षणिक कैलेंडर के अनुरूप काम करता है।

शैक्षणिक मामलों की मुख्य विशेषताएं

- अत्याधुनिक ऑडियो वीडियो सुविधाओं के साथ अनन्य नवनिर्मित तक्षशिला लेक्चर हॉल काम्प्लेक्स, विक्रमशिला सेमिनार हॉल (4 सेमिनार हॉल से युक्त) और नालंदा ऑडिटोरियम।
- कोविड महामारी के बावजूद, शिक्षा की गुणवत्ता और मानक से समझौता किए बिना, पंजीकरण, ऑनलाइन क्लास, परीक्षा, दीक्षांत समारोह और छात्रों को सभी शैक्षणिक दस्तावेज जारी करने जैसी सभी शैक्षणिक गतिविधियां ऑनलाइन जारी रहीं।
- कैनवास और एनकेएन सुविधा जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करके ऑनलाइन क्लास का आयोजन किया गया। संस्थान के खुद के क्लाउड प्लेटफॉर्म, माईक्लाउड के माध्यम से सभी छात्रों को एक ही स्थान पर पाठ्यक्रम सामग्री ऑनलाइन प्रदान की गई।
- वर्ष 2019, 2020 और 2021 के दौरान अभिविन्यास कार्यक्रम और दीक्षांत समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।
- संस्थान में 21 छात्रों को इस प्रतिष्ठित प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (पीएमआरएफ) छात्रवृत्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से 2021-22 के दौरान, संस्थान की प्रबंधकारिणी समिति ने स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों के विभिन्न विभागों के तहत 8 नए शैक्षणिक कार्यक्रमों को मंजूरी देकर उन्हें शुरू किया।
- बीटेक प्रवेश के लिए जेईई एडवांस्ड ओपनिंग रैंक, पिछले साल के 585 की तुलना में बेहतर होकर 505 था।
- भा.प्रौ.सं. कानपुर, भा.प्रौ.सं. भू और भा.प्रौ.सं. इंदौर सहित भा.प्रौ.सं. के मध्य क्षेत्र के लिए प्रारंभिक कार्यक्रम, 120 छात्रों के साथ, शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में आयोजित किया गया था।
- ज्ञानम सर्वजन हिताय के सिद्धांत के साथ, भा.प्रौ.सं. इंदौर ने छात्र विनिमय कार्यक्रमों, अनुसंधान और विकास, संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों, गुणवत्ता सुधार कार्यक्रमों और कार्यशालाओं को विकसित करने के लिए कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- भा.प्रौ.सं. इंदौर द्वारा, भा.प्र.सं. इंदौर के साथ मिलकर, डेटा साइंस और प्रबंधन में एक संयुक्त एमएस डिग्री प्रोग्राम शुरू किया गया।
- अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान कार्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निम्नलिखित शैक्षणिक केंद्र स्थापित किए गए हैं:
 - इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम का केंद्र (सीईवीआईटीएस)
 - उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स का केंद्र (सीएइ)
 - भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र (सीआईएसकेएस)
 - नवाचार, ऊष्मायन, उद्यमिता और उद्योग संबंध केंद्र (सीआईआईआईआईआर)
 - भविष्यवादी रक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का केंद्र (सीएफडीएसटी)
 - ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी)

पिछले 10 वर्षों में नामांकित हुए छात्रों का विवरण

शैक्षणिक कार्यक्रम शैक्षणिक वर्ष	शैक्षणिक वर्ष								
	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
पीएचडी (दोहरी डिग्री सहित)	93	120	83	116	89	189	106	159	139
एमटेक	24	30	31	34	62	41	78	74	60
एमएससी	20	24	47	56	69	80	102	116	100
एमएस (अनुसंधान)	—	—	—	—	7	21	24	32	28
बीटेक	117	111	258	249	265	283	351	355	
प्रारंभिक पाठ्यक्रम	—	—	—	—	—	4	—	10	प्रवेश प्रतिष्ठान
एमएस-डेटा साइंस मैनेजमेंट (आईआईएम इंदौर के साथ)	—	—	—	—	—	—	—	39	
कुल	254	285	419	455	492	618	670	785	

पिछले 10 वर्षों में प्रदान की गई डिग्री

शैक्षणिक कार्यक्रम शैक्षणिक वर्ष	पुरस्कार देने का वर्ष									
	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022
पीएचडी (दोहरी डिग्री सहित)	—	6	23	24	38	67	83	58	109	61
एमटेक	—	—	5	22	25	26	29	57	41	65
एमएससी	—	—	14	20	22	41	55	58	83	88
एमएस (अनुसंधान)	—	—	—	—	—	—	—	6	19	7
बीटेक	101	117	114	108	118	112	108	233	246	269
कुल	101	123	156	174	203	246	275	412	498	490



10वां दीक्षांत समारोह 2022: पदक और पुरस्कार प्राप्तकर्ता



राष्ट्रपति द्वारा भारतीय स्वर्ण पदक

सभी यूजी स्नातक छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए



श्री दानयाल शाहिद शम्सी

बीटेक (ईई)

रोल नंबर 180002012

संस्थान रजत पदक

विशेष विभाग के सभी स्नातक छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए



श्री शाह मितेन हरेशी

बीटेक (सी एस ई)

रोल नंबर 180001049



सुश्री सुमेधा श्रीवास्तव:

बीटेक (ईई)

रोल नंबर 180004032



श्री अर्णव सुहास जोशी

बीटेक (एमई)

रोल नंबर 180005006



श्री अरविंद मेहता

बीटेक (सीई)

रोल नंबर 180004005



सुश्री सोनाक्षी गुप्ता

बीटेक (एमईएमएस)

रोल नंबर 180005030

संस्थान रजत पदक

सभी स्नातक पीजी छात्रों (एमटेक और एमएससी कार्यक्रम) के बीच सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए



श्री हरि नारायणन वासवानी

एम. टेक (एम ई एम एस)

रोल नंबर 2002105009



मिस्टर जिबिन वी सनी

एमएससी (खगोल विज्ञान)

रोल नंबर 2003121004

सर्वश्रेष्ठ बी.टेक. परियोजना (बीटीपी) पुरस्कार

सभी स्नातक यूजी छात्रों के बीच



श्री अक्षय प्रकाश

बीटेक (सीएसई)

रोल नंबर 180001004



श्री गौरव

बीटेक (सीएसई)

रोल नंबर 180001015

परियोजना का शीर्षक: किसी भी मोबाइल फोन पर ली गई 2डी छवियों का उपयोग करके शरीर के सटीक माप का पता लगाने के लिए एक मजबूत तंत्र तैयार करना

बूटी फाउंडेशन गोल्ड मेडल

सभी स्नातक महिला पीजी छात्रों में



सुश्री अंकिता मंडली

एमएससी (रसायन विज्ञान)

रोल नंबर 2003131002

संस्थान रजत पदक

सभी स्नातक छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए



श्री मुकाला जोगेश कुमार

बी.टेक (ईई)

रोल नंबर 180002037

वीपीपी मेनन स्वर्ण पदक

एक महिला छात्र द्वारा सर्वश्रेष्ठ पीएचडी शोध प्रबंध कार्य के लिए



सुश्री प्रीति झा

पीएचडी (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग)

रोल नंबर 1801201006

थीसिस शीर्षक: स्केलेबल फ़ज़ी क्लस्टरिंग एल्गोरिदम का डिज़ाइन और
विशाल जीनोमिक्स डेटा के लिए इसका अनुप्रयोग

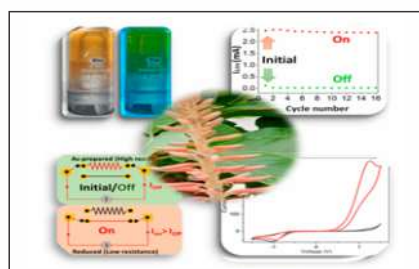
अनुसंधान और विकास

भा.प्रौ.सं. इंदौर, मूलभूत और अनुप्रयुक्त अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए अंतः-विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने में विश्वास रखती है। इस दूरदर्शिता ने संस्थान को विज्ञान, इंजीनियरिंग और मानविकी और सामाजिक विज्ञान के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद की है। भा.प्रौ.सं. इंदौर की एक मुख्य विशेषता, स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण में प्रमुख हिस्सा होने की वजह से उसके अनुसंधान संचालित शैक्षणिक कार्यक्रम है। भा.प्रौ.सं. इंदौर ने बड़ी ही सतर्कता से अनुसंधान परियोजनाओं में स्नातक छात्रों को शामिल करने के विचार को प्रख्यापित किया है। इस वजह से एक औपचारिक स्नातक अनुसंधान योजना, पूर्वस्नातक छात्रों के लिए अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने (पीआरआईयूस) की शुरुआत हुई है। भा.प्रौ.सं. इंदौर में अनुसंधान को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मान्यता मिली है। संकाय सदस्यों के सदस्य और वैज्ञानिक, जापान, दक्षिण कोरिया, रूसी संघ, पुर्तगाल, फ्रांस, जर्मनी, यूके, यूएसए और कई अन्य देशों में अनुसंधान संगठनों के साथ कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं और संयुक्त कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

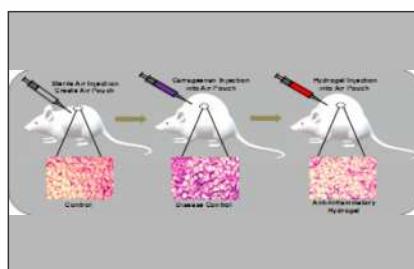
भा.प्रौ.सं. इंदौर अनुसंधान एवं विकास मुख्य उपलब्धियाँ

- विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से ₹ 270 करोड़ की 460 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं
- आज तक 235 परामर्श परियोजनाएं जिनकी कीमत ₹ 10 करोड़ है
- 4500 से अधिक प्रतिष्ठित प्रकाशन
- साइबर भौतिक प्रणालियों के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण जनशक्ति के विकास के लिए साइबर भौतिक प्रणाली पर डीएसटी राष्ट्रीय मिशन के तहत 100 करोड़ ₹ की एक बड़ी परियोजना
- उत्कृष्टता केंद्र (सीआई) से ₹ 17 करोड़ के वित्त पोषण के साथ स्थापित किए गए 8 डीएसटी-एफआईएसटी
- 83 से अधिक पेटेंट दर्ज किए गए, जिनमें से 18 को पहले ही स्वीकृति मिल चुकी है
- भा.प्रौ.सं. इंदौर की युवा संकाय सदस्यों को, पहले नियमित अनुदान से पहले, संस्थान द्वारा ब्रिज फंडिंग के रूप में बाहरी फंडिंग एजेंसियों से ₹ 1.6 करोड़ 16 वायएफआरएसजी (यंग संकाय सदस्यों रिसर्च सीड ग्रांट) प्रदान किए गए
- भा.प्रौ.सं. इंदौर के साथ 39 राष्ट्रीय और 45 अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं

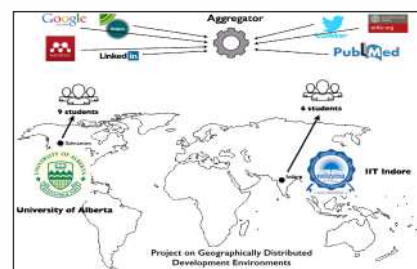
कम्प्रेस्ड कलर्ड बार्ड-लेयर्ड ब्रिक्स पर एक प्रौद्योगिकी स्थानांतरित की गई है और 75 प्रौद्योगिकियां विभिन्न चरणों में तैयार हैं और व्यवसायों में उपयोग की ओर बढ़ रही हैं और कई और बनाना जारी हैं।



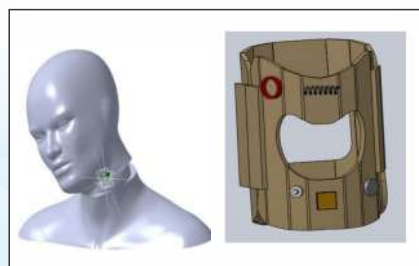
एलो वेरा प्लावर से इलेक्ट्रॉनिक मेमोरी इफेक्ट



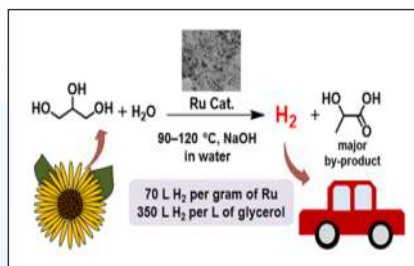
इंजीनियर बायोमिमेटिक निहित जीवाणुरोधी



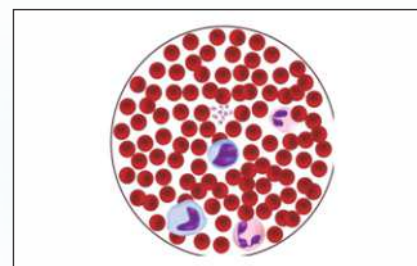
भौगोलिक रूप से एल्गोरिदम वितरित हाइड्रोजेल वातावरण



स्मार्ट सरवाइकल कॉलर

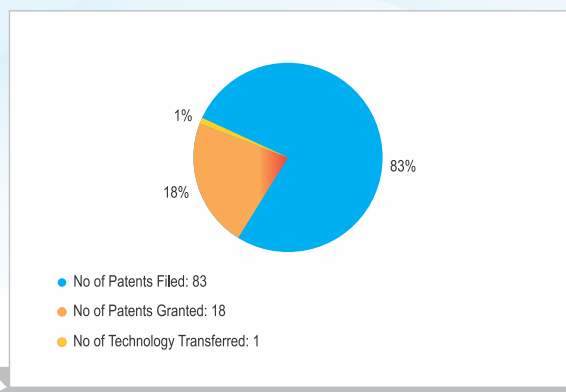


मेथनॉल से कम तापमान हाइड्रोजन उत्पादन

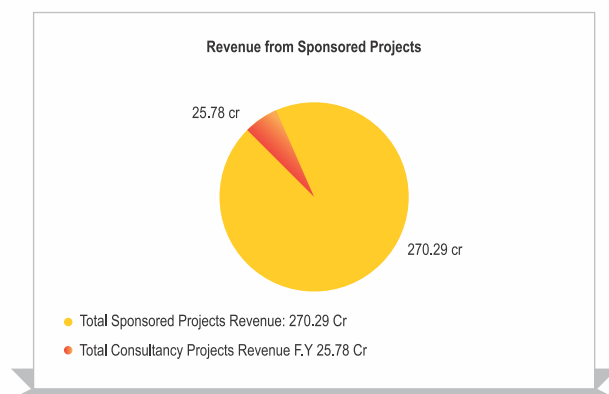
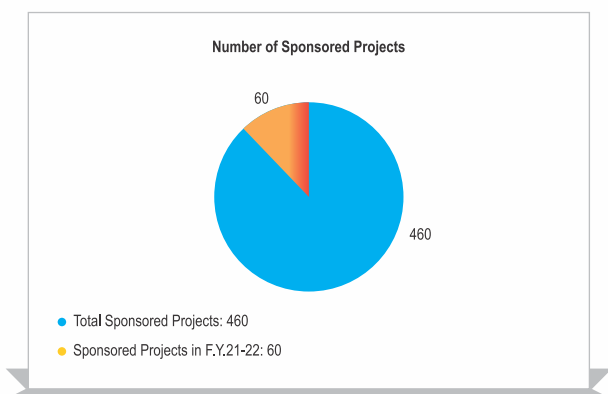


एम-ए स्पा उपचार 90% से अधिक कैंसर कोशिकाओं को मारने में सक्षम है मेक इन इंडिया पहल

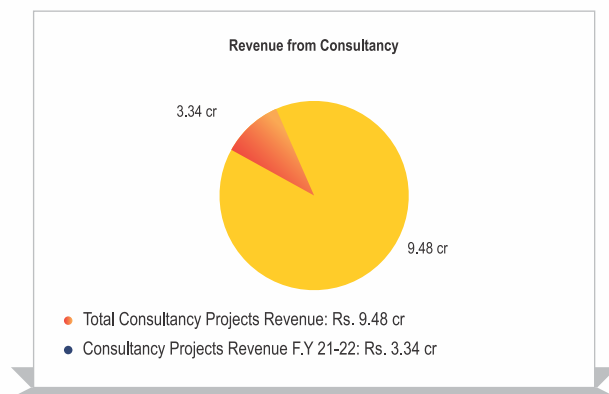
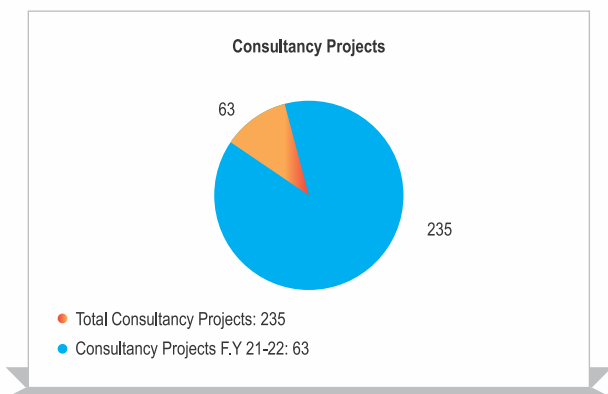
पेटेंट



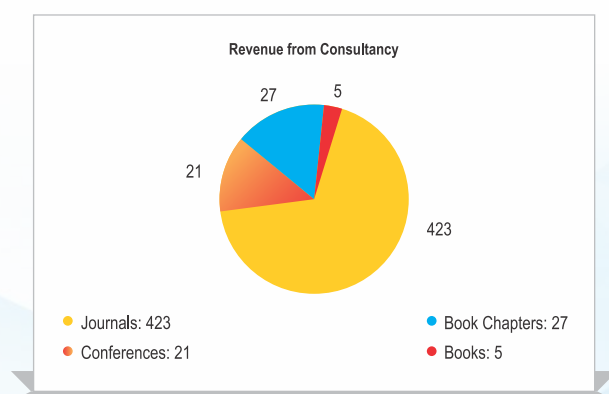
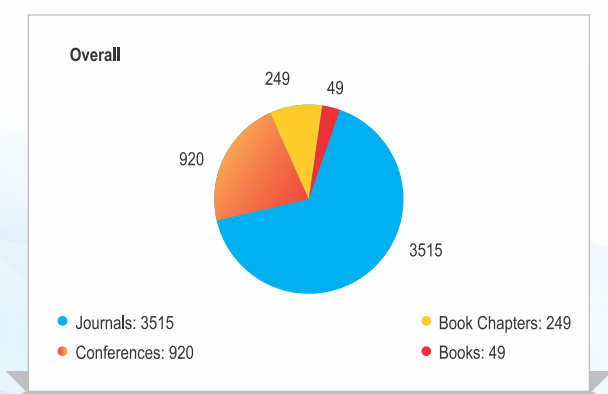
परियोजनाएं



परामर्श कार्य

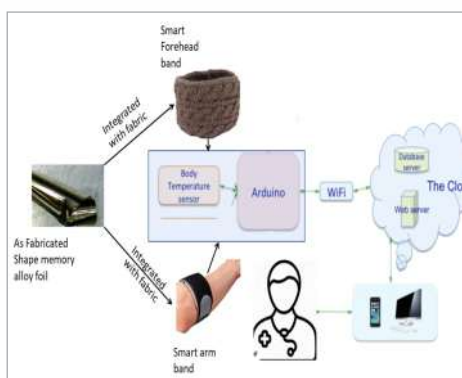


प्रकाशन



कोविड-19 (अनुसंधान कार्य)

- कैंडिडेट वैक्सीन
- दोबारा उपयोग किए जा सकें ऐसे मास्क
- यूवीसी एलईडी
- SRS-CoV-2 प्रोटीन
- SRS-CoV2 के लिए स्टेरेलाइजेशन चैम्बर
- पहनने योग्य ऑप्टिकल बॉडी टेम्परेचर सेंसर
- कोविड-19 के लिए डिसइंफेक्शन टनल
- SRS-CoV-2 के लिए फ्यूजन पेप्टाइड
- फ्लोरोसेंट डिसइंफेक्टेंट ब्रिक्स
- कोविड-19 के लिए समय आधारित मैथमेटिकल मॉडल
- वायरस का पता लगाने के लिए मशीन लर्निंग



प्रयोगशाला से जमीनी स्तर के लिए पहल

पीएचडी छात्रों और संकाय सदस्यों के सदस्यों द्वारा भा.प्रौ.सं. इंदौर रिसर्च लैब से स्टार्ट-अप



थिंक वीएलएसआई

थिंक वीएलएसआई, इलेक्ट्रॉनिक्स (वीएलएसआई डिजाइन, आईओटी, एआई, एमएल, रोबोटिक्स ऑटोमेशन) और इलेक्ट्रिकल व्हीकल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कौशल विकास, सेवा और उत्पाद के विकास पर केंद्रित है।



एससीएस टेक्नोलॉजीज, स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर चैलेंज (एसएमसी) का उपयोग करके उत्पाद बना रहे हैं जो यूएवी द्वारा, आत्म निर्भर भारत की ओर बढ़ाया जा रहा पहला कदम है।



स्मार्ट 1 फेबटेक द्वारा खानपान उद्योग और जैव-चिकित्सा क्षेत्र के लिए 3 डी प्रिंटिंग और संबंधित हिस्सों का विकास किया जा रहा है।



फ्रीबर्ड एयरोस्पेस एक डीजीसीए मान्य ड्रोन के उत्पादक है जो, नियामक एयरोस्पेस मानकों को पूरा करने वाले और विशिष्ट व्यवसायों की जरूरतों को हल करने वाले मानव रहित हवाई वाहनों के डिजाइन, विकास और निर्माण में माहिर है।

संकाय के मामले

संकाय के मामलों का कार्यालय, संकाय के सदस्यों से संबंधित सभी प्रशासनिक मामलों पर ध्यान देता है। यह संकाय के सदस्यों की नियुक्ति से लेकर उन्हें कार्यमुक्त करने तक का प्रशासनिक रिकॉर्ड रखता है। कार्यालय के अध्यक्ष, डॉ. आमोद सी. उमरीकर, डीओएफए के कार्यवाहक और सहयोग अध्यक्ष हैं, जिनके सहायक हैं कमांडर सुनील कुमार (सेवानिवृत्त) – संयुक्त रजिस्ट्रार, श्री सुनील सावले – कनिष्ठ अधीक्षक और श्री अमित मिश्रा – कनिष्ठ अधीक्षक (तकनीकी)।

यह कार्यालय निम्नलिखित कार्य करता है

- क) विभिन्न विभागों में नियुक्ति अभियान का संचालन और स्थायी/संविदात्मक/विज़िटिंग/सेवामुक्त हुए संकाय के सदस्यों की नियुक्ति।
- ख) नए नियुक्त हुए संकाय के सदस्य की नियुक्ति की प्रक्रियाएं पूर्ण करना।
- ग) सर्विस रिकॉर्ड और संकाय के सदस्यों की व्यक्तिगत फाइल का रखरखाव।
- घ) वेतन, पदोन्नति, छुट्टी, एलटीसी, आश्रितों की सूची, प्रतिनियुक्ति, वार्षिक वेतन वृद्धि, संविदात्मक नियुक्तियों के लिए कार्यकाल को बढ़ाना, पुष्टि, आदि सहित सभी सेवा संबंधित मामलों का प्रसंस्करण।
- ई) सेवा विवरण का नियमित अद्यतन।
- च) एमएचआरडी/आरटीआई प्रश्नों और लोकसभा/राज्य सभा प्रश्नावली के जवाब देना।

वर्ष 2021-22 के दौरान किए गए कुछ प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं:

- क) आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए विशेष नियुक्ति अभियान का संचालन।
- ख) नई संकाय की नियुक्ति के लिए संकाय एप्लिकेशन पोर्टल बनाना।
- ग) नियमों और प्रक्रियाओं के मानकीकरण के लिए विभिन्न नीतियों का निर्माण।
- घ) न्यूनतम सीमा और नए वातावरण में सदस्यों के तेजी से अनुकूलन को सुनिश्चित करने के लिए शामिल होने की औपचारिकताओं को सुव्यवस्थित करना।
- ई) नए शामिल हुए संकाय के सदस्यों के लिए वेलकम किट का प्रावधान।
- च) कम कागजी कार्रवाई और ईमेल के माध्यम से अनुमोदन।
- छ) संकाय के सदस्यों को एलटीसी समय पर मिले इसके लिए प्रावधान।

31 मार्च, 2022 तक भरे गए शिक्षकों के पद

पद	संख्या
प्राध्यापक	46
सह – प्राध्यापक	43
सहायक प्राध्यापक ग्रेड- I	65
सहायक प्राध्यापक ग्रेड- II	14
कुल	168

वर्ष 2021-22 के दौरान भा.प्रौ.सं. इंदौर में नियुक्त हुए संकाय के सदस्यों की संख्या 16 है और विवरण इस प्रकार है:

पद	संख्या
सहायक प्राध्यापक ग्रेड- I	02
सहायक प्राध्यापक ग्रेड- II	14
कुल	16

कुल 33 प्राध्यापक और 09 सह-प्राध्यापकों की नियुक्ति की गई।

डॉ. गौरीनाथ बांदा, सह-प्राध्यापक, कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग, दिसंबर 6, 2021 से एक वर्ष के लिए, दक्षिणी डेनमार्क विश्वविद्यालय में सह-प्राध्यापक के रूप में जुड़ने के लिए ग्रहणाधिकार से कार्य से मुक्त किए गए।

मान्यता और पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी विकास पुरस्कार 2021

एक नई ऐस्पैराइनेस (एम्-एसपीएआर) दवाई, एक ऐसी दवाई जो प्राथमिक और पुनरावर्तित तीव्र लिम्फैटिक ल्यूकेमिया- एक प्रकार के रक्त कैंसर के उपचार में सुधार के लिए चरण I और II नैदानिक परीक्षणों के तहत विकसित किए जाने के लिए जैव विज्ञान और जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. अविनाश सोनवणे को सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी विकास पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया गया।



सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी
पुरस्कार 2021

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2021
प्रो. सुमन मुखोपाध्याय
रसायन विज्ञान



सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2021
डॉ. अंकुर मिगलानी
यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग



विभाग सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2021
डॉ. शोमिक दासगुप्ता
मानविकी और सामाजिक विज्ञान के स्कूल



अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

भा.प्रौ.सं. इंदौर अपने शिक्षण और अनुसंधान विभागों को विश्व स्तर पर विकसित करने के उद्देश्य से, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से विस्तृत हो रही है। हाल में, हमें नॉर्वेजियन रिसर्च काउंसिल, इंटरपार्ट, आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज रिसर्च काउंसिल, डीएसटी – आरएफबीआर, एसआईसीआई, स्वीडिश इंस्टीट्यूट, डीएसटी, मैक्स प्लैंक सोसाइटी, डीएएडी, डीएसटी-एसइआरबी, डीएसटी-आरएसएफ, कॉमनवेल्थ और कई अन्य से संस्थाओं से अनुदान प्राप्त है। हम अधिक अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय परियोजनाओं के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, जापान, रूसी संघ, ताइवान, कोरिया, दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के साथ बड़े पैमाने पर सहयोग कर रहे हैं। 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों के साथ-साथ हमने 65 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और 379 बाहरी रूप से वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं सक्रिय हैं। इसके अलावा, हमारे डिग्री कार्यक्रमों में ज्यादा से ज्यादा विदेशी छात्रों को दाखिला देते हुए हुए, 2021-22 में, हमने 05 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को दाखिला दिया है, जिन्होंने भा.प्रौ.सं. इंदौर में विभिन्न विषयों में अपने परास्नातक और पीएचडी कार्यक्रमों में शिक्षा प्राप्त की है। ये छात्र सार्क देशों से थे और स्टडी इन इंडिया (एसआईआई), एसएसएएन, आईसीसीआर और एडसिल जैसे कार्यक्रमों द्वारा हमसे जुड़े हैं। अपनी राष्ट्रीय रैंकिंग और वैश्विक पहचान को व्यापक रूप से फैलते हुए, अब हम संभावित अंतरराष्ट्रीय छात्रों के बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त कर रहे हैं।

अब हम इंजीनियरिंग विज्ञान के क्षेत्र में यूरोप और भारत के बीच उच्च शिक्षा सहयोग (अनुसंधान और प्रशिक्षण) को मजबूत करने के उद्देश्य से हेरिटेज नेटवर्क के सदस्य भी हैं। हमने एसआईसीआई, एसीयू (द एसोसिएशन ऑफ कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटीज), ग्रीन नेटवर्क के साथ भी भागीदारी की है। हमने हाल ही में महामारी और विश्वमारी नवाचार केंद्र (EPIC) और शरमन फाउंडेशन छात्रवृत्ति (₹ 70,000 / - प्रति छात्र वार्षिक) भी शुरू किया है।

अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्यों: श्रीलंका के कटुबेड्डा की मोरातुवा विश्वविद्यालय में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ व्याख्याता, प्राध्यापक इंद्रजीत डी. निसानका, इंडियन साइंस और रिसर्च फेलोशिप (आईएसआरएफ) के तहत अनुसंधान प्रशिक्षण के लिए 2 फरवरी 2022 (03 महीने के लिए) भा.प्रौ.सं. इंदौर में आए थे।

विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन: हमने 65 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से सबसे हाल के एम.ओ.यू. का उल्लेख नीचे किया गया है:

- अलबर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा
- डी लिले विश्वविद्यालय, फ्रांस
- स्ज़ेचेनी इस्तवान विश्वविद्यालय, हंगारी
- लक्ज़मबर्ग विश्वविद्यालय, लक्ज़मबर्ग
- एडर विश्वविद्यालय, नॉर्वे
- लाइबनिज़ विश्वविद्यालय हनोवर, हनोवर, जर्मनी
- बोर्डो विश्वविद्यालय, फ्रांस
- रोस्टॉक विश्वविद्यालय, जर्मनी
- कान्सास विश्वविद्यालय, यू.एस
- राष्ट्रीय ताइपे प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ताइवान
- स्वीनबर्न प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया
- विग्रेर भौतिकी के लिए अनुसंधान केंद्र, हंगारियन विज्ञान अकादमी, बुडापेस्ट, हंगारी
- थेसालोनिकी, ग्रीस का एरिस्टोटल विश्वविद्यालय
- गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय, स्वीडन
- फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड सोशल एंटरप्रेन्योरशिप (एफआईएसआई), टेक्सास ग्लोबल हेल्थ सिक्योरिटी इनोवेशन कंसोर्टियम (टीईएक्सजीएचएस) और हेल्थ इनोवेशन एक्सचेंज (एचआईईएक्स), यूएन
- डेगली स्टडी डि उडीन विश्वविद्यालय, इटली
- फोरस्चयंगस्ज़ेन्ट्रम बोस्टल – लाइबनिज़ लंग सेंटर, जर्मनी

- डिपार्टमेंटो डि साइन्ज़ बायोमेडीकेडेल 'यूनिवर्सिटी डि सासारी (यूएनआईएसएस) ; सस्सारी, इटली
- जोहान्सबर्ग विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका
- टेक डी मॉन्टेरी, मेक्सिको
- पड्यूरू विश्वविद्यालय, यूएसए

PURDUE
UNIVERSITY

KU THE UNIVERSITY OF
KANSAS

Universität
Rostock

université
de BORDEAUX

Université
de Lille

UNIVERSITY OF
ALBERTA

SWINBURNE
UNIVERSITY OF
TECHNOLOGY

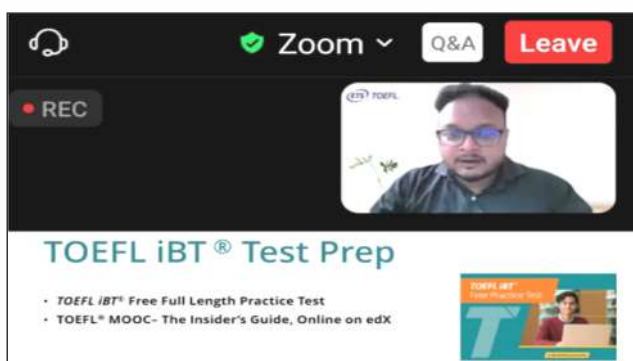
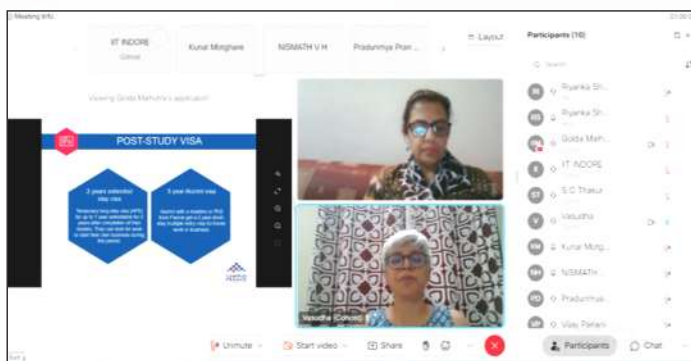
UNIVERSITÄT
LUXEMBURG

वर्चुअल बैठकें:

भा.प्रौ.सं. इंदौर के छात्रों के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के अवसरों का पता लगाने के लिए वेबिनार।

अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन में मौका मिलने पर डॉ माला पांडुरंग द्वारा वेबिनार

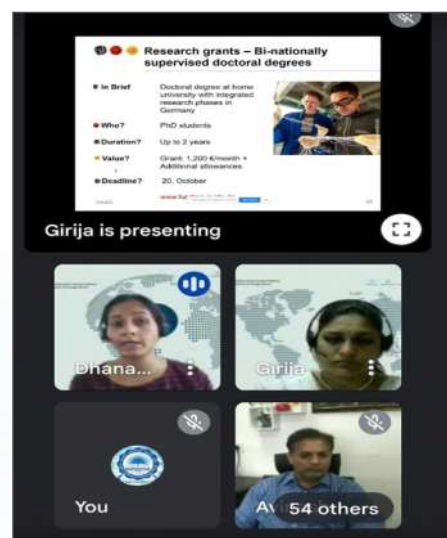
ईटीएस-इंडिया द्वारा भा.प्रौ.सं. इंदौर के छात्रों के लिए जीआरई और टीओईएफएल वेबिनार का आयोजन



विभिन्न चैनलों के माध्यम से आवेदन करने के अवसरों और प्रक्रियाओं के बारे में बताने के लिए डीएएडी की ई-विजिट।



लीबनिज़ यूनिवर्सिटी हनोवर के साथ अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रतिनिधियों की बैठक



आईएमटी नॉर्ड, यूरोप के साथ अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रतिनिधियों की बैठक

कार्यशाला और सेमिनार:



हंगरी के दूतावास के साथ मिलकर, भा.प्रौ.सं. इंदौर द्वारा नई दिल्ली में विभिन्न हंगारियन विश्वविद्यालयों/संस्थानों के वैज्ञानिकों की एक टीम के साथ एक वर्चुअल वैज्ञानिक बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस वैज्ञानिक बैठक का प्राथमिक उद्देश्य भा.प्रौ.सं. इंदौर और हंगरी के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के बीच अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, नवाचार और विनिमय के क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों को बढ़ावा देना था।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने और भा.प्रौ.सं. इंदौर के साथ छात्र/संकाय सदस्यों विनिमय और सहयोगी अनुसंधान की संभावनाओं का पता लगाने के लिए एगडर विश्वविद्यालय, ग्रिमस्टेड, नॉर्वे से नॉर्वेजियन प्रतिनिधियों का संसंधान में आना।



यूएसआईईएफ:

भा.प्रौ.सं. इंदौर के छात्रों के लिए फुलब्राइट आउटरीच वेबिनार का आयोजन।

कनाडा में पढ़ाई और उच्च शिक्षा, काम करने और रहने के अवसर पर भा.प्रौ.सं. इंदौर के छात्रों के साथ कनाडा के अल्बर्टा विश्वविद्यालय के प्राध्यापक समीर एच. मुश्रीफ की संक्षिप्त बातचीत।





प्रो. समीर एच. मुशरीफ़, अल्बर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध की टीम के साथ

छात्र विनिमय कार्यक्रम की सूची

कार्यक्रम का नाम	लाभार्थी
शार्ट-टर्म रिसर्च प्रोग्राम (1-6 महीने)	अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक
शार्ट-टर्म रिसर्च प्रोग्राम (1-3 महीने)	अंतर्राष्ट्रीय स्नातक/स्नातकोत्तर/पीएचडी छात्र
रिसर्च इंटरनशिप प्रोग्राम (आरआईएसएसएचड) 1-6 महीने	अंतर्राष्ट्रीय छात्र

आउटरीच पहल: विदेशी संकाय सदस्यों द्वारा कुल 25 व्याख्यान दिए गए।

व्याख्यान	वक्ता
नोबेल पुरस्कार विजेता द्वारा व्याख्यान	प्रो. डेविड जे. विनलैंड (भौतिकी में नोबेल पुरस्कार के विजेता), प्रो. विलियम डी. फिलिप्स (भौतिकी में नोबेल के पुरस्कार)
राष्ट्र निर्माण में विज्ञान की भूमिका	प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे, प्रो. निर्मल कुमार गांगुली, प्रो. गगनदीप कांग, प्रो. अनुराग अग्रवाल, प्रो. रोहित श्रीवास्तव
नोबेल पुरस्कारों पर पब्लिक आउटरीच व्याख्यान - 2021	प्रो. रमा गोविंदराजन, प्रो. गौतम आई. मेनन, प्रो. रवि एस. श्रीवास्तव, वी. देवला- पल्ली बी. रामाचारी, सुश्री निधि राजदान, प्रो. निशात जैदी, प्रो. देबासिस नायक



छात्रों के मामले

छात्रों के मामलों का कार्यालय, छात्रों के मामलों के सह-अध्यक्ष (एडीओएसए), छात्रों के मामलों के संयुक्त रजिस्ट्रार, अनुभाग अधिकारी और डीओएसए के व्यक्तिगत सहायक की सहायता के साथ, छात्रों के मामलों के अध्यक्ष (डीओएसए) की अध्यक्षता में एक टीम द्वारा, छात्र जिमखाना के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन के लिए भा.प्रौ.सं. में छात्रों के लिए एक प्रशासनिक इंटरफेस के रूप में कार्य करता है।

भा.प्रौ.सं.इंदौर के छात्रों के जीवन में, विभिन्न शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों के बीच एक सामान संतुलन शामिल है, जिसमें बीटेक परियोजना कार्य, अन्य पाठ्यक्रमों के हिस्से के रूप में परियोजनाएं, औद्योगिक दौरे आदि शामिल हैं, जो छात्रों के ज्ञान, अनुभव और व्यक्तित्व सुधारने में बेहद ज़्यादा मददगार हैं। छात्रों की पाठ्येतर गतिविधियाँ, संस्थान के अंदर इन्हें संचालित करने वाले क्लबों की एक व्यवस्थित संरचना द्वारा संचालित की जाती हैं। कुछ उल्लेखनीय क्लबों में प्रोग्रामिंग क्लब, ड्रामा क्लब, गेमिंग क्लब आदि शामिल हैं। विभिन्न छात्र-संचालित विभाग, जैसे कि उद्यमिता विभाग और छात्रों की अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों का विभाग, छात्रों को उद्योग और शिक्षा से परिचित कराने में और उनके कौशल को विकसित करने में मदद करते हैं। इसके साथ-साथ, भा.प्रौ.सं. इंदौर में छात्र-से-संकाय सदस्यों अनुपात उपयुक्त है, जो छात्रों के शिक्षण और समग्र विकास के लिए सर्वोत्तम वातावरण प्रदान करने में एक निश्चित भूमिका निभाता है।

विज्ञान और तकनीकी परिषद

भा.प्रौ.सं. इंदौर में तकनीकी नेटवर्क का तेज़ी से विकास हो रहा है। इंटर-आईआईटी टेक मीट में भा.प्रौ.सं. इंदौर की टीम ने समग्र रूप से 11वां स्थान प्राप्त किया और दो टीमों ने क्रमशः रजत और स्वर्ण पदक जीते। ईबाजा का आयोजन किया गया था जिसमें भा.प्रौ.सं. इंदौर ने सीएई और सेल्स कार्यक्रमों में 20वां स्थान प्राप्त किया था। प्रोग्रामिंग क्लब द्वारा आईटीआईएसओसी और विंटर ऑफ सीपी का आयोजन भी किया गया था। अन्य टेक क्लबों ने पूरे वर्ष विभिन्न कार्यशालाओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया।

सांस्कृतिक परिषद

सांस्कृतिक परिषद द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें लोगों को ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से जोड़ा गया। पूरे वर्ष के दौरान, द डिबेटिंग सोसाइटी, द लिटरेरी क्लब, सृजन, आइना, डांस क्लब, प्रकृति और अवाना सहित विभिन्न क्लबों ने कई कार्यशालाओं का आयोजन किया।

आईबीसीसी 3.0 का आयोजन इस साल सांस्कृतिक परिषद के तहत किया गया था, जिसमें भारी संख्या में लोग शामिल हुए। सांस्कृतिक क्लब द्वारा सोलो क्रिज़ और इम्प्रोविज़ाई जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ऑफलाइन ट्रेज़र हंट और खाना पकाने की प्रतियोगिताएं इस आयोजन का मुख्य आकर्षण थीं।

खेल परिषद

भा.प्रौ.सं. इंदौर के खेल परिषद द्वारा विभिन्न खेल आयोजनों का आयोजन किया गया, जिसमें एथलेटिक्स मीट, खो-खो टूर्नामेंट, फुटबॉल टूर्नामेंट, वॉलीबॉल टूर्नामेंट आदि शामिल हैं। इसके अलावा, खेल परिषद ने पहली बार वार्षिक खेल उत्सव, लक्ष्य-1.0 का आयोजन किया, जिसमें पूरे भारत से ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिए 1242 छात्रों और ऑफलाइन कार्यक्रमों के लिए 300 छात्रों ने हिस्सा लिया।

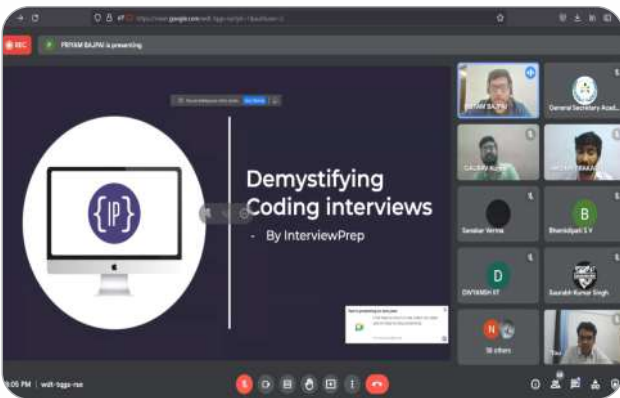
अकादमिक परिषद

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के छात्र जिमखाना के तहत बने अकादमिक परिषद ने अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में युवाओं को विकसित करने के लिए रिसर्च कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इसके अलावा, छात्रों के उत्साह, रुचियों और क्षमताओं को दर्शाने के लिए करियर गाइडेंस सीरीज 2.0 का आयोजन किया गया था। बाद में, इंडस्ट्री कनेक्ट टॉक्स का आयोजन, विचारों को व्यक्त करने और औद्योगिक दुनिया की गहरी समझ स्थापित करने के लिए एक पहल के रूप में किया गया था। बैच 2021-25 के नए छात्रों के लिए स्तर को ऊपर उठाने के लिए सभी शाखाओं के लिए विभागीय उन्मुखीकरण का आयोजन किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022 के अवसर पर, हमारे समाज में महिलाओं की भूमिका को सम्मानित करने और उसी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए भा.प्रौ.सं. के महिला विभाग के सहयोग से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

टेडएक्स

इस वर्ष का मुख्य आकर्षण भा.प्रौ.सं. इंदौर में टेडएक्स की दोबारा से की गई शुरुआत थी। यह टेडएक्स का तीसरा संस्करण था, जिसका विषय 'फीनिक्स इन द मेकिंग' था, जिसमें यह दर्शाया गया था कि कैसे मनुष्य खुद को फिर से निखार कर, सफलताएं हासिल कर सकता है। इसमें सुश्री रचना रानाडे, श्री अमित बोरकर, डॉ सरिता अहलावत, श्री निर्मल एनआर, श्री सौमेश पांडे और श्री यज्ञेश संघराजका द्वारा प्रेरणादायक व्याख्यान दिए गए। इस कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया, जो हमारे लिए एक और उपलब्धि थी।





नवाचार, इन्क्यूबेटर, उद्यमिता और औद्योगिक संबंधों का केंद्र (सीआईआईआईआईआर)

नवाचार, इन्क्यूबेटर, उद्यमिता और औद्योगिक संबंधों का केंद्र (सीआईआईआईआईआर) के तहत एक बिजनेस इन्क्यूबेटर बनाया गया है जो प्रौद्योगिकी-आधारित व्यवसायों के लिए 'स्टार्ट टू स्केल' समर्थन प्रदान करता है और अनुसंधान गतिविधि को व्यवसाय में बदलने की सुविधा प्रदान करता है।

दूरदर्शिता और लक्ष्य

भविष्य में हम ज्ञान और नवाचार को सफल उद्यमियों में परिवर्तित कर, समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के बीच नवाचार और उद्यमिता के कौशल विकसित करने के साथ-साथ इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स को मार्गदर्शित करके, उन्हें व्यवसाय के विकास के एक चरण से दूसरे चरण में प्रगति करने में सहायता करना है।

सीआईआईआईआईआर टीम, प्रो. आनंद पारे, अध्यक्ष, पूर्व छात्र और निगमित संबंधों को रिपोर्ट करती है। डॉ. स्वामीनाथन आर. (प्रमुख सीआईआईआईआईआर), सीआईआईआईआईआर समिति, डॉ. कुमार गौरव (सहायक रजिस्ट्रार) और सुश्री कविता इनामदार (कनिष्ठ सहायक), उद्यमिता विभाग (ई-सेल) के छात्रों के संयुक्त प्रयासों से इन्क्यूबेशन और उद्यमिता संबंधित गतिविधियों का प्रबंधन करते हैं।

इन्क्यूबेशन में दी जाने वाली सहायता और सुविधाएं

1. पूरी तरह से सुसज्जित, एयर कंडीशनर वाले कार्यालय, बोर्ड रूम, कांफ्रेंस रूम।
2. वाई-फाई और आईटी सपोर्ट।
3. नवाचार, अनुसंधान, परीक्षण, प्रोटोटाइप पर मार्गदर्शन।
4. विभिन्न वित्त पोषण योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए समय पर मार्गदर्शन।

सहकार्यता

- विभिन्न संगठनों के साथ निम्नलिखित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं/ साथ मिलकर काम किया जा रहा है
- विनिर्माण एमएसएमई क्षेत्र के लिए डिजाइनिंग में विशेषज्ञता (एमएसएमई मंत्रालय की डिजाइन योजना)
- इनक्यूबेटर (एमएसएमई मंत्रालय की इनक्यूबेशन योजना) के माध्यम से एमएसएमई के उद्यमिता और प्रबंधकीय विकास के लिए सहायता
- महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एफआईसीसीआई एफएलओ
- डिजिटल फ्यूचरिस्टिक एंजल्स नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड
- एनएनएम नेक्स्ट जेन (कोकाको) एंजल्स इन्वेस्टर
- इनोकॉर्न एंजल्स नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड
- बैंक ऑफ बड़ौदा, हमारे उद्यमियों को लोन और धन उपलब्ध कराने के लिए
- नवाचार, उद्यमिता, बौद्धिक संपदा, उद्योगों से संपर्क और स्टार्ट-अप के लिए वायएनओएस प्रौद्योगिकी मंच प्रदान करना

प्रमुख उपलब्धियां:

- सीआईआईआईआईआर, आईआईटी इंदौर में 24 स्टार्ट-अप उद्यमि किए गए हैं।
- एमएसएमई इनोवेटिव स्कीम के तहत, एमएसएमई मंत्रालय द्वारा, ₹ 30 लाख के वित्त पोषण के लिए 2 विचारों को मंजूरी दी गई थी।
- श्री कुणाल चौधरी, पूर्व छात्र और उद्यमि, को डीजीसीए द्वारा ड्रोन नियमों के लिए कोर समूह के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।
- स्पार्क ग्रीन वेंचर्स, एक ऐसा स्टार्टअप जो सीआईआईआईआईआर में कृषक कल्याण ऐप विकसित कर रहा है, को युक्ति पोर्टल - नवाचार विभाग, शिक्षा मंत्रालय से, सीआईआईआईआईआर द्वारा ₹ 10 लाख का अनुदान दिया गया।
- स्पार्क ग्रीन वेंचर्स को आईसीएआर, कृषि मंत्रालय द्वारा ₹ 15 लाख दिए गए।
- स्कैस टेक्नोलॉजी, सेमि-ऑटोनोमस एआई-सक्षम यूएवी बनाने वाले एक स्टार्टअप, को एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा आयोजित स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर चैलेंज 2020 में, 6169 टीमों में से (10,000 से अधिक प्रतिभागियों के साथ) 30 अंतिम टीमों में से एक के रूप में चुना गया था।

- सीआईआईआईआर में इनक्यूबेट किए गए एक स्टार्टअप, पद्मप्रिया टेक्नोवेट प्राइवेट लिमिटेड को भा.प्रौ.सं. इलाहाबाद में न्यूजेन आईडीसी केंद्र से धन सहायता प्राप्त करने के लिए चुना गया है।
- भा.प्रौ.सं. एडवांस्ड सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप (एसीई) फाउंडेशन, जो स्टार्टअप्स और इनक्यूबेशन संबंधी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने वाली एक अलग कलम 8 कंपनी है, को सफलतापूर्वक निगमित किया गया।

आयोजित किए जाने वाले या भाग लिए जाने वाले वेबिनार / मुख्य कार्यक्रम

- एनआईडी अहमदाबाद से श्री ऑस्टिन डेविस ने, एक कहानी या डिजाइन + प्ले, सिर्फ एक खिलौना नहीं! सिर्फ एक खेल नहीं! पर एक वेबिनार दिया।
- प्राध्यापक डी.एल., भा.प्रौ.सं. इंदौर के सुंदर ने उद्यमिता में जोखिम को कम करने पर एक वेबिनार दिया।
- सुश्री सिनजिनी सेनगुप्ता ने उद्यमियों के लिए व्यक्तिगत ब्रांडिंग पर एक वेबिनार दिया।
- ईडीआईआई के डॉ. अमित कुमार द्विवेदी और डॉ. सत्य रंजन आचार्य ने कोविड महामारी के दौरान और उसके बाद उद्यमिता के अवसर और पारिस्थितिकी तंत्र पर एक वेबिनार दिया।
- आईआईएससी बेंगलूर के प्राध्यापक, एन.एस. दिनेश ने भारतीय खिलौनों की रीब्रांडिंग थीम के तहत स्वचालित कठपुतली विकसित करने में आने वाली चुनौतियों पर एक वेबिनार दिया।
- प्रयोगशाला से खेत का पारिस्थितिकी तंत्र: चुनौतियां और अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला, भा.प्रौ.सं. इंदौर और आरआरकेट इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई।
- कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत उद्यमिता विकास और उद्यमियों के लिए नेतृत्व का अभ्यास पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- ई-सेल द्वारा मार्केटिंग फिएस्टा कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- i5 समिट, जो मध्य भारत का सबसे बड़ा उद्यमिता सम्मेलन है, का आयोजन ई-सेल, भा.प्रौ.सं. इंदौर और भा.प्र.सं. इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।
- आईआईटीएम नेक्सस बुक लॉन्च कार्यक्रम, ई-सेल द्वारा आयोजित किया गया था और इस पुस्तक में भा.प्रौ.सं. इंदौर की स्नातक छात्र, सुश्री शिवानी शशिन, सह-लेखक है जिसने 16 आईआईटीएम उद्यमी पूर्व छात्रों की कहानी का निरूपण किया है।
- एमपी स्टार्टअप पॉलिसी लॉन्च करने के लिए, एमपी स्टार्ट अप 2022 कॉन्क्लेव का आयोजन, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इंदौर में किया गया था। भा.प्रौ.सं. इंदौर ने इस कॉन्क्लेव में भाग लिया और भा.प्रौ.सं. इंदौर से जुड़े स्टार्टअप्स द्वारा, इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले 2000 से अधिक छात्रों को अपने अभिनव उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।

एमपी स्टार्टअप 2022

सीआईआईआईआईआर भा.प्रौ.सं. इंदौर से जुड़े स्टार्टअप

1. इंटरव्यूपेप
2. मिबी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
3. स्कैस टेक्नोलॉजी
4. फूडकैम्प
5. ओटोमेटर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
6. स्मार्ट आई फैब टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
7. फ्रीबर्ड एयरोस्पेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
8. थिंक -वीएलएसआई
9. स्पार्क ग्रीन वेंचर्स और इनोवेशन
10. फंड्स4एसएमइ
11. ज़ोहानी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
12. डॉकमेप
13. पद्मप्रिया टेक्नोवेट प्राइवेट लिमिटेड
14. सिम्बिएंट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
15. अडवांस्ड लाइटनिंग सिस्टम



16. दासा (ड्राइवर एंटी स्लीप अलार्म)
17. ओरल सबम्यूकोस ब्रोसिस के घातक परिवर्तन का शीघ्र पता लगाने के लिए डायग्नोस्टिक केटी
18. पंचम इन्फिनिटी प्राइवेट लिमिटेड
19. भुसत्यम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
20. एफिकेसी नेक्स प्राइवेट लिमिटेड
21. अनंतश्री वाहन प्राइवेट लिमिटेड
22. बल बाइक्स
23. हाइजीनि
24. हैप्पीनेस कैंडीटॉयज प्राइवेट लिमिटेड

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र

इस केंद्र द्वारा भा.प्रौ.सं. के सदस्यों को विभिन्न सेवाएं प्रदान की जाती हैं। यह केंद्र निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करता है:

नेटवर्क कनेक्टिविटी: सीआईटीसी पूरे परिसर में 2 जीबीपीएस नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान करता है। सभी बिल्डिंग, विभाग, छात्रावास, शिक्षण संसाधन केंद्र, प्रशासनिक विभाग, लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स, स्वास्थ्य केंद्र और संकाय सदस्यों के निवास में 10 जीबीपीएस 144 कोर फाइबर की कनेक्टिविटी दी गई है। भा.प्रौ.सं. इंदौर एडुरोम नेटवर्क का भी एक हिस्सा है।

हाई परफॉरमेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी): सीआईटीसी द्वारा सर्वर, स्टोरेज और हाई परफॉरमेंस कंप्यूटिंग की सुविधा दी जा रही है। सीआईटीसी बिल्डिंग में बने डाटा सेंटर द्वारा निरर्थक यूपीएस और 320 केवी डीजी सुविधा दी जाती है। सीआईटीसी में 5 इनफिनिबेन्ड लिनक्स क्लस्टर होस्ट किए गए हैं जिसके कारण कुल मिलाकर 1600 से अधिक सीपीयू कोर काम करते हैं और इसका स्टोरेज 100 टीबी है।

आवश्यक आईटी सेवाएं: सीआईटीसी द्वारा, संस्थान की वेबसाइट के रखरखाव और विकास, आंतरिक/बाहरी डीएनएस सर्वर, वेब-आधारित स्वचालन, एलडीएपी/रेडियस का उपयोग करके केंद्रीकृत प्रमाणीकरण, हर बिल्डिंग के लिए डीएचसीपी-आधारित गतिशील आईपी आवंटन, परिसर में वाई-फाई, स्टोरेज, परिसर में टेलीफोन सेवाएं, ऑनलाइन स्वचालन सेवाएं, वर्चुअल संसाधनों आवंटन, एक अलग श्रेणी के उपयोगकर्ताओं के लिए आंतरिक क्लाउड स्टोरेज, व्यक्तिगत होमपेज होस्टिंग सेवाएं और प्रत्येक उपयोगकर्ता के लिए ओपन-वीपीएन जैसे सेवाएं, संस्थान में ही प्रदान की जा रही है। सीआईटीसी में टिकट आधारित ऑनलाइन सेवा अनुरोध प्रणाली है, जिसके तहत उपयोगकर्ता, ऑनलाइन ही सेवा अनुरोध और शिकायतें दर्ज कर सकता है और बाद में उनकी स्थिति को ट्रैक कर सकता है।

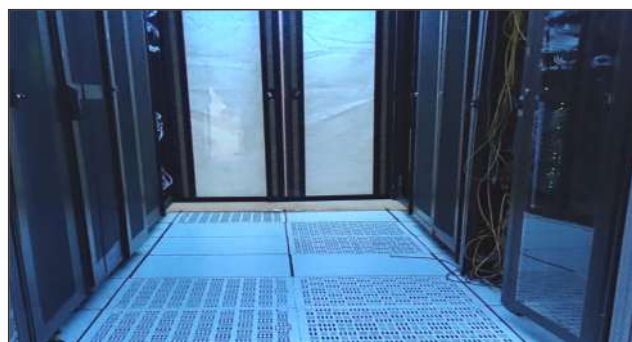
तकनीकी सहायता: सीआईटीसी सभी विभागों, एलएचसी, छात्रावासों, निवसीय क्षेत्रों और प्रशासनिक विभागों में आईटी उपकरण और एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर की स्थापना और रखरखाव के लिए सहायता प्रदान करता है। हम स्मार्ट क्लास, कॉन्फ्रेंस रूम और बोर्ड रूम की स्थापना और रखरखाव के लिए भी तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं।

हमारी टीम के सदस्य

- | | |
|--|---|
| 1. डॉ. नेमिनाथ हुबली, सीआईटीसी के प्रमुख | 2. योगेंद्र सिंह, डेप्युटी सिस्टम मैनेजर |
| 3. जितेंद्र गुप्ता, तकनीकी अधीक्षक | 4. धीरज विजयवर्गीय, कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक |
| 5. विजय कुमार राय, सिस्टम इंजीनियर | 6. प्रल्हाद सिंह पंवार, सिस्टम एनालिस्ट |
| 7. शैलेश कौशल, अधीक्षक | 8. सुभा जाना, अधीक्षक |



सीआईटीसी बिल्डिंग



सर्वर कक्ष

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (सीआई)

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (सीआई) की स्थापना, जून 2020 में भा.प्रौ.सं. इंदौर में एक अंतःविषय अनुसंधान केंद्र के रूप में की गई है, जिसका उद्देश्य कंप्यूटिंग, संचार, चिकित्सा और ऊर्जा सहित बहु-विषयक अनुप्रयोगों के लिए सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकी का विकास करना है। इस केंद्र के अध्यक्ष, प्राध्यापक मुकेश कुमार हैं, जिनके तहत, संस्थान और प्रशासनिक कर्मचारियों के अन्य संकाय के सदस्यों की एक प्रमुख टीम बनाई गई है।

सीआई को, मानव जाति के फायदे के लिए उच्च गुणवत्ता वाले अनुप्रयुक्त अनुसंधान को सक्षम करने के लिए, एक ही तकनीकी छत के नीचे, इलेक्ट्रॉनिक्स और इसके संबंधित क्षेत्रों में काम करने वाले कुछ प्रसिद्ध शिक्षाविदों को साथ मिलकर काम करवाने पर गर्व है। हम इलेक्ट्रॉनिक्स के राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण क्षेत्र में अनुप्रयुक्त अनुसंधान, उपकरण विकास और कौशल और जनशक्ति विकास के लिए एक मंच प्रदान पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (सीआई) द्वारा विशेष रूप से उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स में पीएच.डी. कार्यक्रम की शुरुआत की गई है, जिसमें नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स / माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, इंटेग्रेटेड फोटोनिक्स / ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत सामग्री और उपकरण, उन्नत सामग्री और उपकरण, उन्नत छिद्र युक्त कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स और सामग्री, और 2 डी इलेक्ट्रॉनिक सामग्री जैसे अनुसंधान क्षेत्र शामिल हैं।

यह केंद्र, देश की सेमीकंडक्टर जरूरतों को पूरा करने के लिए, विशेष रूप से जनशक्ति उत्पन्न करने और भारत सेमीकंडक्टर मिशन में तकनीकी रूप से योगदान देने के लिए एक स्नातकोत्तर कार्यक्रम, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स में एमएस रिसर्च शुरू करने वाला है।

संकाय सदस्यों के सदस्यों की संख्या: 10	
प्राध्यापक	07
सह-प्राध्यापक	01
सहायक प्राध्यापक ग्रेड	02
पीएचडी	02
पोस्ट डॉक्टर फेलो	01 (शामिल होने की उम्मीद)

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या	प्रदान की गई डिग्री
बीटेक	लागू नहीं	—
एमटेक	लागू नहीं	—
एमएससी	लागू नहीं	—
पीएचडी	02	—

अनुसंधान एवं विकास के लिए गतिविधियां

यह केंद्र बहु-विषयक क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर केंद्रित है। उन्नत अर्धचालक प्रौद्योगिकी और सामग्री विज्ञान में अनुसंधान और विकास के लिए कुछ अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सीआई के तहत बनी अनुसंधान प्रयोगशालाएं

1. ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक नैनोडीवाइस रिसर्च लेब
2. नॉन-इक्विलिब्रियम अडवांस्ड इंजीनियरिंग लैब
3. हाइब्रिड नैनोडिवाइस रिसर्च ग्रुप (एचएनआरजी) नैनोस्केल डिवाइस
4. वीएलएसआई सर्किट एंड सिस्टम डिजाइन रिसर्च एंड डेवलपमेंट लैब
5. सुपरमॉलेक्यूलर केमिकल नैनोसाइंस ग्रुप
6. मटेरियल एंड डिवाइस रिसर्च ग्रुप
7. सिग्नल और सॉफ्टवेयर ग्रुप (एसएसजी)
8. थेओरेटिकल कंडेंसड मेटल फिजिक्स एंड एडवांस्ड कम्प्यूटेशनल मैटेरियल्स साइंस लेब
9. सिग्नल प्रोसेसिंग रिसर्च ग्रुप

10. नैनो एंड एनर्जी मैटेरियल्स लैबोरेटरी

11. ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक एंड फंक्शनल ऑक्साइड्स लेब

अनुसंधान के परिणाम

- सी-आईटीओ पर आधारित ऑप्टिकल मॉड्यूलैटर का विकास
- 2डीईजी आधारित फोटोनिक उपकरणों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास
- खाद्य जनित रोगजनकों का पता लगाने के लिए जैव रासायनिक सेंसर का विकास
- कृषि और पर्यावरण के लिए मिट्टी और पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए पोर्टेबल रीयल-टाइम सेंसर सिस्टम
- क्रॉप अर्ली डिजीज डिटेक्शन और होमलैंड सिक्वोरिटी के लिए बायोमेडिकल इमेज प्रोसेसिंग के लिए न्यूरोसिनेप्टिक चिप्स

आउटरीच गतिविधियों के एक भाग के रूप में, केंद्र द्वारा विभिन्न उन्नत प्रौद्योगिकियों को शामिल करते हुए, विभिन्न लघु पाठ्यक्रम / वेबिनार / एफडीपी का आयोजन और संचालन किया गया है। सीआई ने अपने उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशनों और पेटेंट के साथ उल्लेखनीय योगदान दिया है और कई सारे बाहरी स्नातक छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया है।

विभाग में उल्लेखनीय गतिविधियां

रडार प्रौद्योगिकी और फोटोनिक्स के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान कार्य के लिए, सीआई में हमने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ एक गैर-प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। आंतरिक और बाहरी छात्रों और संकाय सदस्यों के सदस्यों को लाभान्वित करने के लिए हम एफडीपी और अन्य पाठ्यक्रमों का संचालन करके अपनी आउटरीच गतिविधियों को प्रभावशाली रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। सीआई के साथ, हमें निम्नलिखित तीन पेटेंट दायर करने और प्रकाशित करने पर गर्व महसूस हो रहा है:

- इंजीनियर्ड नैनोफोटोनिक स्ट्रक्चर वाला एक जैव रासायनिक सेंसर, इसे बनाने की प्रक्रिया और इसके उपयोग।
निवेशक: मुकेश कुमार, सुलभ, एल सिंह, एस जैन, एस राजपूत, वी कौशिक, एच सी झा
- एस और एन डोपेड कार्बन डॉट फंक्शनल टंगस्टन ऑक्साइड पर आधारित अल्ट्रासेंसिटिव NO₂ सेंसर।
आविष्कारक: शैबल मुखर्जी, अपूर्वा के दास, चंद्रभान पटेल, बिस्वजीत मंडल, रोहित गजानन जाधव
- सिलिकॉन संगत आइटीओ-आधारित मेमस्तीव क्रॉसबार ऐरे और उसके निर्माण का तरीका।
आविष्कारक: शैबल मुखर्जी, संजय कुमार, मंगल दास, कुमारी ज्योति

आउटरीच गतिविधियाँ

- एआई और आईओटी इन नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, एग्रीकल्चर एंड कम्युनिकेशन इन द अनरेवलिंग ऑफ आत्मनिर्भर भारत, एआईसीटीई क्यूआईपी प्रायोजित संकाय सदस्यों डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी), मार्च 7-12, 2022 को प्रो. शैबल मुखर्जी द्वारा आयोजित।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड इंटरनेट ऑफ थिंग्स इन नैनो टेक्नोलॉजी, सेंसर एंड कम्युनिकेशन इन मेकिंग ऑफ आत्मनिर्भर भारत, अटल एफडीपी दिसंबर 6-10, 2021 को, प्रो. शैबल मुखर्जी द्वारा आयोजित।
- शिक्षा / लघु-पाठ्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में प्रो. शैबल मुखर्जी द्वारा 5वीं आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइसेज टेक्नोलॉजी एंड मैन्युफैक्चरिंग (ईडीटीएम) सम्मेलन का चीन में, अप्रैल 8-11, 2021 को आयोजित।
- 2021 आईईईई नैनो टेक्नोलॉजी काउंसिल (एनटीसी) स्टूडेंट चैप्टर द्वारा आईईईई दिवस (प्रो. शैबल मुखर्जी द्वारा आयोजित)।
- आईईईई एमपी सेक्शन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेज सोसाइटी (ईडीएस) चैप्टर (रा. शैबल मुखर्जी द्वारा आयोजित) के माध्यम से प्रो. योगेश एस. चौहान द्वारा विशिष्ट व्याख्यान।

परियोजनाएं -

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श कार्य
नई परियोजनाएं	01	-
जारी परियोजनाएं	01	-
पूरा हो चुकी परियोजनाएं	-	-

प्रकाशन -

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन पत्र	पत्रिका पत्र
कुल		02		52

इलेक्ट्रिक वाहन और इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम (सीइवीआईटीएस)

सीइवीआईटीएस की शुरुआत, अप्रैल 2021 में की गई थी। इसके तीन प्रमुख उद्देश्य हैं: i) इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कौशल और हुनर का विकास करना; ii) परिवर्तनकारी गतिशीलता में अनुसंधान और नवाचार के लिए एक सर्वश्रेष्ठ पारिस्थितिक तंत्र बनाना; और iii) ईवी प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उद्यमियों को बढ़ावा देना। सीइवीआईटीएस ने देश भर के छात्रों और व्यवसायियों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का विस्तृत ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से, इलेक्ट्रिक गतिशीलता से संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए। सीइवीआईटीएस द्वारा, शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी (ईवीटी) में एमटेक कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। इन कार्यक्रमों के पाठ्यक्रमों में ईवी के सभी आवश्यक पहलू शामिल हैं। इसके अलावा, एमटेक+पीएचडी डुअल डिग्री प्रोग्राम भी शुरू किया गया है। यह केंद्र तीन प्रकार की अनुसंधान और विकास परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगा: ए) अधिकतम उत्पादन सक्षम करने के लिए अनुसंधान, विकास और इंजीनियरिंग (आर, डी एंड ई) (उद्योग समर्थन आवश्यक है); बी) उत्पादन को बढ़ाने वाले अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान, डिजाइन और विकास (आर, डी एंड डी); और ग) मूलभूत अनुसंधान एवं विकास।

शैक्षणिक कार्यक्रम

सीइवीआईटीएस द्वारा देश भर के छात्रों और व्यवसायियों को इलेक्ट्रिक गतिशीलता का विस्तृत ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से, सीइवीआईटीएस द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी (ईवीटी) में एमटेक कार्यक्रम शुरू किया गया है। केंद्र में एमटेक+ पीएचडी डुअल डिग्री कार्यक्रम भी शुरू किया गया है।

केंद्र से जुड़े संकाय सदस्यों के सदस्यों की संख्या: 25

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या	प्रदान की गई डिग्री
इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी (ईवीटी) में एमटेक	5-10	एमटेक

अनुसंधान एवं विकास के लिए गतिविधियां

सीइवीआईटीएस में वर्तमान अनुसंधान क्षेत्र निम्नलिखित हैं:

ऊर्जा संरक्षण, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव, व्हीकल कम्युनिकेशन सिस्टम, व्हीकल डायनामिक्स, ट्रैफिक/ यातायात इंजीनियरिंग, ईवी के लिए उन्नत सामग्री

विभाग में उल्लेखनीय गतिविधियां

- 1) 12-19 जुलाई 2022 के बीच आयोजित 'अगली पीढ़ी के इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम के लिए वेहिकुलर कम्युनिकेशन' पर डीएसटी एसईआरबी कार्यशाला।
- 2) वीईसीवी पीथमपुर में व्यवसायियों के लिए नियोजित पाठ्यक्रम: थर्मल मैनेजमेंट, कनेक्टेड वाहनों की नेटवर्किंग और सुरक्षा पहलू, बैटरी सेल और बैटरी रसायन, रडार और लिडार प्रौद्योगिकी

संकाय सदस्यों या सदस्य का नाम	सीईवीआईटीएस में योगदान का क्षेत्र
डॉ. गौरीनाथ बंदा	(ए) ऑटोनोमस वेहीक्यूलर (एवी) सिस्टम: फंडामेंटल्स, आई2, एलओए, वी और वी (बी) एवी और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए आरएईएस; (सी) एवी में एसएसई प्लस एफएस; (डी) एवी/ईवी परीक्षण: (गैर-यांत्रिक) परिस्थिति और भाषाएं (ई) एवी/ईवी की ई/एस आधारित औद्योगिक योग्यता; (एफ) फ्रेम में एवी के लिए ट्रस्ट फ्रेमवर्क (एस/एनएस)
(सीएसई)	ट्रैफिक इंजीनियरिंग, ट्रैफिक फ्लो थ्योरी
डॉ. गौरब सिल (सीई)	इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स
डॉ. आमोद सी. उमरीकर (ईई)	इलेक्ट्रिक वाहनों में गति नियंत्रण
डॉ. अभिनव कुमार सिंह (ईई)	इलेक्ट्रिक वाहनों में शोर और कंपन
(डीएसटी-इंस्पायर संकाय सदस्यों)	हाइब्रिड वाहन, इलेक्ट्रिक वाहनों की गतिशीलता और सिमुलेशन
प्रो. आनंद पारे (एमई)	ऑटोड्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन
डॉ. देवेन्द्र देशमुख (एमई)	फ्यूल सेल; सीएफडी
डॉ. आई.ए. पलानी (एमई)	वाहन की गतिशीलता, इलेक्ट्रिक वाहनों के अनुप्रयोगों के लिए समग्र सामग्री
डॉ. एस. दिनाकर (एमई)	इलेक्ट्रिक वाहन का थर्मल प्रबंधन
डॉ. एस.आई. कुंडलवाल (एमई)	इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सामग्री और क्रेशयोग्यता
डॉ. हरेकृष्ण यादव (एमई)	इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए हल्के वजन वाली सामग्री, यांत्रिक परीक्षण, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सामग्री की डिजाइनिंग
के ईश्वर प्रसाद (एमईएमएस)	इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विद्युत रासायनिक ऊर्जा भंडारण
डॉ. जे पी मुरुगेसन (एमईएमएस)	इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विद्युत रासायनिक ऊर्जा भंडारण
डॉ. रूपेश एस. देवन (एमईएमएस)	इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उन्नत सामग्री और प्रक्रियाएं
डॉ. सुनील कुमार (एमईएमएस)	ऊर्जा से संबंधित सामग्री और भविष्यवादी बैटरी सामग्री
डॉ. सुमंत सामल (एमईएमएस)	ट्राइबोइलेक्ट्रिक और नैनो-जनरेटर
डॉ. सोमादित्य सेन (भौतिकी)	ऑटोमोबाइल में मानव कारक



भविष्यवादी रक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएफडीएसटी)

यह केंद्र आत्मनिर्भर भारत की दिशा में रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में छात्रों और शोधकर्ताओं को, उनके योगदान के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह केंद्र, देश के रक्षा संस्थानों जैसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रमुख प्रयोगशालाओं की कुछ शोध समस्याओं के लिए तकनीकी समाधान प्रदान करने में योगदान दे रहा है। यह केंद्र, निकट भविष्य में रक्षा और अंतरिक्ष के व्यापक क्षेत्र में विशेष और समर्पित एम.टेक/एमएस (अनुसंधान) और पीएच.डी. कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है।

भविष्यवादी रक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र का संचालन, डॉ. इंद्रसेन सिंह (सीएफडीएसटी प्रमुख) और सुश्री कविता इनामदार द्वारा किया जा रहा है।

सीएफडीएसटी में सदस्य:

- प्रो. नीलेश कुमार जैन
- प्रो. रजनीश मिश्रा
- प्रो. राम बिलास पचौरी
- प्रो. विमल भाटिया
- डॉ. अभिनव कुमार सिंह
- प्रो. अभिरूप दत्ता
- डॉ. अभिषेक राजपूत
- प्रो. अविनाश सोनावणे
- डॉ. अजय कुमार कुशवाहा
- प्रो. आई ए पलानी
- डॉ. ललित बोराना
- डॉ. मृगेंद्र दुबे
- प्रो. नीलिमा सत्यम
- डॉ. पंकज सगदेव
- डॉ. पुनीत गुप्ता
- डॉ. चंद्रेश कुमार मौर्य
- प्रो. संजय कुमार सिंह
- डॉ. सौरभ दास
- प्रो. शैबल मुखर्जी
- डॉ. विनोद कुमार
- डॉ. विवेक कन्हांगडो
- डॉ. हेम चंद्र झा
- डॉ. जयप्रकाश मुरुगेसन
- डॉ. मुकेश कुमार
- प्रो. निर्मला मेनन
- प्रो. रुचि शर्मा
- डॉ. सोमादित्य सेन
- डॉ. सुमंता सामली
- डॉ. सूर्य प्रकाश
- डॉ. स्वामीनाथन रामबद्रन

उल्लेखनीय उपलब्धियां: कोविड 19 महामारी के दौरान वेबिनार का आयोजन

- विशेषज्ञ वक्ता, डॉ. अजय कुमार, आईएएस रक्षा सचिव, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रक्षा उद्योग, एक उभरने वाला क्षेत्र, पर वेबिनार।
- विशेषज्ञ वक्ता, मेजर जनरल ए के चन्नान, पीवीएसएम, एसएम अतिरिक्त महानिदेशक आर्मी डिजाइन ब्यूरो द्वारा सैन्य युद्ध पर एक विघटनकारी प्रभाव के रूप में प्रौद्योगिकी पर वेबिनार।
- विशेषज्ञ वक्ता, लेफ्टिनेंट जनरल वीजी खंडारे पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम (सेवानिवृत्त) सैन्य सलाहकार, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापक राष्ट्रीय शक्ति में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर वेबिनार।
- आयुध प्रतिष्ठानों में अनुसंधान और विकास के अवसरों पर 26 अगस्त 2020 को एक दिवसीय कार्यशाला (एआरएमआरईबी- 2020) का आयोजन किया गया।

भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान

प्रणाली केंद्र (सीआईएसकेएस)

इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य, भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रथाओं को समझना, संरक्षित करना, सिखाना और अपनाना होगा। वह केंद्र विशेष रूप से भारत की वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी इतिहास और आधुनिक दुनिया के लिए इसकी प्रासंगिकता पर ध्यान केंद्रित करेगा। गणित, खगोल विज्ञान, धातु विज्ञान, जीव विज्ञान, कृषि, इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसे जटिल विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह केंद्र भाषा अध्ययन या मानविकी या भारतीय ज्ञान प्रणालियों के सामाजिक विज्ञान पहलुओं पर ध्यान केंद्रित नहीं करेगा।

संसाधनों पर चलने वाली इस दुनिया में, विकास, स्थिरता और समान विकास की जरूरतों को संतुलित करना आवश्यक है। उदाहरण के लिए, भारतीय सभ्यता में बौद्धिक संपदा का सूक्ष्म दृष्टिकोण, दुनिया के लिए, ज्ञान के निर्माण के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता के साथ, सामान्य सामाजिक अच्छाई को संतुलित करने वाला आदर्श हो सकता है।

इसके कुछ विशिष्ट उदाहरण नीचे दिए गए हैं

1. धातु विज्ञान में कुछ तकनीकों को समझने से हमें अद्वितीय विशेषताओं (धातु के आयने, जंग प्रतिरोधी लोहा, ज्यादा मजबूत स्टील मिश्र धातु) वाली नई सामग्री बनाने में मदद मिल सकती है।
2. वृक्षायुर्वेद, कृषि पाराशर, विश्व वल्लभ, कश्यपीय कृषि सूक्ति जैसे कृषि ग्रंथों से प्राप्त होने वाले ज्ञान से हमें वाटरशेड प्रबंधन, स्थायी कृषि और कीट प्रबंधन के लिए स्थायी प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में मदद मिलेगी।
3. कपड़ा उद्योग पशुधन से कपास प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कुछ तकनीकों से लाभान्वित हो सकता है और इसके व्यावसायिक प्रभाव हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, कृपया एक अमेरिकी कंपनी द्वारा मवेशियों से कपास प्राप्त करने के लिए दायर एक पेटेंट का संदर्भ लें जिसमें कपड़ों की रंगाई के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकों का इस्तेमाल किया गया था (<https://patents.google.com/patent/US2947594/en>)।

दूरदर्शिता

भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र (सीआईएसकेएस), भविष्य में ऐसे विद्वानों को प्रशिक्षित करना चाहता है जो दुनिया को 'भारतीय तरीकों' से काम करना सिखाएंगे।

लक्ष्य:

यह केंद्र सभी भारतीय भाषाओं में मूल ग्रंथों का अध्ययन करके और निरंतर सामाजिक विकास के लिए वर्तमान तकनीकी चुनौतियों को सुलझाने के लिए उनकी प्रासंगिकता को समझकर, ऐतिहासिक भारतीय विज्ञान के अनुसंधान और शिक्षा पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करेगा। यह केंद्र, पूर्वस्नातक / स्नातक छात्रों के लिए संस्कृत में विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों के लिए विशिष्ट पाठ्यक्रम विकसित करने, ग्रंथों पर शोध करने और आधुनिक संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा और भारत की इंजीनियरिंग कॉलेजों में शिक्षकों और छात्रों के बीच ज्ञान के प्रसार और प्रशिक्षण के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगा।

उद्देश्य

1. भारत के शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों पर शोध करना
2. छात्रों को भारत के वैज्ञानिक ग्रंथों के बारे में शिक्षित करना
3. भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणालियों में छात्रवृत्ति उपलब्ध करना
4. भारत के शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों का संरक्षण करना
5. भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली के क्षेत्र में भारत के अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ मिलकर काम करना

मुख्य क्षेत्र

- | | | |
|---------------------|------------------------------|---------------------|
| 1. ज्ञान प्रतिमान; | 2. स्थायी कृषि; | 3. उपन्यास सामग्री; |
| 4. व्यापक चिकित्सा; | 5. ऐतिहासिक ज्ञान का संरक्षण | |

चल रही परियोजनाएं

क्र.	क्र. परियोजना का शीर्षक
1.	उज्जैन में प्राचीन वेद-शाला के साथ 1 स्थितीय खगोल विज्ञान
2.	पारंपरिक अकार्बनिक रासायनिक उर्वरकों और ठोस खाद के विकल्प के रूप में पारंपरिक तरल उर्वरक
3.	ग्रेफीन और कार्बन क्वांटम डॉट्स को संश्लेषित करने के लिए 'पंचगव्य' (गाय का गोबर, मूत्र, दूध, घी, दही) की जांच करना
4.	भारतीय औषधीय पौधों से प्राप्त फाइटोकेमिकल्स को, कैंसर चिकित्सा विज्ञान के रूप में पहचानना और उनका शुद्धिकरण करना



ग्रामीण विकास केंद्र (सीआरडीटी)

संस्थान ने ग्रामीण सशक्तीकरण और उन्नति समाधानों में अनुसंधानकर्ताओं, स्वयंसेवकों, चिकित्सकों, शिक्षकों, और अन्य की सहयोग और मदद करने के लिए एक प्रमुख केन्द्र के रूप में ग्रामीण विकास केन्द्र (सीआरडीटी) की स्थापना की है। सीआरडीटी उपयुक्त और लोगों के लिए सही तकनीकियों का विकास और प्रयोग करके, प्रतिभागी, स्थायी, लोकतांत्रिक, पारदर्शी और लिंग-संवेदनशील प्रक्रियाओं को अपनाकर ग्रामीण जनता को उनकी जीवन-शैली की स्थितियों को सुधारने में मदद करने का प्रयास करेगी। हमारा लक्ष्य निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों में काम करना है:

- विभिन्न ट्रेडों के लिए कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम
- लघु पैमाने पर उद्यमिता, स्थायी कुटीर उद्योग, मूल्य वर्धित उत्पादों का विकास
- लैंगिक न्याय के लिए पहुंच और अवसर
- विभिन्न ग्रामीण गतिविधियों के लिए ई-प्लेटफॉर्म का प्रक्षेपण करने के लिए एक उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस विकसित करना, जिसे बड़े समुदायों में अपनाने की आवश्यकता है।
- सरकारी कल्याण योजनाओं के लिए नीतियों का सुझाव और मूल्यांकन।
- वन उत्पादों का फायदा उठाना और ग्रामीण उद्यमियों की मदद करना और उनके उत्पादों को आसानी से बेचना
- संस्थान ने कौशल और पहुंच से परे कार्यक्रमों के बीच अंतराल की पहचान करने और उस अंतर को भरने में सुविधा प्रदान करने की स्थापना की है
- एक विस्तारित-आधारित दृष्टिकोण रखने के लिए गैर-सरकारी संगठनों, सरकारी संगठनों, यूनिसेफ जैसे अंतर्राष्ट्रीय निकायों के तक पहुंच
- शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम- प्रभावकारिता और परिणाम
- खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य पैकिंग सामग्री और खाद्य भंडारण में प्रौद्योगिकी विकास

दल के सदस्य

1. प्रो. संदीप चौधरी (प्रमुख)
2. डॉ. प्रीती शर्मा
3. डॉ. नीरज मिश्रा
4. डॉ. नीलिमा सत्यम डी.
5. डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा
6. विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
7. विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
8. विभागाध्यक्ष, यांत्रिक अभियांत्रिकी
9. एसोसिएट डीन-II, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट
10. एसोसिएट डीन-II, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट
11. डॉ. शैबल मुखर्जी

शोध एवं विकास गतिविधियां

ग्रामीण समुदाय के लिए उपयुक्त तकनीकियों के विकास पर काम किया।

ग्रामीण समुदाय के उपयोग के लिए तैयार द्विस्तरीय-रंगीन की ईंटों और कम मूल्य के उपकरणों का विकास किया। द्विस्तरीय-रंगीन ईंटों की तकनीक को मध्य प्रदेश राज्य के एक स्थानीय उद्योग को हस्तांतरित किया गया था।

ध्यान देने योग्य गतिविधियां

- 02 अक्टूबर 2021 को गांधी जयंती समारोह
- स्थानीय कारीगरों द्वारा 02 अक्टूबर 2021 को प्रदर्शनी
- सहयोग की खोज के लिए आईसीएआर-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान का दौरा
- झाबुआ जिले और वहां कार्यरत गैर सरकारी संगठनों का दौरा।
- ग्रामीण विकास के लिए कम लागत वाले आवास पर एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम का आयोजन किया।
- ग्रामीण निर्माण गतिविधियों में स्थानीय अपशिष्ट उपयोग पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

आईआईटी दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन

(धारा 8 कंपनी)

आईआईटी इंदौर दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन (अब फाउंडेशन) भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समन्वित अंतःविषय साइबर भौतिक प्रणालियों (एनएम-आईसीपीएस) पर राष्ट्रीय मिशन के तहत एक प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र (टीआईएच) है। फाउंडेशन भा.प्रौ.सं. इंदौर की एक धारा 8 कंपनी है जिसमें सिस्टम सिमुलेशन, मॉडलिंग और विजुअलाइजेशन के तकनीकी वर्टिकल हैं। फाउंडेशन का लक्ष्य निवेश और रिटर्न पर जोर देकर आत्मनिर्भर बनना है और शुरुआती पांच साल की अवधि से परे अपने संचालन को बनाए रखने के लिए राजस्व उत्पन्न करना है। इसके आलोक में, सात परस्पर जुड़े कार्यक्रम (संबद्धता, प्रौद्योगिकी विकास, फेलोशिप, बौद्धिक संपदा अधिकार, कौशल विकास, आउटरीच और एंड-यूजर्स कनेक्ट, और स्टार्टअप) लागू किए गए हैं। इन कार्यक्रमों का लोकाचार उत्पाद जीवन चक्र पर आधारित है। पिछले एक साल में इन कार्यक्रमों के सबसे महत्वपूर्ण परिणाम निम्नलिखित हैं।

कार्यक्रम अद्यतन

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक
संबद्ध कार्यक्रम	कुल संबद्ध सदस्य: 95 (स्नातक: 7, स्नातकोत्तर: 1, पीएचडी: 14, संकाय सदस्य: 68, उद्योग कार्मिक: 5)
फेलोशिप कार्यक्रम	अंडरग्रेजुएट फेलोशिप: 9 स्नातकोत्तर फेलोशिप: 1 पीएचडी फेलोशिप: 2 कुल फेलोशिप राशि स्वीकृत / स्वीकृत: ₹ 39.25 लाख
प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम	अल्पकालिक प्रौद्योगिकी विकास योजना: - स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या: 9 - स्वीकृत कुल अनुदान: लगभग ₹ 90 लाख अंतिम उपयोगकर्ता समस्या विवरण (टीडी-ईयूपी) योजना के लिए प्रौद्योगिकी विकास: - अंतिम उपयोगकर्ताओं के संयुक्त समर्थन से शुरू की गई परियोजनाओं की संख्या: 1 - अंतिम उपयोगकर्ताओं द्वारा समीक्षाधीन परियोजनाओं की संख्या: 3 लैब टू मार्केट (एल2एम) योजना: - समीक्षाधीन प्रस्तावों की संख्या: 7 - सीपीएस आधार में वृद्धि: 36
स्टार्ट-अप कार्यक्रम	योजना की घोषणा: सीपीएस-बीज समर्थन, सीपीएस-ईआईआर स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या: 1 1 जून 2022 को विभिन्न स्ट्रैटअप और इनक्यूबेशन योजनाओं के लिए इंदौर स्मार्ट सिटी इन्क्यूबेटर के साथ गठजोड़ किया गया था
कौशल विकास कार्यक्रम	पाठ्यक्रम (ओं) की घोषणा: 01 पाठ्यक्रम का नाम: उद्योग के बिल्टिंग ब्लॉक्स के लिए कौशल वृद्धि 4.0 आईआईटी दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के कौशल केंद्र को एनवीडिया अकादमिक हार्डवेयर अनुदान के लिए चुना गया था।
आउटरीच और अंतिम उपयोगकर्ता कनेक्ट कार्यक्रम	प्राप्त कुल समस्या विवरण: 10 23 नवंबर 2021 को मीडिया पार्टनर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए 26 अप्रैल 2022 पहला आउटरीच बुलेटिन अर्थात दृष्टिकॉन रिलीज हुआ था।

अनुसंधान की मुख्य विशेषताएं:

आईआईटी दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन डिजिटल जुड़वां विकास से संबंधित औद्योगिक और सामाजिक जरूरतों के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए देश भर के शोधकर्ताओं के साथ सहयोग करता है। फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित कई परियोजनाओं को व्यावसायिक व्यवहार्यता और तैनाती सुनिश्चित करने के लिए अंतिम उपयोगकर्ताओं के साथ साझेदारी में निष्पादित किया जा रहा है। फाउंडेशन की कुछ समर्थित परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है :

- पीएचडी फेलोशिप अवार्डी (श्री जयदीप सिंह) उद्योग 4.0 के लिए डिजिटल ट्विन आधारित रियल टाइम शॉप-फ्लोर डिजीजन सपोर्ट सिस्टम के विकास पर काम कर रहे हैं। उद्योग 4.0 संबंधित प्रौद्योगिकियों के लिए औद्योगिक कर्मियों के परीक्षण और व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए उपयोगी स्मार्ट विनिर्माण प्रयोगशाला सेटअप इस प्रयास के हिस्से के रूप में भा.प्रौ.सं. बॉम्बे (चित्र 1) और भा.प्रौ.सं. इंदौर में विकसित किए गए हैं।
- एक अन्य परियोजना में, प्रेडिक्टिव मटेनेंस के लिए इंडक्शन मोटर के लिए एक 3डी होलोग्राफी आधारित डिजिटल ट्विन तकनीक संयुक्त रूप से भा.प्रौ.सं. जम्मू में डॉ आनंद कुमार एस और उनकी टीम और सीएमटीआई, बंगलुरु के श्री हरि कृष्णा द्वारा विकसित की जा रही है। एनिमेशन सॉफ्टवेयर के लिए प्लगइन्स का उपयोग करते हुए, इंजीनियर और वैज्ञानिक वास्तविक समय में डिजिटल ट्विन के साथ बातचीत कर सकते हैं, और 3डी अभ्यावेदन देखने की सुविधा प्रदान कर सकते हैं।



Fig 1: Smart manufacturing setup

- बिना घर्षण के वीआर/एआर हेडगियर मैकेनिकल सिस्टम। होलोग्राफिक छवियां सिस्टम के गतिशील रूप से बदलते प्रमुख मापदंडों (चित्र 2) को 3डी छवि प्रतिनिधित्व योजना में पॉप के रूप में दिखाएंगी। नतीजतन, स्वास्थ्य निगरानी को उपयुक्त एआई एल्गोरिदम के साथ मैप किया जा सकता है।

स्मार्ट शहरों के लिए डिजिटल ट्विन विकास फाउंडेशन का एक अन्य महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र है। इस विषय में विभिन्न प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

- भा.प्रौ.सं. इंदौर में प्रो. गुरु प्रकाश और उनकी टीम साइबर भौतिक प्रणाली का उपयोग करके सड़क की स्थिति के आकलन और मरम्मत लागत अनुमान के लिए दृष्टिकोण विकसित कर रहे हैं।
- भा.प्रौ.सं. इंदौर के शोधकर्ताओं का एक समूह (डॉ. सिद्धार्थ एस. मालू, प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव और प्रो. अभिरूप दत्ता, डॉ. सौरभ दास) टाटा डिजिटल के श्री रोहित शर्मा के साथ, एक कार टक्कर बचाव और रिकॉर्डिंग सिस्टम (सीसीएआरएस) विकसित कर रहे हैं (चित्र 3)।

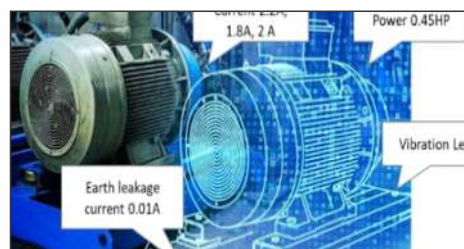


Fig 2: 3D Holography based digital twin

फाउंडेशन की पहल में स्नातक छात्र सबसे आगे रहे हैं।

- भा.प्रौ.सं. इंदौर के यूजी छात्रों की एक टीम (श्री क्षितिज एम भट, श्री भव्य दलाल, श्री रघुवंशी बोक्का, श्री येशुकांत सिंह, श्री के विष्णु वर्धन, श्री जितेंद्र कुमार चौधरी) स्मार्ट फोन आधारित स्वायत्त ड्राइविंग मॉड्यूल विकसित कर रहे हैं।
- भा.प्रौ.सं. इंदौर में एक स्नातक छात्र (श्री सुमेर ठाकुर) स्मार्ट शहरों के लिए प्राकृतिक थर्मल चक्र और अनुकूली थर्मल आराम के आधार पर कम ऊर्जा एचवीएसी समाधान के लिए एक सीपीएस विकसित कर रहा है।
- बिट्स पिलानी में एक पीएचडी फेलोशिप अवार्डी (सुश्री ओशिन रॉले) एआई सशक्तिकरण के लिए दृष्टि-आधारित ड्राइवर समर्थन प्रणाली और इंटरनेट ऑफ व्हीकल्स (आईओवी) के अस्थिर वातावरण में धारणा और निर्णय लेने के दौरान शामिल जटिलता और अनिश्चितता के मुद्दों को हल करने के लिए एक डिजिटल ट्विन के विकास पर काम कर रही है।

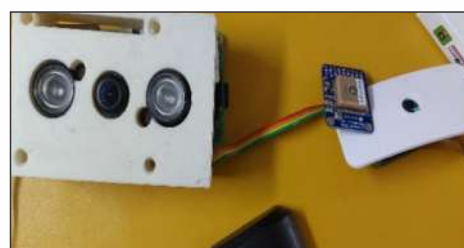


Fig 3: Prototype of proposed CCARS

इसके अलावा, विभिन्न संबद्ध तकनीकों का भी विकास किया जा रहा है।

- पुनः कॉन्फिगर करने योग्य इंटेलेजेंट सर्फेस (आरआईएस) संरचना जो एक वैराक्टर डायोड में वोल्टेज को बदलकर परावर्तन चरण कोण (- 160 डिग्री से + 160 डिग्री) की एक विस्तृत ट्यूनेबिलिटी प्रदर्शित करती है, को डॉ सप्तर्षि घोष और उनकी टीम द्वारा विकसित किया जा रहा है।
- फाउंडेशन द्वारा समर्थित एक अन्य परियोजना में, भा.प्रौ.सं. इंदौर के प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव मशीन लर्निंग तकनीकों के माध्यम से प्रतिबंधित खेदवातावरण में डेटा सुरक्षा के प्रावधान के लिए साधन विकसित कर रहे हैं।

परामर्श प्रकोष्ठ

दिसंबर 2011 में अपनी स्थापना के बाद से परामर्श प्रकोष्ठ भा.प्रौ.सं. इंदौर का एक अभिन्न अंग रहा है। इस प्रकोष्ठ का कार्य छात्रों के लिए एक सहायक और अनुकूल वातावरण प्रदान करना है जिसमें वे व्यक्तिगत मुद्दों या शैक्षणिक चुनौतियों पर चर्चा कर सकते हैं और परामर्श समिति के सदस्यों की मदद ले सकते हैं। मानसिक सेहत की समस्या की रोकथाम पर प्राथमिक तौर पर ध्यान देने के साथ – आत्महत्या और पुरानी मानसिक सेहत से जुड़ी समस्याओं की रोकथाम, परामर्श प्रकोष्ठ छात्रों में विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के लिए प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप के लिए काम करता है।

परामर्श प्रकोष्ठ टीम में प्रोफेसर अरुणा तिवारी, परामर्श सेवा की प्रमुख, कंप्यूटर साइंस अभियांत्रिकी विभाग, सुश्री मोनिका गुप्ता, वरिष्ठ परामर्शदाता, डॉ आशुतोष सिंह (एमबीबीएस, डीएनबी साइकियाट्री), अतिथि परामर्श मानसिक रोग विभाग और काउंसलिंग समिति शामिल हैं, जिसमें हर एक विभाग से एक संकाय सदस्य संकाय परामर्श समन्वयक के रूप में अनुशासन और छात्र परामर्श समन्वयक के रूप में पीएचडी, स्नातकोत्तर और स्नातक से छात्र प्रतिनिधि हैं। समिति के सदस्य संबंधित विषय के छात्रों को परामर्श संबंधी मामलों पर मार्गदर्शन और सलाह प्रदान करते हैं।

परामर्श प्रकोष्ठ निम्नलिखित गतिविधियों का संचालन करता है:

विभिन्न प्रकार की समस्याओं से निपटने में छात्रों की सहायता के लिए सेल द्वारा व्यक्तिगत परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं; चाहे वह शैक्षणिक, व्यक्तिगत, भावनात्मक, पारिवारिक या सहकर्मी से संबंधित हो या फिर नैदानिक अवसाद, चिंता से संबंधित कठिनाइयां, आत्मघाती प्रवृत्तियां, कठिन व्यक्तित्व लक्षणों सहित मनोवैज्ञानिक चिंताओं की विस्तारित श्रृंखला हो।

- (र) कोविड 19 महामारी के मद्देनजर, छात्रों और उनके अभिभावकों को एक ऑनलाइन परामर्श सुविधा और टेली-परामर्श उपलब्ध करवाया गया है।
- (ल) उन छात्रों के लिए व्यक्तिगत-परामर्श सत्र भी आयोजित किए जाते हैं जो कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करके परिसर के अंदर रह रहे हैं।

अभिभावक परामर्श सत्र – अकादमिक या मनोवैज्ञानिक समस्याओं वाले छात्रों के माता-पिता के साथ बैठक भी आयोजित की जाती है।

नियमित फॉलो-अप – फॉलो-अप परामर्श सत्र भी आयोजित किए जाते हैं।

छात्र परामर्श कार्यक्रम – छात्र समुदाय के लिए एक स्वस्थ तनाव मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, जिमखाना महासचिव परामर्श और पहुंच के सहयोग से, परामर्श प्रकोष्ठ, छात्र परामर्श कार्यक्रमों की देखरेख करता है। छात्र सलाहकार अकादमिक और गैर-शैक्षणिक दोनों समस्याओं के लिए मदद का हाथ बढ़ाकर फ्रेशर्स की मदद करते हैं।

संकाय सलाहकार सूची तैयार करना – परामर्श प्रकोष्ठ बीटेक और परास्नातक कार्यक्रमों के नए छात्रों के लिए संकाय सलाहकारों की सूची तैयार करता है। संकाय सलाहकार प्रत्यायोजित छात्रों के साथ नियमित रूप से बातचीत करते हैं और अकादमिक समस्याओं के लिए उनका मार्गदर्शन करते हैं। यदि छात्र में तनाव के कोई लक्षण दिखते हैं तो छात्रों को आगे छात्र परामर्शदाता के पास भेज दिया जाता है।

परामर्श प्रकोष्ठ की ओर अभिमुखता – अभिमुखता (Orientation) और पंजीकरण कार्यक्रम के दौरान सभी नए स्नातक छात्र, परास्नातक छात्र और पीएचडी छात्रों और अभिभावकों को भा.प्रौ.सं. इंदौर में परामर्श सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए और बाद में नए छात्रों के लिए परामर्श सेल के परिचय के लिए एक और सत्र आयोजित किया जाता है।
वेबिनार और विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने और सकारात्मक कल्याण को बढ़ाने के लिए किया जाता है।

संकट में हस्तक्षेप – तत्काल और तत्काल समस्याओं के लिए परामर्शदाता छात्रों को स्वास्थ्य केंद्र या निवास स्थल (हॉल ऑफ रेजीडेंस) में भी देखता है।

एक मजबूत रेफरल प्रणाली का निर्माण मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि करने के लिए एक आधार के रूप में करना, जहां परामर्श प्रकोष्ठ में अपने आप आकर संपर्क करने वाले छात्रों के अलावा, छात्रों को शैक्षणिक कार्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, संकाय सलाहकार, खेल और सुरक्षा अधिकारी, वार्डन और छात्रावास कार्यालय, माता-पिता और दोस्तों द्वारा रिफर किया जा रहा है।

कोविड- 19 महामारी के दौरान परामर्श

परामर्शदाता द्वारा फॉलो-अप परामर्श सत्र के लिए छात्रों से संपर्क किया गया।

स्वास्थ्य केन्द्र से प्राप्त सूची के अनुसार कोविड- 19 संक्रमण वाले विद्यार्थियों को टेली-परामर्श किया गया है।

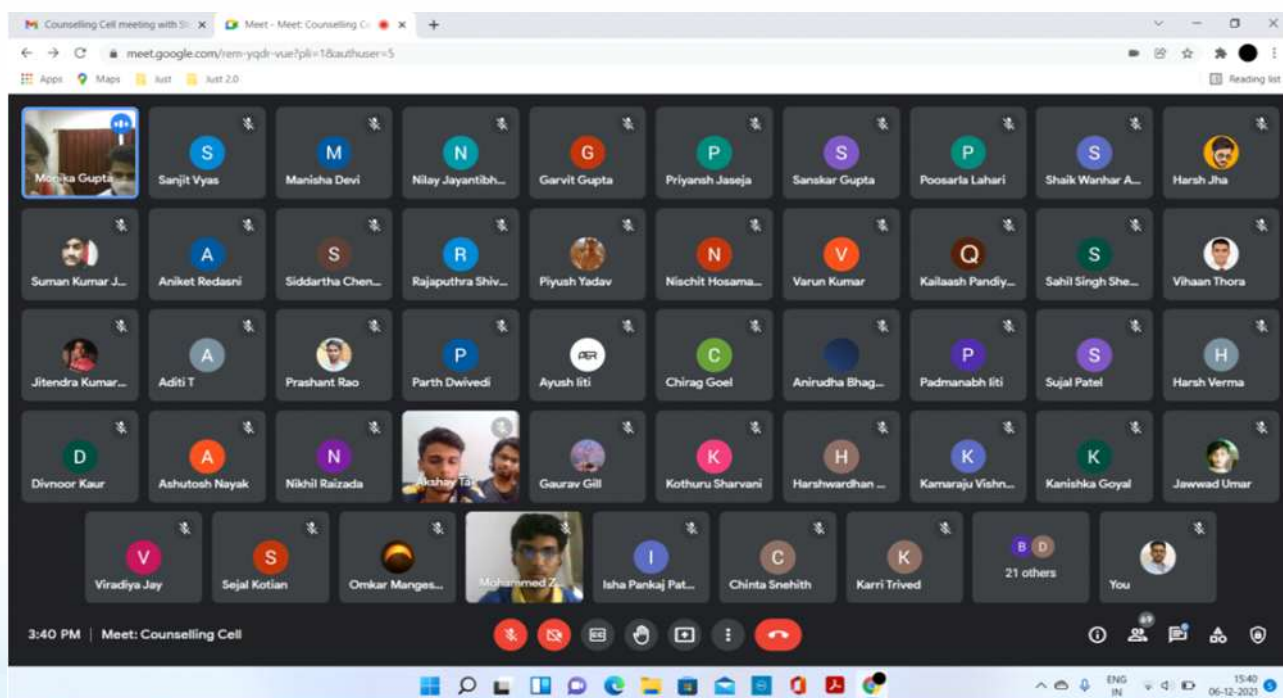
लॉकडाउन के बाद छात्रों के परिसर में पुनः आने के दौरान, एक ऑनलाइन प्रश्नावली के माध्यम से छात्रों की मनोवैज्ञानिक समस्याओं का आकलन किया जाता है। इससे छात्रों की भावनात्मक समस्याओं जल्दी पहचान और हस्तक्षेप तथा रोकथाम में मदद मिली है।

प्रश्नावली में जिन विद्यार्थियों में तनाव के लक्षण पाये गये, उनका विस्तृत मूल्यांकन किया जाता है एवं उन्हें परामर्श दिया जाता है।

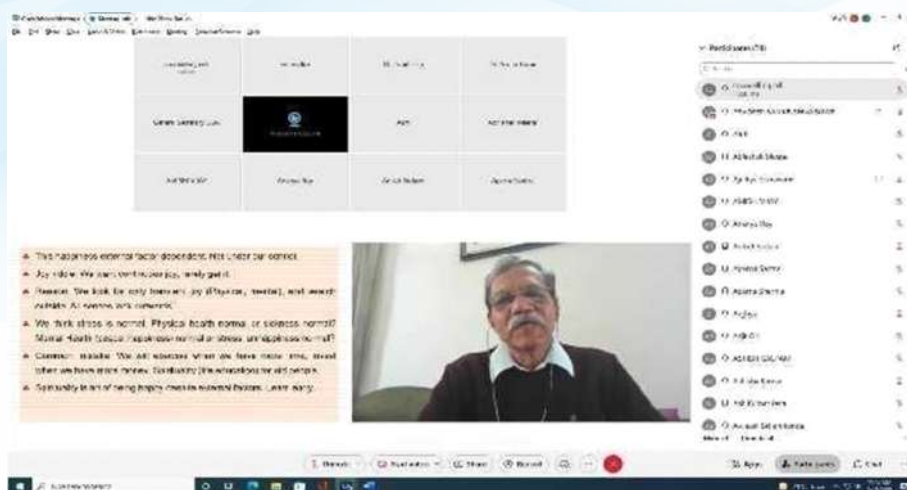
क्वॉरंटाइन में रहने वाले छात्रों के लिए नए प्रचलनों (पशु normal) के साथ व्यवहार करना पर ऑनलाइन समूह प्रेरक सत्र आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा छोटे-छोटे समूहों में क्वॉरंटाइन(एकांतवास) में रहने वाले छात्रों के साथ ऑनलाइन की बातचीत की गई।

2021-22 के दौरान परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कुछ कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

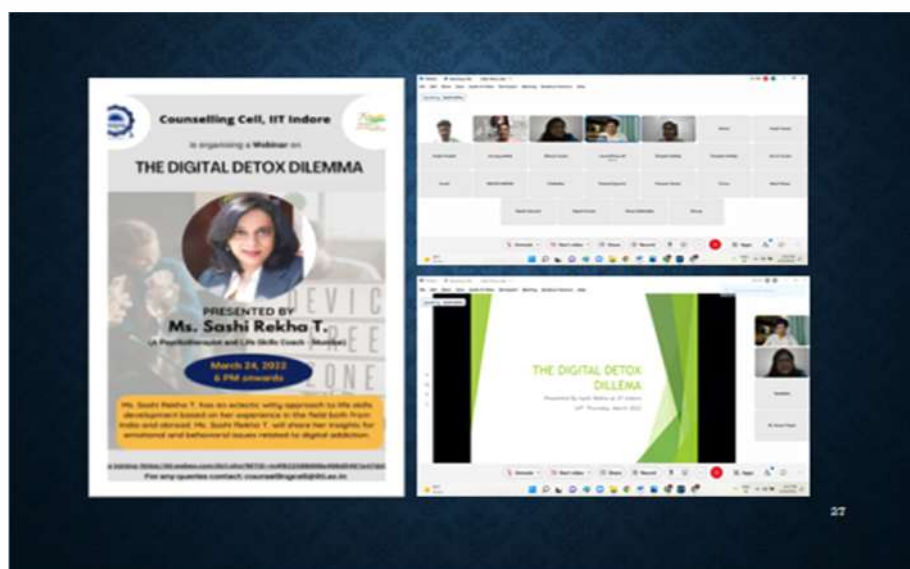
- परामर्शदाता और महासचिव परामर्श पहुंच और पूर्व छात्रों ने 6 दिसंबर 2021 को छात्र सलाहकारों के साथ एक बैठक की।
- 12 फरवरी 2022 को भा.प्रौ.सं. इंदौर समुदाय के लिए भा.प्रौ.सं. दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर प्रदीप आर बिजवी द्वारा सफल होने के लिए जश्न मनाने वाला बनें (बी ज्वायफुल टु बि सक्सेसफुल) पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था।
- सुश्री शशि रेखा टी, मनोचिकित्सक और जीवन कौशल कोच - मुंबई द्वारा डिजिटल डिटॉक्स दुविधा पर 24 मार्च 2022 को भा.प्रौ.सं. इंदौर समुदाय के लिए एक वेबिनार आयोजित किया गया था।
- परामर्श प्रकोष्ठ ने परीक्षा से संबंधित तनाव के संबंध में छात्रों के लिए एक छात्र के साथ आमने-सामने का परामर्श सत्र आयोजित किया और महसूस किया कि उन्हें किसी से बात करने की आवश्यकता हो सकती है। इन ऑनलाइन सत्रों की मेजबानी मनोचिकित्सक और जीवन कौशल कोच - मुंबई सुश्री शशि रेखा टी. ने की।



छात्रों के सलाहकार(मेंटर्स) से बैठक



भा.प्रौ.सं. दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर प्रदीप आर बिजवी द्वारा सफल होने के लिए जश्न मनाने वाला बनें (बी ज्वायफुल टु बि सक्सेसफुल) पर एक वेबिनार



जीवन कौशल कोच – मुंबई सुश्री शशि रेखा टी. द्वारा डिजिटल डिटॉक्स दुविधा पर वेबिनार

Online Counselling Services

For dealing with academic pressure and other stress for Students and Researchers



परीक्षा से संबंधित तनाव के संबंध में छात्रों का एक-एक करके आमने-सामने परामर्श सत्र

प्लेसमेंट प्रकोष्ठ

उद्योग का अनुभव कारपोरेट की दुनिया में प्रवेश करने के लिए आवश्यक शर्त है। भा.प्रौ.सं. इंदौर में सामान्य तौर पर छात्र बीटीपी परियोजना के भाग के तौर पर इंटरनशिप करते हैं। बी.टेक के तृतीय वर्ष के छात्र परिसर इंटरनशिप की प्रक्रिया में शामिल होते हैं। छात्रों और उन्हें प्रदान की जाने वाली भूमिकाओं पर विचार करते हुए, प्लेसमेंट कार्यालय छात्रों को उनकी रुचि के क्षेत्रों के अनुसार सर्वोत्तम अवसर प्रदान करवाने में मदद करते हैं। प्लेसमेंट कार्यालय सम्मानित विश्वविद्यालयों में छात्रों को शोध इंटरनशिप प्रदान करके शोध को भी बढ़ावा देते हैं। 2021-22 का इंटरनशिप सत्र अगस्त 2021 में प्रारंभ हुआ था और सितंबर 2021 तक जारी रहा। वहां पर कुल 67 छात्रों को इंटरनशिप के लिए चुना गया था, जिनमें से 48 को प्लेसमेंट के प्रस्ताव पहले ही मिल गए थे। प्रमुख नियोक्ताओं में गोल्डमैन सैशे, डी.ई. शॉ, ट्राईलॉजी, फिलपकार्ट, अमेजन आदि शामिल थे।

भा.प्रौ.सं. इंदौर का प्लेसमेंट अभियान ने साल भर के प्लेसमेंट आंकड़ों में बहुत तेजी से वृद्धि देखी। निर्धारण वर्ष 2021-22 के लिए, परिसर प्लेसमेंट प्रक्रिया 2021 के अगस्त महीने में शुरू हुई थी और मई 2022 में समाप्त हुई थी। प्लेसमेंट का दो चरणों में सफलतापूर्वक समाप्त किया गया। चरण 1 के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया का आयोजन सितंबर-नवंबर 2021 में किया गया था, इसमें पूर्व-प्लेसमेंट प्रस्तावों (पीपीओ) सहित वैश्विक रूप से प्रसिद्धि प्राप्त शीर्ष कंपनियों ने भागीदारी की, जबकि चरण 2 का आयोजन दिसंबर 2021-मई 2022 के दौरान किया गया था। प्लेसमेंट के लिए कुल 268 छात्रों (स्नातक और परास्नातक दोनों) ने पंजीकरण किया। पूरी प्लेसमेंट प्रक्रिया का आयोजन वर्चुअल तरीके से किया गया था। सालों में हमारे छात्रों को प्रस्ताव दिया जाने वाले वेतन और प्रस्ताव की जाने वाली नौकरियों की संख्या में नियमित वृद्धि देखी गई। महामारी के हानिकारक प्रभावों के बावजूद, भा.प्रौ.सं. इंदौर ने निर्धारण वर्ष 2021-22 में सर्वोत्तम नियमित प्लेसमेंट रिकॉर्ड प्राप्त किया। सकल प्लेसमेंट प्रतिशत 94.05 प्रतिशत है। कुछ पंजीकृत छात्रों ने राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धि के संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का भी चुनाव किया। सालों के दौरान हमारा सर्वोत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड हमारे मूल्य प्रस्तावना के बारे में बोलता है जो कि आने वाले वर्षों में दिखाया गया।

संक्षिप्त में प्रमुख बिंदु

प्रमुख आव्यूह	विवरण
कंपनियों की कुल संख्या	130
ऑफरों की कुल संख्या	246 (पीपीओ सहित)
स्वीकार किए गए ऑफरों की कुल संख्या	48
अंतरराष्ट्रीय नौकरियों के प्रस्ताव	30
देश में नौकरी के लिए कंपनी की उच्चतम लागत (सीटीसी)	62.5 लाख प्रति वर्ष (₹ में)
देश में नौकरी के लिए औसत सीटीसी	23.5 लाख प्रति वर्ष (₹ में)
उच्चतम अंतरराष्ट्रीय सीटीसी	48.2 लाख प्रति वर्ष (₹ में)
औसत अंतरराष्ट्रीय सीटीसी	42.75 लाख प्रति वर्ष (₹ में)
शीर्ष भर्ती करने वाले क्षेत्र	सॉफ्टवेयर विकास/एआई

छात्रों की प्लेसमेंट से पूर्व नौकरी की तैयारी

प्लेसमेंट कार्यालय का एक प्राथमिक कार्य ऑनलाइन कोडिंग चुनौतियों की विभिन्न तकनीकियों का अभ्यास करवाकर, परिसर प्लेसमेंट प्रक्रिया के भाग के तौर पर ऑनलाइन मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करने के दौरान ऑनलाइन सॉफ्टवेयर पर काम करके छात्रों को उनके परिसर प्लेसमेंट और इंटरनशिप के लिए तैयार करना है। प्लेसमेंट प्रकोष्ठ प्रमुख नियोक्ताओं से विभिन्न प्रकार के हैकाथन की व्यवस्था करता है ताकि अभियांत्रिकी, कोडिंग, परामर्श, वित्त, एनालिटिक्स आदि जैसे क्षेत्रों में अनुभव पर हाथ आजमाया जा सके।

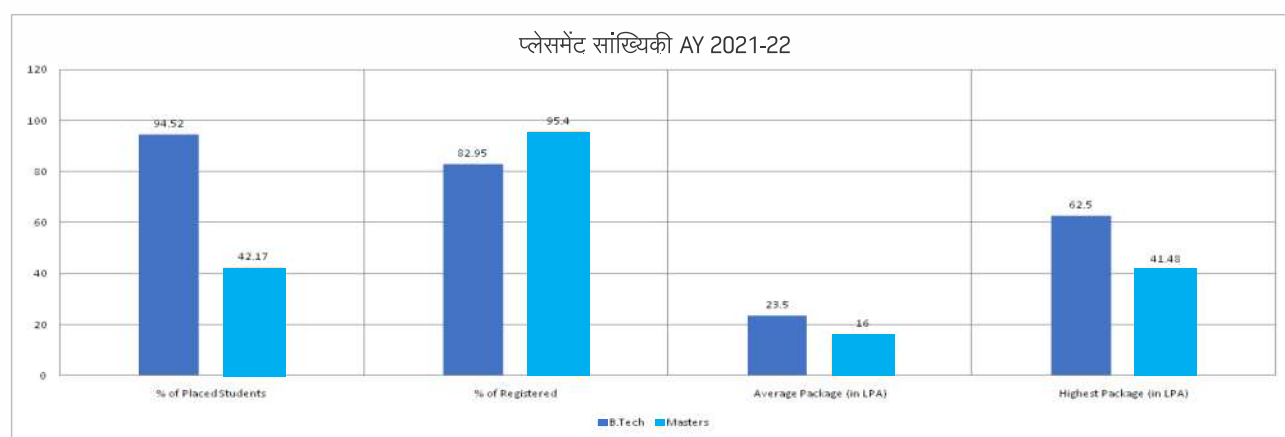
प्लेसमेंट कार्यालय विधिवत योजना बनाने और तैयारी करने के जरिए करियर में उन्नति को सरल बनाकर नियोक्ताओं और छात्रों के बीच लिंक की तरह काम करता है। प्लेसमेंट के लिए परिसर में सर्वोत्तम नियोक्ता आए यह सुनिश्चित करने के लिए प्लेसमेंट प्रकोष्ठ छात्र प्लेसमेंट मैनेजरों के साथ मिलकर काम करते हैं। संस्थान में छात्र टीम प्रणालीगत उद्योग के मूलभूत कार्यों के जरिए छात्रों के कौशल समूह की पहचान और मापन करने के लिए आवश्यक प्रयास करती है। प्लेसमेंट गतिविधि बाजार के रुझानों के कठिन विश्लेषण के जरिए और आकर्षक वेतन प्रदान करने वाले सर्वोत्तम प्रमुख नियोक्ताओं को आमंत्रित करने के लक्ष्य के साथ शुरू होती है। वर्चुअल प्रक्रिया को समझने के लिए प्रयास किए गए जिसमें करियर की योजना बनाना शामिल था और छात्रों की पृष्ठभूमि, योग्यता, और पूर्व अनुभवों के आधार पर के अवसरों की तलाश करने के लिए मदद प्रदान की गई थी।

नियुक्ति करने वालों का प्रोफाइल

भा.प्रौ.सं. इंदौर ने परिसर में आने वाली कंपनियों और प्रस्ताव किए जा रहे वेतन दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। सीजन के प्राथमिक भाग में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, रिसर्च इंजीनियर, एआई/एमएल, डेटा साइंस विश्लेषक भूमिकाएं प्रदान करने वाली कंपनियों का प्रभुत्व था। इनमें से अधिकतर कंपनियां अपने संबंधित क्षेत्र में विश्व की अग्रणी कंपनियां हैं। प्लेसमेंट में दुनिया की सर्वोत्तम परामर्श कंपनियां, बैंक, सॉफ्टवेयर कंपनियां हिस्सा लेती हैं, और सालों के दौरान भा.प्रौ.सं. इंदौर ने छात्रों के सर्वोत्तम समूह को नियुक्त करने के लिए सर्वोत्तम नियोक्ताओं को लाने का प्रयास किया है। मोटे वेतन, करियर में वृद्धि की संभावनाओं, कार्य-संस्कृति और नैतिक दिशानिर्देशों आदि जैसे बहुत सारे कारकों के कारण पिछले वर्ष के दौरान कुछ गैर-प्रमुख भूमिकाओं ने ध्यान आकर्षित किया है।

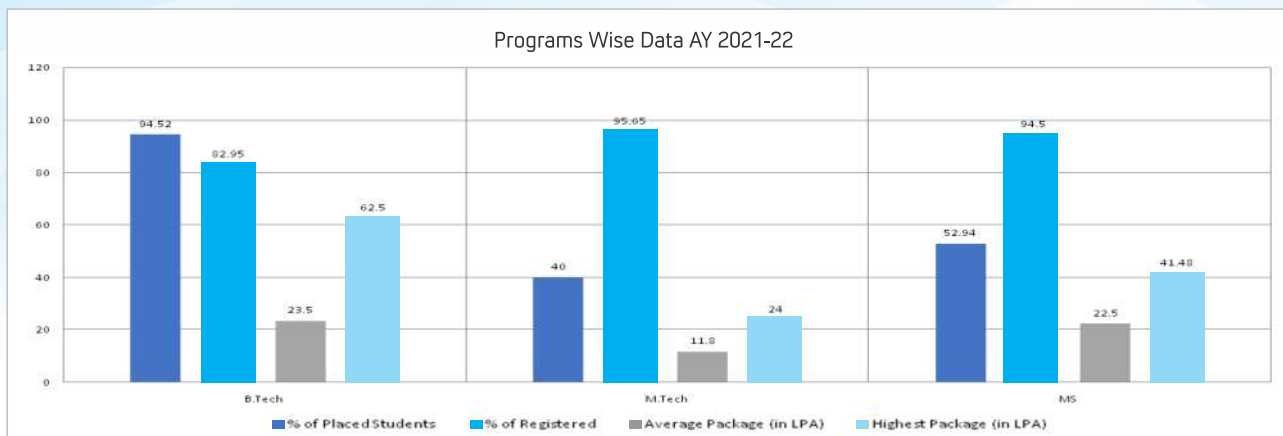
चार्ट और आव्यूह के साथ संपूर्ण सांख्यिकी (निर्धारण वर्ष 2021-22)

सकल प्लेसमेंट सांख्यिकी 2021-22							
कार्यक्रम	बैच का आकार	पंजीकृत छात्र	कुल छात्र जिन्हें नौकरी मिली	नौकरी पाने वाले छात्रों का प्रतिशत	पंजीकृत छात्रों का प्रतिशत	औसत पैकेज, रुपयों में (लाख प्रति वर्ष में)	उच्चतम पैकेज, रुपयों में (लाख प्रति वर्ष में)
बीटेक	264	219	207	94.52	82.95	23.5	62.5
मास्टर्स	87	83	35	42.17	95.4	16	41.48



चार्ट और आव्यूह में कार्यक्रम-अनुसार सांख्यिकी (निर्धारण वर्ष 2021-22)

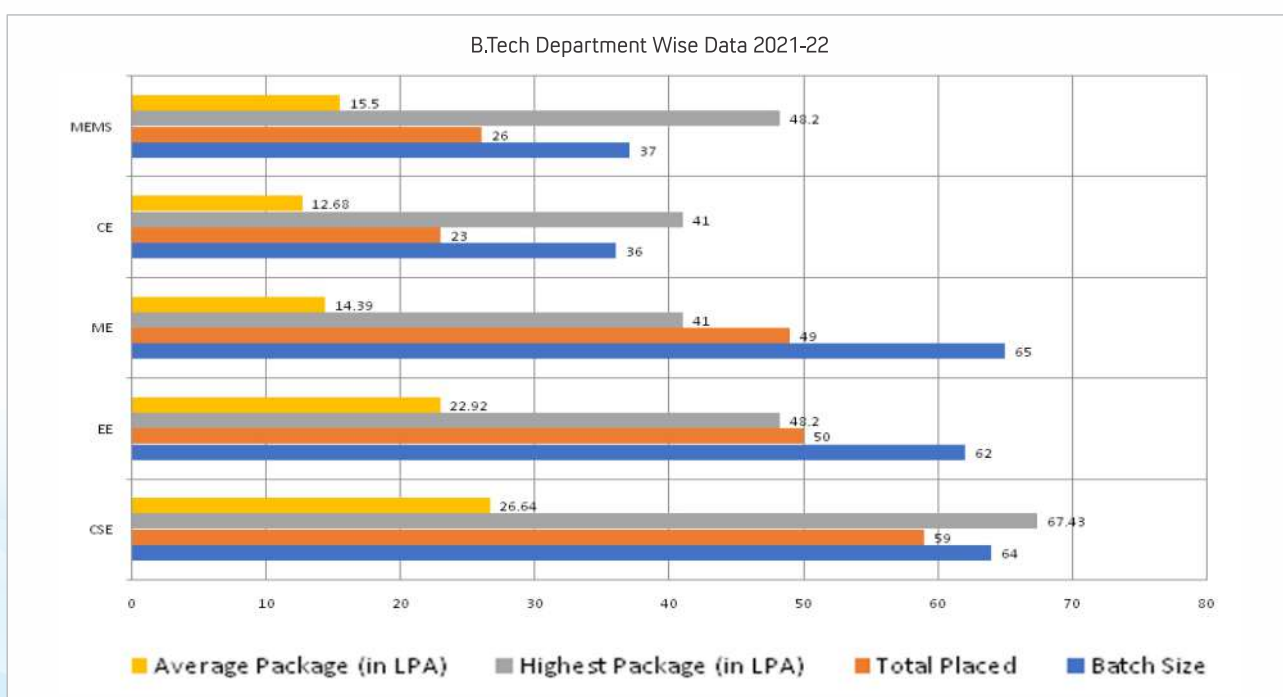
कार्यक्रम-अनुसार आंकड़े निर्धारण वर्ष 2021-22							
कार्यक्रम	बैच का आकार	पंजीकृत छात्र	कुल छात्र जिन्हें नौकरी मिली	नौकरी पाने वाले छात्रों का प्रतिशत	पंजीकृत छात्रों का प्रतिशत	औसत पैकेज, रुपयों में (लाख प्रति वर्ष में)	उच्चतम पैकेज, रुपयों में (लाख प्रति वर्ष में)
बीटेक	264	219	207	94.52	82.95	23.5	62.5
एमटेक	69	66	26	40	95.65	11.8	24
एमएस	18	17	9	52.94	94.5	22.5	41.48

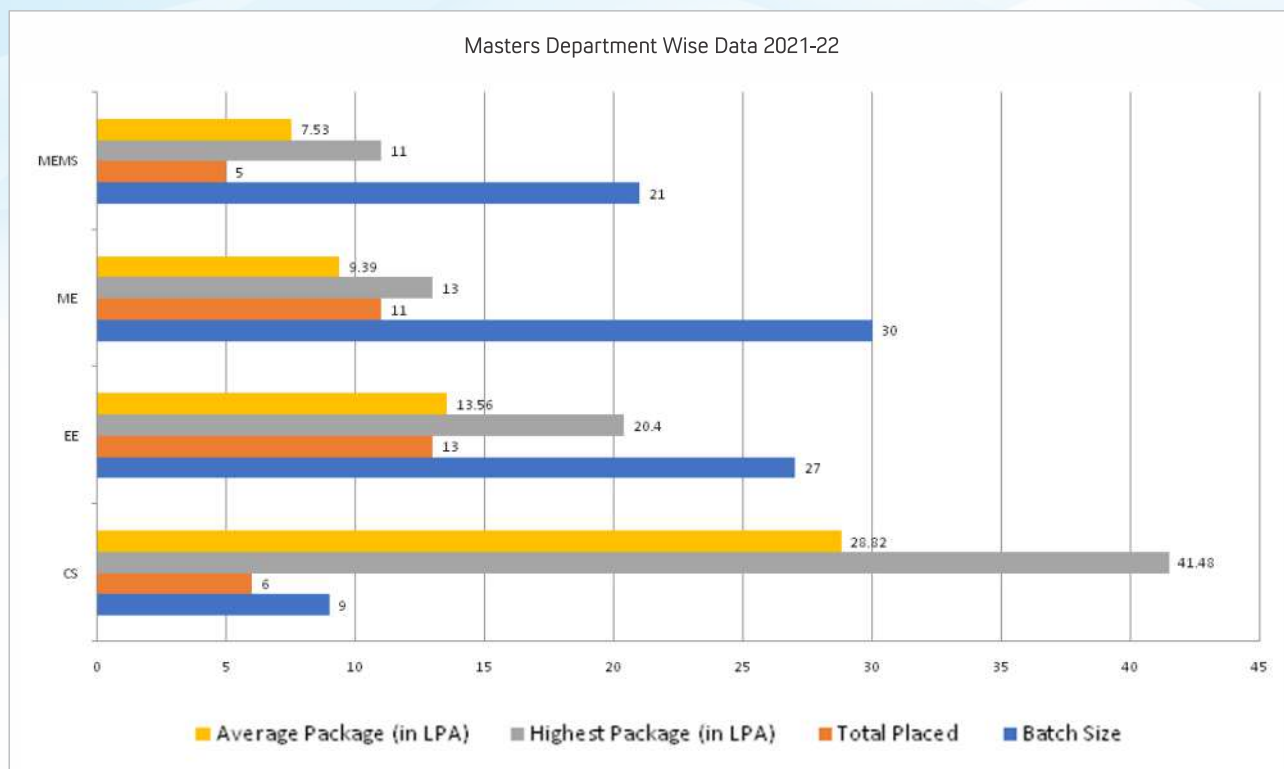


चार्ट और आव्यूह में विभाग-अनुसार प्लेसमेंट सांख्यिकी

विभाग के अनुसार स्नातक और परास्नातक करने वालों का डेटा (निर्धारण वर्ष 2021-22)

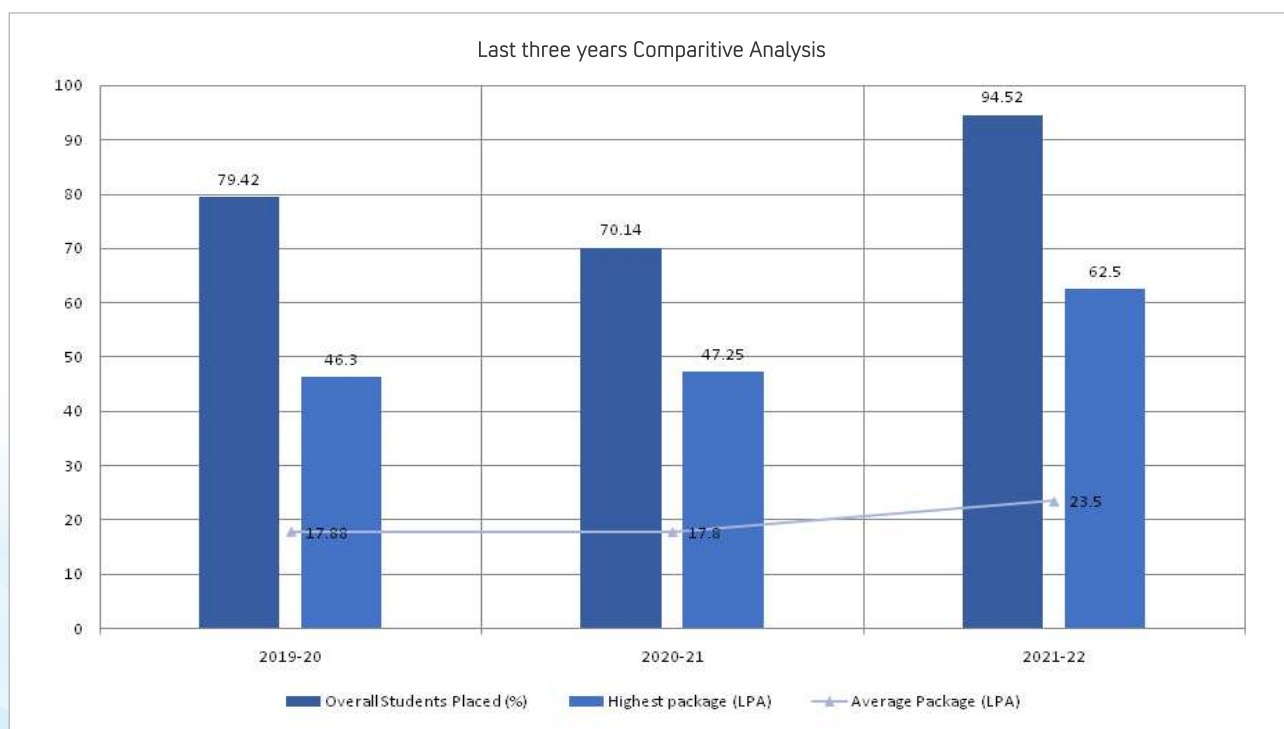
विभाग के अनुसार (स्नातक और परास्नातक के छात्र)	बैच का आकार	पंजीकृत छात्र	कुल छात्र जिन्हें नौकरी मिली	नौकरी पाने वाले छात्रों का प्रतिशत	पंजीकृत छात्रों का प्रतिशत	औसत पैकेज, रुपयों में (लाख प्रति वर्ष में)	उच्चतम पैकेज, रुपयों में (लाख प्रति वर्ष में)
सीएसई (बीटेक)	64	51	59	100	79.69	67.43	26.64
ईई (बीटेक)	62	52	50	96.15	83.87	48.2	22.92
एमई (बीटेक)	65	55	49	89.09	84.62	41	14.39
सीई (बीटेक)	36	29	23	79.31	80.56	41	12.68
एमईएमएस (बीटेक)	37	32	26	81.25	86.49	48.2	15.5
सीएस (मास्टर्स)	9	8	6	75	88.87	41.48	28.82
ईई (मास्टर्स)	27	25	13	52	92.59	20.4	13.56
एमई (मास्टर्स)	30	29	11	37.93	100	13	9.39
एमईएमएस (मास्टर्स)	21	21	5	23.8	100	11	7.53





पिछले तीन वर्षों की प्लेसमेंट सांख्यिकी की तुलना

पिछले तीन साल की तुलना (2019-20, 2020-21 और 2021-22)			
कार्यक्रम	2019-20	2020-21	2021-22
नौकरी प्राप्त करने वाले सकल छात्र (%)	79.42	70.14	94.52
उच्चतम पैकेज, रुपयों में (लाख प्रति वर्ष में)	46.3	47.25	62.5
औसत पैकेज, रुपयों में (लाख प्रति वर्ष में)	17.88	17.8	23.5



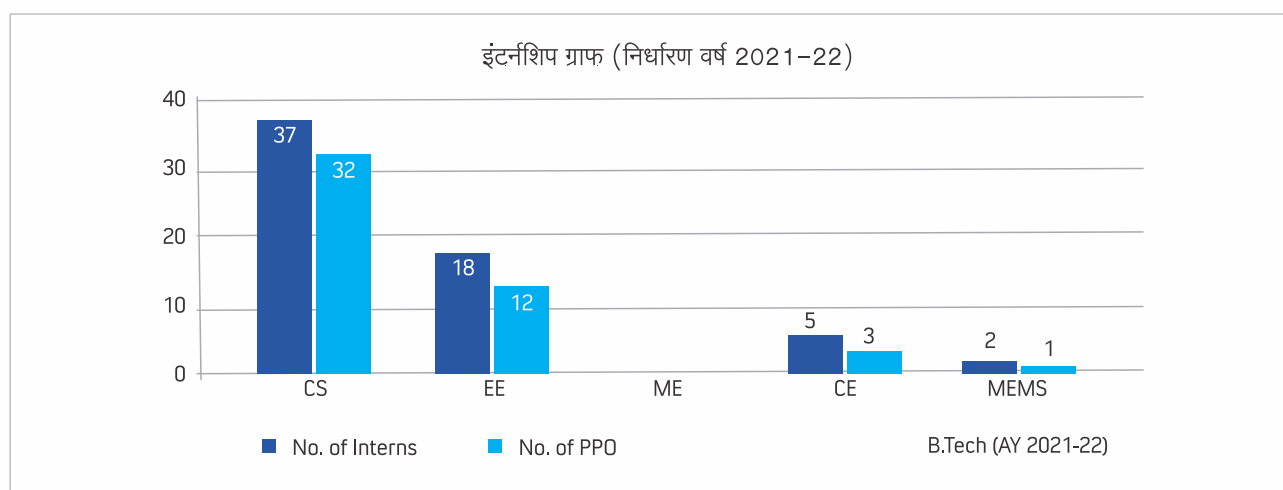
इंटरनशिप की रिपोर्ट

उद्योग का अनुभव कारपोरेट की दुनिया में प्रवेश करने के लिए आवश्यक शर्त है। भा.प्रौ.सं. इंदौर में सामान्य तौर पर छात्र बीटीपी परियोजना के भाग के तौर पर इंटरनशिप करते हैं। बी.टेक के तृतीय वर्ष के छात्र परिसर इंटरनशिप की प्रक्रिया में शामिल होते हैं। छात्रों और उन्हें प्रदान की जाने वाली भूमिकाओं पर विचार करते हुए, प्लेसमेंट कार्यालय छात्रों को उनकी रुचि के क्षेत्रों के अनुसार सर्वोत्तम अवसर प्रदान करवाने में मदद करते हैं। प्लेसमेंट कार्यालय सम्मानित विश्वविद्यालयों में छात्रों को शोध इंटरनशिप प्रदान करके शोध को भी बढ़ावा देते हैं। 2021-22 का इंटरनशिप सत्र अगस्त 2021 में प्रारंभ हुआ था और सितंबर 2021 तक जारी रहा। वहां पर कुल 67 छात्रों को इंटरनशिप के लिए चुना गया था, जिनमें से 48 को प्लेसमेंट के प्रस्ताव पहले ही मिल गए थे। प्रमुख नियोक्ताओं में गोल्डमैन सैशे, डी.ई. शॉ, ट्राईलॉजी, फिलिपकार्ट, अमेजन आदि शामिल थे।

विभाग के अनुसार इंटरनशिप आव्यूह और ग्राफ (निर्धारण वर्ष 2021-22)

विभाग के अनुसार इंटरनशिप

विभाग	छात्रों की संख्या (इंटरन)	पीपीओ की संख्या
कंप्यूटर साइंस	37	32
इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी	18	12
यांत्रिक अभियांत्रिकी	0	0
सिविल अभियांत्रिकी	5	3
धातुकर्म और सामग्री विज्ञान	2	1



निष्कर्ष

भा.प्रौ.सं. इंदौर का प्लेसमेंट अभियान ने साल भर के प्लेसमेंट आंकड़ों में बहुत तेजी से वृद्धि देखी। निर्धारण वर्ष 2021-22 के लिए, परिसर प्लेसमेंट प्रक्रिया 2021 के अगस्त महीने में शुरू हुई थी और मई 2022 में समाप्त हुई थी। प्लेसमेंट का दो चरणों में सफलतापूर्वक समाप्त किया गया। चरण 1 के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया का आयोजन सितंबर-नवंबर 2021 में किया गया था, इसमें पूर्व-प्लेसमेंस प्रस्तावों (पीपीओ) सहित वैश्विक रूप से प्रसिद्धि प्राप्त शीर्ष कंपनियों ने भागीदारी की, जबकि चरण 2 का आयोजन दिसंबर 2021-मई 2022 के दौरान किया गया था। प्लेसमेंट के लिए कुल 268 छात्रों (स्नातक और परास्नातक दोनों) ने पंजीकरण किया। पूरी प्लेसमेंट प्रक्रिया का आयोजन वर्चुअल तरीके से किया गया था। सालों में हमारे छात्रों को प्रस्ताव दिया जाने वाले वेतन और प्रस्ताव की जाने वाली नौकरियों की संख्या में नियमित वृद्धि देखी गई। महामारी के हानिकारक प्रभावों के बावजूद, भा.प्रौ.सं. इंदौर ने निर्धारण वर्ष 2021-22 में सर्वोत्तम नियमित प्लेसमेंट रिकॉर्ड प्राप्त किया। सकल प्लेसमेंट प्रतिशत 94.05 प्रतिशत है। कुछ पंजीकृत छात्रों ने राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धि के संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का भी चुनाव किया। सालों के दौरान हमारा सर्वोत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड हमारे मूल्य प्रस्तावना के बारे में बोलता है जो कि आने वाले वर्षों में दिखाया गया।

परिष्कृत उपकरण केन्द्र (एसआईसी)

सितंबर 2011 में भा.प्रौ.सं. इंदौर में शोध कार्यक्रम को जल्दी के आगे बढ़ाने के लिए एक राष्ट्रीय सुविधा की स्थापना की गई थी। अब यह देश के सभी हिस्सों और कुछ अंतरराष्ट्रीय केन्द्रों से शिक्षण और उद्योगों को सेवाएं और विशेषज्ञता प्रदान कर रही राष्ट्रीय सुविधा है।

हमारा दृष्टिकोण

लागत, क्षमता और सेवा की श्रेणी में दुनिया की शीर्ष विश्लेषक उपकरण प्रयोगशालाओं में जगह बनाना।

हमारा लक्ष्य

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में विज्ञान और अभियांत्रिकी की सभी शाखाओं में शोध उद्योग को समर्थन और प्रोत्साहन देना।
- विभिन्न अत्याधुनिक उपकरणों में डेटा रिकॉर्डिंग सुविधा और विशेषज्ञता प्रदान करना, शिक्षण क्षेत्र और उद्योग को उच्च गुणवत्ता डेटा विश्लेषण सुगम बनाने के लिए यह सभी एक अनुभाग के अंदर करना।
- भारतीय औद्योगिक उत्पादों को गुणवत्ता के पदों में भारतीय उत्पादों को वैश्विक मानकों के अनुसार बनाने के लिए पहचाने गए अंतरों में सेवा प्रदान करके स्थानीय उद्योग की वृद्धि और प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रोत्साहन देना।

कार्य

- एसआईसी विशेष रूप से संस्थान द्वारा वित्त पोषित 32 उपकरणों के साथ काम कर रहा है और संस्थान के सभी विभागों के लिए डेटा रिकॉर्ड कर रहा है।
- एसआईसी उन्हें खुद के नमूनों का विश्लेषण करने का अवसर प्रदान करते हुए व्यवहारिक प्रशिक्षण देते हुए पीएचडी, मास्टर्स और बी-टेक छात्रों सहित शैक्षणिक कार्यक्रमों को लगातार समर्थन दे रहा है।
- एसआईसी ने अब तक बाहरी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित ₹ 48.0 करोड़ से अधिक मूल्य की विभिन्न परियोजनाओं का समर्थन किया है।
- केंद्र एसआईसी नमूना परीक्षण सुविधा का उपयोग करके अपने सबसे अधिक बिकने वाले उत्पादों को विकसित करने के लिए पूरे भारत में विभिन्न औद्योगिक संगठनों का समर्थन कर रहा है।
- एसआईसी स्कूली छात्रों, स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को लाइव प्रदर्शन और उपकरणों पर प्रशिक्षण देकर विज्ञान के प्रति उनमें उत्सुकता का विकास करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अब तक एसआईसी की उन्नति और क्रमागत विकास

- वर्ष 2011 में, सुविधा ने कुल 18 उपकरणों के साथ आईटी और पीएसीएल परिसर जैसे हमारे 2-सैटेलाइट अस्थाई परिसर में काम करना शुरू किया।
- 2013 से, भा.प्रौ.सं. इंदौर में शोध को सुगम बनाने के लिए 8 अत्याधुनिक उपकरण शामिल किए गए हैं।
- 2014 में, सुविधा को सिमरोल में स्थाई परिसर में स्थानान्तरित कर दिया गया और यह भा.प्रौ.सं. इंदौर का एक अभिन्न अंग बन गया।
- धीरे-धीरे अधिक उपकरणों को शामिल करने के साथ, सुविधा अब कुल 35 उपकरणों के साथ काम कर रही है और भविष्य में इनकी संख्या को बढ़ाने की योजना बना रही है।

भा.प्रौ.सं. इंदौर में शोध में एसआईसी की भूमिका

दस वर्षों के समय में भा.प्रौ.सं. इंदौर ने बहुत ही उल्लेखनीय प्रगति की है जिसमें एसआईसी का भी महत्वपूर्ण योगदान है जो इसकी उपलब्धियों से प्रदर्शित होता है:

- सभी भारतीय संस्थानों में प्रति संकाय सदस्य प्रकाशनों की बहुत अधिक संख्या के साथ स्नातक, परास्नातक और पीएचडी कार्यक्रम में सशक्त अनुसंधान तत्वों को एसआईसी द्वारा विधिवत रूप से समर्थित किया गया।
- एसआईसी आंकड़ों का प्रयोग करके 23 पेटेंट पंजीकृत किए गए हैं।

- 2000 से अधिक प्रकाशनों के साथ एसआईसी संस्थागत संकायों और शोध विद्वानों की शोध आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है।
- विज्ञान और अभियांत्रिकी की शाखाओं में विविध उपकरणों में वार्षिक तौर पर 10000 से अधिक नमूनों को दर्ज कर रहा है और इनका विश्लेषण कर रहा है।
- भारत में 700 से अधिक उपयोगकर्ताओं और बहुत सारे संस्थानों को सेवा प्रदान की।
- एसआईसी में दर्ज किए गए आंकड़ों को 200 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया गया है।
- सुविधा का विभिन्न विभागों से संबंधित 150 से अधिक परियोजनाओं में बहुत ही प्रमुख भूमिका है, जो कि आज तक की कुल संस्थागत परियोजनाओं का 34 प्रतिशत है और लगभग ₹ 48 करोड़ की राशि का मूल्य रखती है।
- एसआईसी में उनकी शोध को तेज करने के लिए उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करके 200 से अधिक छात्रों ने अपनी पीएचडी पूरी की है।
- एसआई प्रमुख क्षेत्रों में मास्टर्स के छात्रों की परियोजनाओं को सहयोग दे रहा है।

प्रस्ताव के लिए एसआईसी उपकरणों की सूची

पीला: नई उपकरण सूची में पहला चरण: मूल्य: ₹ 62.65 करोड़

सलेटी: एसआईसी बैकअप उपकरणों में शामिल: मूल्य: ₹ 21.20 करोड़

गुलाबी: यह गणनात्मक सुविधा के जरिए होगा: मूल्य: ₹ 19.50 करोड़

सफेद बक्सों में उपकरण दूसरे चरण के लिए हैं: मूल्य: ₹ 35.20 करोड़

क्रम संख्या	उपकरण	औसत मूल्य
I.	यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग	
1.	फेरोइलेक्ट्रिक परीक्षक या फेरोइलेक्ट्रिक हिस्टैरिसिस लूप मापन सेट-अप	80.0 लाख
2.	कण छवि वेगोसिमेट्री (PIV):	90.0 लाख
3.	प्लाज्मा स्प्रे कोटिंग प्रणाली	1.0 करोड़
4.	विंड टनल	95.0 लाख
5.	अवशिष्ट तनाव माप क्षमता के साथ तापमान आधारित पाउडर एक्सआरडी	1.5 करोड़
6.	एक्स-रे फोटोइलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी (XPS)	9.5 करोड़
7.	क्षेत्र उत्सर्जन इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी (FESEM)	2.5 करोड़
	कुल	17.15 करोड़
II.	कंप्यूटर अभियांत्रिकी विभाग	
1.	उच्च प्रदर्शन क्लस्टर (एचपीसी)	16.5 करोड़
	कुल	16.5 करोड़
III.	केन्द्रीय कार्यशाला	
1.	सीएनसी यांत्रिकीकरण केन्द्र	35.0 लाख
2.	सीएनसी तार ईडीएम	30.0 लाख
3.	सीएनसी खराद प्रशिक्षक	10.0 लाख
4.	3डी प्रिंटर	30.0 लाख
5.	लेजर कटाई	10.0 लाख
6.	ढलाईघर सुविधा	50.0 लाख
7.	लोहारी हथौड़ा	20.0 लाख

8.	सार्वभौमिक पिसाई यंत्र	15.0 लाख
9.	बेलनाकार ग्राइंडर	10.0 लाख
	कुल	2.1 करोड़
IV.	रसायन विज्ञान विभाग	
1.	पाउडर एक्सआरडी	1.5 करोड़
2.	उच्च-रिजॉल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी (TEM)	12.0 करोड़
3.	आईटीसी (समतापीय उष्मामिति)	55 लाख
4.	एएस और आईसीपी-एमएस	1.3 करोड़
5.	मालदी (MLDI)	7.0 करोड़
6.	वृत्ताकार ध्रुवीकृत ल्यूमिनेसेंस	50. लाख
7.	ईपीआर	2.5 करोड़
	कुल	25.35 करोड़
V.	भौतिक विज्ञान विभाग	
1.	भौतिक संपत्ति मापन प्रणाली (PPMS)	4.5 करोड़
2.	इलेक्ट्रान सम्प्रेषित दूरदर्शी (TEM)	10.0 करोड़
3.	एक्स-रे फोटोइलैक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी (XPS)	9.0 करोड़
4.	स्क्रिड मैग्नेटोमीटर	3.5 करोड़
5.	अभिकलन सुविधा	3.0 करोड़
6.	व्यापक रेंज आईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी माप सेटअप	1.5 करोड़
7.	रासायनिक वाष्प निक्षेपन (CVD)	50.0 लाख
8.	मौजूदा सुविधाओं के लिए अटैचमेंट जांच	5.0 करोड़
9.	उच्च क्षेत्र चुंबक	2.0 करोड़
10.	एएफएम-रमन सूक्ष्मदर्शी	2.5 करोड़
11.	निम्न से उच्च अंत इलेक्ट्रॉनिक जांच स्टेशन	10.0 लाख
12.	उच्च अंत इलेक्ट्रॉन बीम थिन फिल्म जमाव प्रणाली	40.0 लाख
	कुल	42.0 करोड़
VI.	सामग्री अभियांत्रिकी और सामग्री विज्ञान विभाग	
1.	एचआरटीईएम	15.0 करोड़
2.	वीएसएम	35.0 लाख
3.	थकान जांच मशीन (अक्षीय-घूर्णन, 100 किलोन्यूटन, यदि संभव हो तो, तापमान नियंत्रण के साथ)	1.75 करोड़
4.	ग्लोबल मशीन	3 करोड़
5.	अक्षीय-घूर्णन सर्वो हाइड्रोलिक परीक्षण प्रणाली	1.7 करोड़
6.	ऑप्टिकल उत्सर्जन स्पेक्ट्रोमीटर	40.0 लाख
7.	रोलिंग मशीन	80.0 लाख
8.	एक्स - रे फोटोइलैक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी (XPS)	9.0 करोड़
9.	उच्च दबाव और उच्च तापमान यंत्र	1.0 करोड़
10.	मौजूदा 400 एनएमआर जांच उन्नयन (ठोस अवस्था)	1.0 करोड़
	कुल	43.0 करोड़

VII.	विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	
1.	इलेक्ट्रॉन बीम लिथोग्राफी प्रणाली	5.0 करोड़
2.	प्रतिक्रियाशील आयन इथचिंग (RIE) प्रणाली	3.0 करोड़
	कुल	8.0 करोड़
VIII.	जीव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग	
1.	जैव सामग्री मचान / 3 डी निर्माण और जैविक उत्तकों के यांत्रिक परीक्षण के लिए इंड्रोन श्रृंखला सार्वभौमिक परीक्षण मशीन	30.0 लाख
2.	जीपीयू-सक्षम एचपीसी क्लस्टर (डेल/सुपरमाइक्रो/फुजित्सु) सॉफ्टवेयर: डिस्कवरी स्टूडियो	55.0 लाख
3.	डीएलएस और जेटा साइजर	15.0 लाख
	कुल	1.0 करोड़

चरण 2 में शामिल किए जाने वाले उपकरण:

क्रम संख्या	विभाग	धनराशि (करोड़ में)
1	यांत्रिक अभियांत्रिकी	2.7
2	कंप्यूटर अभियांत्रिकी	16.5
3	केन्द्रीय कार्यशाला	1.7
4	रसायन विज्ञान	0.55
5	भौतिक विज्ञान	12.0
6	एमईएमएस	1.2
7	बीएसबीई	0.55
	कुल	35.2

मौजूदा एसआईसी सुविधाओं के लिए बैकअप उपकरण

क्रम	उपकरण	राशि (₹ करोड़ में)	स्पष्टीकरण
1	एलसी-एचआरएमएस	4.00	उपकरण की क्षमता प्रति दिन नमूनों का विश्लेषण करने के लिए बैकअप की आवश्यकता से कम है।
2	एफईएसईएम-ईडीएस	2.50	संस्थान के सभी विभागों के शोध छात्रों द्वारा इस उपकरण का बहुत अधिक उपयोग किया जाता है। उपकरण का एक छोटा संस्करण मुख्य उपकरण पर विश्लेषण किए जाने वाले नमूनों को छाँटने में मदद करेगा और साथ ही साथ ऐसी स्थिति में बैक-अप का भी काम करेगा जब मुख्य उपकरण का मरम्मत संबंधी समस्याओं के कारण उपयोग में न आ पा रहा हो।
3	टीजीए	0.65	संस्थान के सभी विभागों के शोध छात्रों द्वारा इस उपकरण का बहुत अधिक उपयोग किया जाता है। मौजूदा उपकरण लगभग 10 साल पुराना है और इसमें कई पुर्जे लगाए जाने की जरूरत है, इसमें जितनी लागत लगेगी उतने में नया उपकरण आ जाएगा।

4	उच्चतम रिजल्यूशन के साथ कन्फोकल सूक्ष्मदर्शी	2.75	उपकरण मुख्य कन्फोकल सूक्ष्मदर्शी पर विश्लेषण करने से पहले नमूनों को छाँटेगा।
5	जीसीएमएस	1.00	संस्थान में सौ से अधिक शोध छात्रों द्वारा इस उपकरण का भारी उपयोग किया जाता है।
6	एससीएक्सआरडी	2.80	आंतरिक और बाहरी उपयोगकर्ताओं की बड़ी संख्या इस सुविधा का उपयोग कर रही है। इसलिए, इसका बैकअप आवश्यक है ताकि अकेले उपकरण पर भार कम किया जा सके।
7	400 मेगाहर्ट्ज ठोस जांच उन्नयन	2.00	हमारे मौजूदा 400 एनएमआर में सॉलिड स्टेट एनएमआर को अद्यतन करने की क्षमता है। विभिन्न विषयों (एमईएमएस, भौतिकी, ईई, एमई और रसायन विज्ञान) के लिए इसकी आवश्यकता है। यह भी 11 साल पुराना है, और इसके लिक्विड जांच भी खराब हो गई है इसलिए लिक्विड जांच में भी सुधार की आवश्यकता है।
8	सीडी	0.85	यह उपकरण अब 11 साल पुराना हो गया है और अब बैकअप के लिए एक उपकरण की जरूरत है।
9	एफएम-रमन	2.50	संस्थान के लगभग सभी विभागों में इस उपकरण की अधिक मांग है, इसलिए सभी शोध छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक बैकअप उपकरण की जरूरत है।
10	एटीआर-आईआर	0.10	उपकरण अब 11 साल पुराना हो गया है अब एक बैकअप उपकरण की जरूरत है।
11	रियोमीटर	2.00	
	कुल	21.20	

कुछ प्रमुख सुविधाओं पर परीक्षण किए गए संचयी नमूने का सारांश।

उपकरण	आंतरिक नमूने	बाहरी नमूने
एससीएक्सआरडी	3068	1026
एनएमआर	48350 (400 मेगाहर्ट्ज एनएमआर पर) 6180 (500 मेगाहर्ट्ज एनएमआर पर)	155 83
एलसीएमएस	11432	135
एसईएम	8048	348
एफएम	2495	14
सीजीएमएस	4139	41
कन्फोकल सूक्ष्मदर्शी	1048	27

राजस्व उत्पत्ति

संस्थान के उपयोगकर्ता

विभाग	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021
रसायन विज्ञान	30120	691190	678790	780510	1348950	1624030	1574260	1864380	1604340	1158640
भौतिकी	1900	13000	55435	53640	94400	109450	48860	61350	43820	1300
बीएसबीइ	NA	4850	28100	35340	195110	210900	262170	210620	120880	97120
एमई	650	5400	44710	49270	88590	145540	133160	135360	81450	4420
ईई	5060	12250	44500	62650	41470	57590	21050	36580	18980	12460
एमईएमएस	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	17400	30670	45860	35840	40590
सीई	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	7300	8640	1800	560
कुल	37730	1453380	1703070	1962820	3537040	2164910	2070170	2362790	1907110	1315090
1.86 करोड़ रुपये की सेवा प्रदान की										

उद्योगों और शिक्षा क्षेत्र से उपयोगकर्ता

वित्तीय वर्ष	राशि (लाख में)
2011-2012	4.32
2012-2013	10.46
2013-2014	11.31
2014-2015	5.73
2015-2016	6.3
2016-2017	10.98
2017-2018	10.85
2018-2019	11.3
2019-2020	13.24
2020-2021	8.14
2021-2022	3.4
कुल	96.03

केन्द्रीय कार्यशाला

भा.प्रौ.सं. इंदौर की केन्द्रीय कार्यशाला की स्थापना निर्धारण वर्ष 2011-2012 में हुई थी और इसका प्रसार लगभग 10,000 वर्ग फीट क्षेत्र में है। संस्थान की शोध परियोजनाओं के संरचना कार्यों और अन्य संरचना कार्यों को समर्थन देने के लिए यह प्रयोगशाला कक्षाओं के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा, केन्द्रीय कार्यशाला की छत तले विकसित की गई अत्याधुनिक सुविधाओं को शोध विद्वानों तक भी बढ़ाया गया है ताकि नवीन और अत्याधुनिक शोध का प्रदर्शन किया जा सके। इसमें क्षमतावाला और उच्च कुशल संचालन कर्मचारियों के एक दल के साथ सात दुकानें हैं, यांत्रिकीकरण, वेल्डिंग, कृषि, ढलाईघर, इंजेक्शन ढलाई, फिटिंग, और बड़ईगिरी। कार्यशाला में मोड़ाई, पिसाई, ड्रिल करना, सतह की पिसाई, इंजेक्शन मोल्डिंग, शीट शीयरिंग, मोड़ाई, सुखाना, तार सुखाना, कुतरना, आर्क वेल्डिंग, एमआईजी / एमएजी वेल्डिंग, टीआईजी वेल्डिंग, गैस वेल्डिंग, प्लाज्मा एयर कटिंग, इंडक्शन हीटिंग, मेटल कास्टिंग, फिटिंग और बड़ईगिरी संबंधी निर्माण कार्य के लिए 54 से अधिक मशीनें / उपकरण हैं।

वर्कशॉप में कटिंग फोर्स डायनेमोमीटर और सतह के खुरदरेपन की माप की सुविधा भी है। इसकी स्थापना सरल यांत्रिक घटकों के उत्पादन और निर्माण में छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए की गई थी। यह कार्यक्षेत्र में मशीन उपकरण और कंप्यूटर का उपयोग करने वाला एक छोटा, प्रभावी और सफल कामकाजी मॉडल है। छात्रों को विभिन्न विनिर्माण विधियों, सामग्रियों और घटकों, प्रक्रियाओं और वर्तमान में व्यावसायिक निर्माण और पुर्जों को एक साथ जोड़ने की प्रक्रियाओं में उपयोग किए जाने वाले सॉफ्टवेयर प्रोग्रामों से अवगत कराया जाएगा। इससे छात्रों को अभियंता बनाने में काफी मदद मिलेगी। इसके अलावा, शोधार्थियों के लिए नवीन और अत्याधुनिक शोध करने के लिए केन्द्रीय कार्यशाला में विकसित अत्याधुनिक सुविधाओं को भी आगे बढ़ाया गया है।



केंद्रीय कार्यशाला मूलभूत निर्माण तकनीकी प्रयोगशाला(IC-156), विनिर्माण प्रक्रिया प्रयोगशाला (ME-258), और यांत्रिकीकरण विज्ञान और मेट्रोलॉजी प्रयोगशाला(ME-355) में प्रायोगिक कक्षाएं देती हैं। इस बार कोविड-19 महामारी के कारण सभी प्रयोगशाला प्रयोगों को सुरक्षा नवाचारों का पालन करते हुए ऑनलाइन तरीके से आयोजित किया गया था।

केन्द्रीय कार्यशाला, संकाय प्रमुख-

डॉ. दान साथियाराज

संबंधित प्रोफेसर

workshopinchargeiiti.ac.in

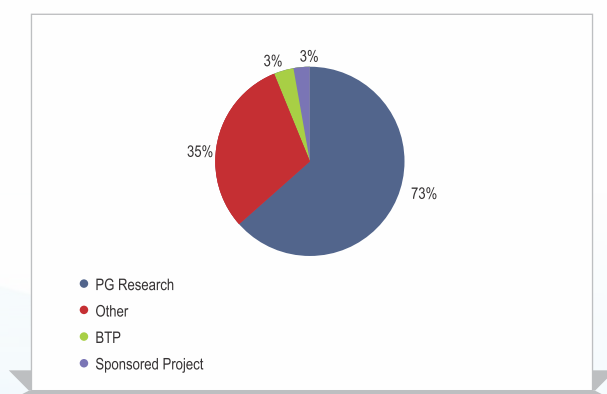
शोध में रुचियां:

- मध्यम से उच्च एन्ट्रापी मिश्र धातु
- गंभीर प्लास्टिक विरूपण (एसपीडी)
- पुनः क्रिस्टलीकरण और ग्रेन की वृद्धि का अध्ययन
- एमईए और एचईए की सूक्ष्म, नैनोमशीनिंग
- भूतल संशोधन इंजीनियरिंग (एसएमएटी, लेजर शॉट-पीनिंग, आदि)
- यांत्रिक और कार्यात्मक गुणों का अध्ययन

वर्ष 2021-2022 के दौरान गतिविधियाँ

इस वर्ष केंद्रीय कार्यशाला ने व्यावहारिक कक्षाओं के लिए और अनुसंधान कार्य का समर्थन करने के लिए मफल फर्नेस सुविधा और हैंडहेल्ड सतह खुरदरापन मूल्यांकन सुविधा शुरू की। इस वर्ष खराद मशीनों और टीआईजी वेल्डिंग मशीनों के सेवा संबंधी कार्यों को भी पूरा किया गया।

2021-2022 के दौरान, केंद्रीय कार्यशाला को स्नातकोत्तर रिसर्च, बीटीपी, प्रायोजित परियोजनाओं और अन्य निर्माण कार्यों सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए 114 कार्य अनुरोध प्राप्त हुए। विभिन्न श्रेणियों के लिए कार्य अनुरोधों का वितरण चित्र में दिखाया गया है।



कुछ कार्य अनुरोधों के चित्र निम्न प्रकार हैं



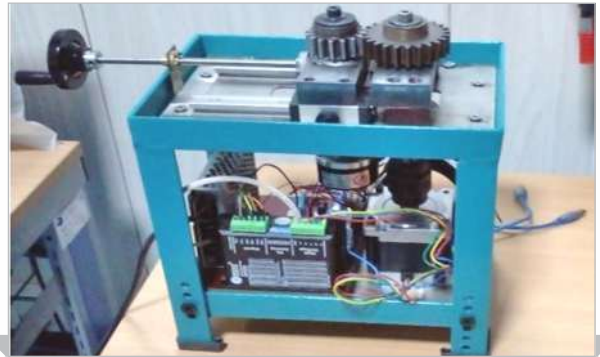
30 फीट लंबाई का बना लकड़ी का विंड टनल



बनाया गया पानी का चैनल



जोमिनी क्रेंच व्यवस्था के लिए स्थिरता



एकल गियर फ्लैक रोल टेस्टर के लिए निर्मित संरचना



स्वास्थ्य केंद्र के लिए बनाए गए नर्सिंग स्टेशन



सुरक्षा और सुरक्षा विभाग के लिए बनाया गया
आपातकालीन खंभा



मफलर के लिए बनाए गए पुर्जे



बची-खुची सामग्री का उपयोग करके बनाई गई मेजें

स्वास्थ्य केंद्र

सुविधाएं

स्वास्थ्य केंद्र में छोटे-मोटे रोगों के लिए बाहरी रोगी विभाग, डे-केयर और अंदरूनी रोगी सुविधा प्रदान की जाती है। आपातकाल सेवाएं 24 X 7 (हफ्ते के सातों दिन और दिन के चौबीसों घंटे) उपलब्ध हैं। यह संस्थान के समुदाय के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित फिजियोथैरेपी सेवाएं प्रदान करता है। स्वास्थ्य केंद्र की टीम ईसीजी और अन्य शीघ्र रोगनिदान सहित आवश्यक नैदानिक सुविधाएं प्रदान करती है। नियमित जांच के लिए, इन-हाउस रोग निदान प्रयोगशाला सुविधा अपोलो हॉस्पिटल्स लिमिटेड से प्राप्त की जाती है। बाल चिकित्सा टीकाकरण सप्ताहिक आधार पर किया जाता है।

विशेष परामर्श सुविधाएं- दंत चिकित्सा, ईएनटी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, मनोरोग, नेत्र विज्ञान, हड्डी रोग मामलों के लिए विशेषज्ञ परामर्श सेवाएं प्रदान की जाती हैं। समुदाय के सदस्यों को मामूली दंत चिकित्सा प्रक्रिया, प्रसवपूर्व फॉलो- प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र- स्वास्थ्य केंद्र ने प्रशासनिक अधिकारियों के दिशा निर्देशों के तहत प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र की स्थापना की शुरुआत की है।

कोविड- 19 मामलों का प्रबंधन-स्वास्थ्य केन्द्र संस्थान के समुदाय को कोविड की जांच मूल्यांकन और उपचार प्रदान करता है। मध्यम से गंभीर रोगियों को उच्च केंद्रों में रेफर किया जाता है। हालांकि घर पर एकांतवास के तहत रह रहे और तृतीयक केंद्रों में भर्ती किए गए मामलों में स्वास्थ्य केन्द्र के कर्मचारियों द्वारा नियमित तौर पर उनके स्वास्थ्य की जांच की जाती है।

कोविड- 19 का टीकाकरण-स्वास्थ्य केंद्र ने छात्रों के लिए पहली दूसरी और निवारक(तीसरी) खुराक के लिए कोविड टीकाकरण का आयोजन परिसर में ही किया। केंद्रीय विद्यालय के 12 से 14 वर्ष और 15 से 18 वर्ष के छात्रों के लिए कोविड- 19 टीकाकरण अभियान का आयोजन किया गया था।

अन्य गतिविधियां

- 1) 23 दिसंबर 2022 को मधुमेह और उच्च रक्तदाब की जांच के कैंपों का आयोजन किया गया था।
- 2) 24 जुलाई 2021 को कोविड- 19 और कोविड के बाद की स्थितियां: सावधानियां और देखभाल पर वेबिनार का आयोजन किया गया।



स्वास्थ्य केंद्र के वर्ष 2021-2022 के वार्षिक संख्यात्मक आंकड़े

क्रम संख्या	बाहरी रोगियों का विवरण	अंदरूनी रोगी और दिन में देखभाल वाले मामले	कोविड पॉजिटिव मामले	ट्रॉमा और आपातकाल मामले	ईसीजी और अन्य तुरंत ए जाने वाले निदान
1	10109	237	411	403	612



शिक्षण संसाधन केन्द्र

शिक्षण संसाधन केंद्र (एलआरसी) परिसर में संस्थान के शिक्षण, सीखने को, शोध और अन्य विद्वत्ता गतिविधियों को आवश्यक समर्थन प्रदान कर रहा है। उपयुक्त तकनीकों का प्रयोग करके, पुस्तकालय अनौपचारिक आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के लिए संसाधन प्रदान करता है जीवन भर शिक्षण को प्रोत्साहित करता है और विद्वान समुदाय के लिए उत्पादक माहौल का निर्माण करता है।



चित्र 1. शिक्षण संसाधन केन्द्र (LRC) इमारत

पुस्तकालय संग्रह

पुस्तकालय मुद्रित और डिजिटल फॉर्मेट दोनों ही प्रकारों में अपने संग्रह को लगातार निर्मित और विस्तारित करती रहता है। इसमें सभी प्रासंगिक विषयों के शिक्षण और शोध के लिए पुस्तकें शामिल हैं। एलआरसी काल्पनिक कहानियों, साहित्य और सामान्य रुचि की पुस्तकें जैसे वर्तमान घटनाएं, खेल आदि के चुनिंदा संग्रह होने का भी दावा करती है, ताकि उपयोगकर्ताओं की खाली समय और मनोरंजन से संबंधित जरूरतों का भी ध्यान रखा जा सके। गांधीवादी अध्ययन संग्रह, हिंदी संग्रह बच्चों की पुस्तकों का संग्रह और भजन संग्रह भी एलआरसी में गर्व के साथ रखा हुआ है। 31 मार्च 2022 को कुल मुद्रित पुस्तकों की संख्या 7770 और 8027 ई-पुस्तकें थीं।

इलेक्ट्रॉनिक संसाधन

आज की सूचना रिपोर्ट की दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक जानकारी संसाधन तक पहुंचना बहुत ही जरूरी है खासतौर पर शैक्षणिक माहौल में। इस रिपोर्ट की के तहत की अवधि के दौरान एलआरसी ने 25 से अधिक ई-पत्रिकाओं और डेटाबेस की सदस्यता ली है और उन तक पहुंच प्रदान की है कुछ प्रमुख ई-संसाधन जिनकी सदस्यता ली गई है वे हैं- Science Direct (5 विषयों का संग्रह), Taylor Francis (विज्ञान और तकनीकी पैकेज), Merican Chemical Society, Royal Society of Chemistry, IEEE/IET Electronic Library, SIAM, कंप्यूटर साइंस ई-बुक्स के साथ कंप्यूटर साइंस के लेक्चर नोट्स (Lecture Notes in Computer Science with Computer Science e-Books), Scifinder-n, Scopus, Indiastat, CMIE Prowess, CSD Enterprise Campus, Grammarly, Turnitin Feedback Studio, आदि।

इसके अलावा ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम (E-Shodhsindhu Consortium) के सदस्य के तौर पर आईआईटीआई शैक्षणिक समुदाय 6110 ई-पत्रिकाओं और कुछ डेटाबेस तक पहुंच प्राप्त कर रहा है। उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए इन ई-संसाधनों की पूरी सूची हाइपरलिंकों के साथ एलआरसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

प्रसार और संदर्भ सेवा

पुस्तकालय प्रसार सेवा कोहा-आईएलएमएस (खुला-स्रोत सॉफ्टवेयर) का उपयोग करके स्वचालित है। 2021-22 की की समयावधि के दौरान, घर में पढ़ने के लिए सभी श्रेणियों के उपयोगकर्ताओं को कुल 12054 दस्तावेज जारी/नवीनीकृत किए गए। श्रेणीवार उपयोगकर्ता को प्रसार के आंकड़े नीचे तालिका में प्रस्तुत किए गए हैं:

	बीटेक	एमटेक	एमएससी	एमएस शोध	पीएचडी और आरए	संकाय	अन्य
घर पर पढ़ने के लिए प्रसारित दस्तावेज	4809	373	1134	206	3047	1658	827

पुस्तकालय संदर्भ, पुस्तकों के नए संस्करण, नए छात्रों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम, अंतर पुस्तकालय ऋण, विषय गाइड, ई-संसाधनों के लिए प्रशिक्षण सत्र कार्यक्रम, विभिन्न पुस्तकालय सेवाओं के लिए क्यूआर कोड जैसी उपयोगकर्ता सेवाएं भी प्रदान करता है।

दस्तावेज वितरण सेवा पोर्टल

एलआरसी उन शोध लेखों को प्राप्त करने की व्यवस्था करता है जो उसके संग्रह में नहीं होते हैं। यह सेवा संकाय, शोध छात्रों और कर्मचारियों को प्रतिलिप्याधिकार कानून की सीमा के तहत शैक्षणिक और शोध उद्देश्य से प्रदान की जाती है इस सेवा को स्क्रीन लाइन करने के लिए एलआरसी ने एक खुले-स्रोत सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके एक दस्तावेज वितरण सेवा पोर्टल का विकास किया है। इसमें लाइब्रेरी वेबसाइट <http://library.iiti.ac.in/?pageSid=2988> में जाकर पहुंचा सकता है

संस्थागत कोष

पुस्तकालय ने आईआईटीआई के वैज्ञानिक प्रकाशनों को एकत्र करने, सुरक्षित करने, व्यवस्थित करने और पहुंच प्रदान करने के लिए, व्यापक तौर पर उपयोग किए जाने वाले मुक्त-स्रोत डीपी स्पेस (DSpace) सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके संस्थागत कोष (<http://dspace.iiti.ac.in:8080/jspui/>) का निर्माण किया है। इस रिपोर्ट की समयावधि के दौरान, कोष में 96 मास्टर की डिग्री की थीसिस, 115 पीएचडी थीसिस और 319 समाचार पत्रों की क्लिपें अपलोड की गई थीं।

आरएफआईडी प्रणाली का लागूकरण

एलआरसी में एक आरएफआईडी प्रणाली को लागू किया गया है और इसका शुभारंभ 25 दिसंबर 2021 को भारत सरकार के केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार द्वारा किया गया। पुस्तकालय की सेवाओं में समस्याओं/लाभ, दस्तावेजों पर निगरानी रखने और संग्रह की सुरक्षा सुविधाओं को बढ़ाने के लिए इस प्रणाली ने मूल्य-वर्धन किया है।



चित्र 2. आरएफआईडी प्रणाली का उद्घाटन

मातृभाषा संग्रह

भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने और आईआईटी समुदाय के लिए साहित्य को भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, एलआरसी ने सितंबर 2021 में एक अनोखे मातृभाषा संग्रह अभियान शुरू किया और भा.प्रौ.सं. इंदौर समुदाय से मातृभाषा में कुछ किताबें दान करके मातृभाषा के लिए अपने प्यार का प्रदर्शन करने का अनुरोध किया। 21 फरवरी 2022 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर प्रोफेसर सुहास एस जोशी, निदेशक, भा.प्रौ.सं. इंदौर द्वारा समुदाय को पुस्तकालय का यह मातृभाषा संग्रह समर्पित किया गया था। भा.प्रौ.सं. इंदौर के शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा 8 भारतीय भाषाओं (अर्थात संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, उड़िया, मराठी, बंगाली, गुजराती और हिंदी) में 500 से अधिक पुस्तकें दान की गईं।



चित्र 3. मातृभाषा संग्रह का उद्घाटन

बुनियादी संरचना

पुस्तकालय की अलमारियां

अपने संसाधनों के उपयोग को आकर्षित करने और इसे सुगम बनाने के लिए पुस्तकालय एलआईसी की नई इमारत में नवीन मूलभूत संरचनाएं जोड़ना जारी रखता है। इस साल पुस्तकालय में 102 दो तरफा पुस्तकालय अलमारियां प्राप्त कीं और इन्हें एलआरसी की द्वितीय मंजिल (पुस्तकें रखने का क्षेत्र) पर लगाया गया।

स्वाध्याय

एलआरसी की नई इमारत के लिए विभिन्न पाठन स्थान और अन्य सुविधाओं का विकास और निर्माण प्रक्रिया के तहत है। स्वाध्याय (स्वयं पढ़ाई करने का स्थान) अपने उपयोगकर्ताओं को समर्पित था जो स्वाध्याय के लिए माहौल प्रदान करता है। यह स्थान प्रमुख एलआरसी इमारत से अलग है और सुबह 6:00 बजे से रात 2:00 बजे तक खुला रहता है।

कोविड- 19 के दौरान एलआरसी की सेवाएं

पुस्तकालय की सेवाओं को इसके उपयोगकर्ताओं यथासंभव उपलब्ध बनाने के लिए एलआरसी टीम ने कोविड- 19 की दूसरी लहर के दौरान लॉकडाउन के समय बहुत ही कड़ा परिश्रम किया है। इस अवधि के दौरान एलआरसी ने उपयोगकर्ताओं को RemoteXs के जरिए संसाधनों तक पहुंच प्रदान की है। एलआरसी ने अन्य पुस्तकालयों से 177 शोध पत्रों की व्यवस्था की है और छात्रों और संकाय को 2544 समानता जांच रिपोर्ट उपलब्ध करवाई हैं। एलआरसी टीम ने छात्रों और हॉस्टल की टीम के साथ मिलकर जारी की गई पुस्तकों को एकत्र किया है ताकि छात्रों को कोई बकाया नहीं नोट जारी किया जा सके।

राजभाषा हिंदी से संबंधित कार्यक्रमों का ब्यौरा

1. हिन्दी पखवाड़ा 2021 का आयोजन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर द्वारा राजभाषा समिति के तत्वाधान में 14 से 28 सितम्बर 2021 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया।

14 सितम्बर 2020 को हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। संस्थान की हरित परिसर की अवधारणा को परिलक्षित करते हुए पौधे देकर अतिथियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया।



हिंदी पखवाड़ा 2021 के अंतर्गत निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

क्रमांक	प्रतियोगिता का नाम	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1	स्वरचित हिंदी कविता का पाठन	20 सितम्बर 2021	39
2	हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता	22 सितम्बर 2021	39
3	वस्तुनिष्ठ प्रकार की लिखित परीक्षा (हिंदी राजभाषा के विषय में)	24 सितम्बर 2021	31

संस्थान के पुस्तकालय द्वारा हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर हिन्दी पुस्तकों की विशेष प्रदर्शनी लगाई गई ताकि अधिकाधिक लोग हिन्दी भाषा में उपलब्ध साहित्य एवं ज्ञान से परिचित हो सकें। संस्थान के संकाय सदस्यों, छात्र-छात्राओं तथा कर्मचारीगण सभी ने इस पुस्तक प्रदर्शनी का लाभ लिया तथा इसकी सराहना की।

दिनांक 28 सितम्बर 2021 को पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के निदेशक (कार्यवाहक) प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन की भी उपस्थिति रही थी। विशेष अतिथि के तौर पर अधिष्ठाता (प्रशासन) महोदय की उपस्थिति रही थी। सम्मानित अतिथि के रूप में कुलसचिव महोदय श्री एस.पी. होता की भी उपस्थिति थी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राध्यापक और राजभाषा समिति के संयोजक श्री रजनीश मिश्रा ने की।

मुख्य अतिथि द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए समस्त प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया। अंत में श्रीमती शिल्पा चौहान के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह एवं हिन्दी पखवाड़ा 2020 का समापन हुआ जिसका सार निम्नांकित पंक्तियों में दिया जा सकता है।

राजभाषा हिंदी संबंधित किये गए कार्यक्रमों का ब्यौरा

भारत माँ के भाल पर सजी स्वर्णिम बिंदी हूँ, मैं भारत की अपनी बेटी आपकी अपनी हिन्दी हूँ। सभी कार्यक्रमों का संस्थान की वेबसाईट पर सजीव प्रसारण किया गया।



विश्व हिंदी दिवस-2022

संस्थान की राजभाषा समिति द्वारा दिनांक 10 जनवरी 2022 को विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के संकाय सदस्यों, छात्र-छात्राओं तथा कर्मचारियों द्वारा शोधपत्र को हिंदी भाषा में रूपांतरित कर उन पर व्याख्यान दिया गया। इनमें से कुल 15 शोधपत्र पर संबंधित प्रतिभागियों द्वारा व्याख्यान दिया गया। हिंदी भाषा में रूपांतरित शोधपत्र को मुद्रित करवाकर संस्थान के पुस्तकालय में प्रदर्शनी हेतु रखा गया है जिससे अधिकाधिक छात्र हिंदी भाषा में शोधपत्र लिखने के लिए अभिप्रेरित हों। इसके अतिरिक्त इस अवसर पर हिंदी कविता पाठ का भी आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के संकाय सदस्यों, छात्र-छात्राओं तथा कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। हिंदी में शोधपत्र प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कविता पाठ में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को भी पुरस्कार प्रदान किया गया।



प्रशासन

1. कर्मचारियों के पद:

31 मार्च 2022 तक, नीचे दी गई तालिका में विवरणानुसार 114 गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी:

समूह 'क' अधिकारी - 21 तकनीकी कर्मचारी - 38

अन्य प्रशासनिक कर्मचारी - 55

वर्ष के दौरान नियुक्त गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की संख्या निम्नानुसार है:

गैर-शैक्षणिक कर्मचारी - 03

त्यागपत्र/अन्य कारणों से कार्यमत्त किए गए कर्मचारियों की संख्या - 04

1.2. 1 अप्रैल 2021 और 31 मार्च 2022 के बीच नियुक्त कर्मचारियों की सूची निम्नानुसार है :

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	स्कूल / अनुशासन / केंद्र	पद / पदनाम	पदधारण की तिथि
1	श्री दिव्यांशु जैन	लर्निंग रिसोर्स सेंटर	पुस्तकालय सूचना सहायक	09-जून-21
2	श्री निपुल गोर्धनभाई शिहोरा	लर्निंग रिसोर्स सेंटर	पुस्तकालय सूचना सहायक	09-जून-21
3	सुश्री अपेक्षा राजपुरोहित	प्रशिक्षण और नियुक्ति	कनिष्ठ अधीक्षक	28-जून-21

1.3 1 अप्रैल 2021 और 31 मार्च 2022 के बीच पदोन्नत/उन्नयन किए गए कर्मचारियों की सूची निम्नानुसार है:

क्रमांक	कर्मचारी का नाम	स्कूल / अनुशासन / केंद्र	पदोन्नत पदनाम	प्रदोन्नति लागू होने की तिथि
1	श्री प्रशांत एस. कुलकर्णी	अवसंरचना विकास कार्यालय	वरिष्ठ अभियंता (सिविल)	23-सितंबर-21
2	श्री प्रणय चोपड़ा	अवसंरचना विकास कार्यालय	उप कार्यकारी अभियंता (इलेक्ट्रिकल)	22-दिसंबर-21
3	श्री विजयेंद्र शास्त्री	अवसंरचना विकास कार्यालय + हाउसकीपिंग	सहायक कुलसचिव	20-सितंबर-21
4	डॉ आनंद पिटारे	केंद्रीय कार्यशाला	सहायक कार्यशाला अधीक्षक	30-नवंबर-21
5	सुश्री रजनी शर्मा	स्वास्थ्य केंद्र	नर्सिंग सिस्टर	27-मई-21
6	सुश्री पूजा दत्ता	क्रय + विधिक प्रकोष्ठ	सहायक कुलसचिव	20-सितंबर-21
7	श्री शैलेंद्र कुमार जाट	अवसंरचना विकास कार्यालय	उप कार्यकारी अभियंता (सिविल)	23-सितंबर-21

8	श्री रोशन भाटिया	वित्त एवं लेखा	अनुभाग अधिकारी	20-सितंबर-21
9	डॉ. शिल्पा राउत	स्वास्थ्य केंद्र	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एनएफएसजी)	04-मई-21
10	श्री सनी नामदेव	भौतिकी	वरिष्ठ सहायक	09-सितंबर-21
11	श्री राकेश जैन	प्रशासन	वरिष्ठ सहायक	09-सितंबर-21
12	श्री मयूर बांगड़	वित्त एवं लेखा	वरिष्ठ सहायक	13-सितंबर-21
13	श्री पी.के. पार्थिवन	रसायनिकी	तकनीकी अधीक्षक	27-अगस्त-21
14	सुश्री पूजा तिवारी	स्वास्थ्य केंद्र	फार्मासिस्ट	24-दिसंबर-21

1.4 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण (बाह्य)

क्रमांक	कर्मचारी का नाम	धारित पद	से प्राप्त प्रशिक्षण	प्रशिक्षण / पाठ्यक्रम	से	तक
1	श्री नीलेश जाधव	कनिष्ठ अधीक्षक	अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान	सार्वजनिक खरीद (उन्नत)	28-जून-21	30-जून-21
2	श्री सुनील चंदनशिव	वरिष्ठ सहायक	अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान	सार्वजनिक खरीद (उन्नत)	28-जून-21	30-जून-21
3	श्री हर्ष राज सिंह चौहान	कनिष्ठ सहायक	अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान	सार्वजनिक खरीद (उन्नत)	28-जून-21	30-जून-21
4	श्री दुष्यंत प्रताप	कनिष्ठ सहायक	अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान	सार्वजनिक खरीद (उन्नत)	28-जून-21	30-जून-21
5	श्री स्वप्निल सोनप	कनिष्ठ सहायक	अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान	सार्वजनिक खरीद (उन्नत)	28-जून-21	30-जून-21
6	श्री दीपांशु	कनिष्ठ अधीक्षक	आईएसटीएम, नई दिल्ली	वेतन निर्धारण पर 03 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला	01-सितंबर-21	03-सितंबर-21

1.5 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण (आंतरिक)

क्रमांक	प्रशिक्षण के विषय	प्रशिक्षक/अनुदेशक	पदनाम	दिनांक	प्रशिक्षण में भाग लेने वाले कर्मचारी
1	उद्घाटन सत्र	श्री एस.पी. होता	कुलसचिव	26-नवंबर-21	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
2	अवकाश नियम	श्री टी सत्यनारायण	संयुक्त कुलसचिव (प्रशासन)	3 और 4 दिसंबर - 2021	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
3	बजट और एचईएफए	श्री प्रदीप अग्रवाल	संयुक्त कुलसचिव (एफ एंड ए)	10 और 11 दिसंबर - 2021	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
4	आर एंड डी और सीआईआईआईआर	डॉ कुमार गौरव	सहायक कुलसचिव (आर एंड डी और सीआईआईआईआर)	17-दिसंबर-21	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
5	अकादमिक मामले	श्री सुरेश चंद्र ठाकुर	सहायक कुलसचिव (अकादमिक)	18-दिसंबर-21	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
6	कार्य एवं निविदा आईडीओ	श्री विजयेंद्र शास्त्री	सहायक कुलसचिव (आईडीओ)	12-जनवरी-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
7	कार्य और जेम के अलावा अन्य खरीद प्रक्रियाएं	सुश्री पूजा दत्ता	सहायक कुलसचिव (एमएमएस)	21-जनवरी-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
8	मालसूची और भंडार प्रबंधन	श्री एस.पी. होता	कुलसचिव	28-जनवरी-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
9	नेतृत्व व्यवहार	डॉ कुमार गौरव	सहायक कुलसचिव (आर एंड डी और सीआईआईआईआर)	4-फरवरी-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
10	सीसीएस (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील नियम) 1965	श्री नीरज कुमार	सहायक कुलसचिव (अकादमिक)	11-फरवरी-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
11	वाहन चालन और सड़क सुरक्षा संबंधी विचार	श्री रमाकांत कौशिक	मुख्य सुरक्षा अधिकारी (ग्रेड- II)	18-फरवरी-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
12	सीसीएस (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील नियम) 1965 - भाग II	श्री नीरज कुमार	सहायक कुलसचिव (अकादमिक)	25-फरवरी-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
13	कार्य-जीवन संतुलन	कमोडार सुनील कुमार (सेवानिवृत्त)	संयुक्त कुलसचिव (एफए और एसए)	4-मार्च-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
14	नोटिंग और ड्राफ्टिंग	श्री एस.पी. होता	कुलसचिव	11-मार्च-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
15	नोटिंग, प्रारूपण और कार्यालय प्रक्रियाएं	श्री सुरेश चंद्र ठाकुर	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)	25-मार्च-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
16	भत्ते (टीए/एलटीसी/सीईएस)	श्री प्रदीप अग्रवाल	संयुक्त कुलसचिव (एफ एंड ए)	1-अप्रैल-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी

17	पेशेवरों के लिए अंग्रेजी और प्रभावी संचार: रणनीतियाँ, प्रवचन और व्यावहारिक अनुप्रयोग	डॉ अनन्या घोषाल	सहायक प्रोफेसर	8-अप्रैल-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
18	आरटीआई अधिनियम 2005 का एक सिंहावलोकन	श्री सुरेश चंद्र ठाकुर	सहायक रजिस्ट्रार (प्रशासन)	3-जून-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
19	केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए परिवहन भत्ता	श्री तन्मय हर्ष वैष्णव	अनुभाग अधिकारी (एफ एंड ए)	10-जून-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
20	आपदा प्रबंधन और अवलोकन	श्री रमाकांत कौशिक	मुख्य सुरक्षा अधिकारी (श्रेणी - II)	17-जून-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
21	विभागीय पुस्तकालय का प्रबंधन	श्री राजेश कुमार	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष (श्रेणी - I)	24-जून-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
22	एबिलिन विरोधाभास: समझौतों का प्रबंधन	श्री सरोज कुमार मलिक	कार्यकारी अभियंता (इलेक्ट्रिकल)	01-जुलाई-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी
23	विशेषज्ञ वार्ता सह प्रेरक सत्र	कमोडोर (डॉ.) मनोहर नांबियार	कुलसचिव, आईआईटी हैदराबाद	15-जुलाई-22	सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी



वित्त एवं लेखा

2.1 वर्ष 2021-22 की विशेषता निम्नांकित आय और व्यय है:

(₹ करोड़ में)

क्रमांक	विवरण	2021-2022
		चालू वर्ष
1	आय	
1.1.	अनुदान	114.92
1.2.	शैक्षणिक प्राप्तियां	25.29
1.3.	निवेश से आय	8.54
1.4.	अर्जित ब्याज	3.41
1.5.	अन्य आय	33.01
1.6.	कुल 1	185.17
2	व्यय	
2.1.	कर्मचारीगण भुगतान और लाभ	65.46
2.2.	शैक्षणिक व्यय	18.91
2.3.	प्रशासनिक और सामान्य व्यय	20.91
2.4.	परिवहन खर्च	0.32
2.5.	मरम्मत और रखरखाव	2.79
2.6.	मूल्यहास	41.85
2.7.	अन्य खर्चे	16.34
2.8.	कुल 2	166.58
3	व्यय की तुलना में आय की अधिकता के नाते शेष	18.59

2.2 पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन से संबंधित स्थिति इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

क्रमांक	विवरण	2021-2022		
		एचईएफए	अन्य उद्देश्य	कुल
2.1	सहायता अनुदान योजना का प्रारंभिक शेष	26.78	29.29	56.07
2.2	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	64.70	106.68	171.38
2.3	ओएच-31 के अंतर्गत घाटा जो आईआरजी से जोड़ा जा रहा है	-	5.19	5.19
2.4	संस्थान की प्रयोज्यता पर उपलब्ध कुल धनराशि	91.48	141.16	232.64
2.5	राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया अनुदान	-	99.57	99.57
2.5.1	एचईएफए के लिए सावधि ऋण पर ब्याज	15.35	-	15.35
2.5.2	एचईएफए ऋण का पुनर्भुगतान (75%)	50.39	-	50.39

2.6	आय और व्यय के लिए उपयोग समायोजित करने के बाद योजना अनुदान	25.74	41.59	67.33
2.7	अवसंरचना का विकास करने, भवनों और कार्यों और उपकरणों और अन्य परिसंपत्तियों के लिए उपयोग किया गया	–	31.22	31.22
2.8	31/03/2022 तक व्यय न की गई शेष राशि	25.74	10.37	36.11

2.3 फंड की उपलब्धता और उसके उपयोग की स्थिति:

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, ₹1,911.12 करोड़ की संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की स्वीकृति के विरुद्ध, शिक्षा मंत्रालय द्वारा ₹171.38 करोड़ की राशि (आवर्ती और गैर-आवर्ती उद्देश्य के लिए ₹106.68 करोड़ + एचईएफए उद्देश्य के लिए ₹64.70 करोड़) जारी की गई थी और आईआरजी से जोड़ा जा रहा ओएच-31 के अंतर्गत घाटा सहायता अनुदान – ₹5.19 करोड़ में जमा किया गया था। वर्ष के दौरान संस्थान की संगणित आंतरिक आय ₹44.86 करोड़ थी, आईआरजी (संस्थान की हिस्सेदारी) ₹11.98 करोड़ से 25% एचईएफए मूल ऋण का भुगतान समायोजित करने के बाद और 01.04.21 को व्यय न की गई ₹56.07 करोड़ शेष राशि पर विचार करने के बाद संस्थान की प्रयोज्यता पर उपलब्ध कुल धनराशि ₹277.50 करोड़ थी।

₹31.22 करोड़ की राशि का पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए का उपयोग किया गया है और संस्था न की प्रयोज्यता पर अनुदान में से ₹165.31 करोड़ की राशि (आवर्ती उद्देश्य के लिए ₹99.57 करोड़ + एचईएफए उद्देश्य के लिए ₹65.74 करोड़) (जिसमें ₹41.85 करोड़ का मूल्यहास शामिल नहीं है) आवर्ती व्यय पर खर्च की गई थी। इसके अतिरिक्त वर्ष के लिए आंतरिक राजस्व सृजन की ₹44.86 करोड़ राशि कॉर्पस फंड में अंतरित की गई थी।

2.4 वर्ष के दौरान आरंभ किए गए सुधारों, उपायों और पहलों में शामिल हैं:

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान वित्त और लेखा से निम्नलिखित सुधारों, उपायों और पहलों का शुभारंभ किया गया:

2.4.1 सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) सभी डीबीटी भुगतानों का मंच है।

2.4.2 संस्थान ने सुविधा के लिए चैनल पार्टनर बैंक के रूप में भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ भा.प्रौ.सं. इंदौर की वेबसाइट पर पेमेंट गेटवे विकसित किया है।

2.5. बच्चों के लिए शिक्षा सहायता :

वित्तीय वर्ष 2021-2022 के दौरान, संस्थान ने 118 शिक्षकों और कर्मचारियों को भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार शिक्षा सहायता के लिए ₹42,46,000/- की राशि की प्रतिपूर्ति की।

2.6. कर्मचारीगण के लिए परिवहन सुविधाएं :

संस्थान परिसर से इंदौर शहर तक कर्मचारियों की आवाजाही के लाभ के लिए छात्र-छात्राओं / संकाय सदस्यों / कर्मचारियों को रियायती दरों पर परिवहन सुविधाएं प्रदान की गई हैं क्योंकि भा.प्रौ.सं. का परिसर इंदौर शहर से बहुत दूर स्थित है।

2.7. अग्रिम :

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, निम्नलिखित के लिए व्यक्तिगत अग्रिम के रूप में कुल ₹96.52 लाख की राशि स्वीकृत की गई थी।

क्रमांक	अग्रिम की प्रकृति	लाभार्थियों की संख्या	स्वीकृत राशि (₹ में)	31.03.2022 तक बकाया राशि (₹ में)
1	गृह निर्माण हेतु अग्रिम	02	19,48,880	89,91,216
2	कार हेतु अग्रिम	—	—	77,000
3	दुपहिया वाहन हेतु अग्रिम	—	—	6,500
4	पर्सनल कंप्यूटर हेतु अग्रिम	07	3,49,900	5,77,404
		कुल	22,98,780	96,52,120

2.8 बीमा :

अंतः रोगी के उपचार के लिए ₹ 2.50 लाख की समूह चिकित्सा बीमा सुरक्षा प्रदान की गई और संस्थान के सभी छात्र-छात्राओं को ₹ 5.00 लाख की समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा सुरक्षा प्रदान की गई। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान बीमा के प्रति व्यय ₹ 10,97,273 /- था। बाह्य रोगी उपचार का मुख्य रूप से स्वास्थ्य केंद्र द्वारा आंतरिक रूप से खर्चौल रखा जाता है।

2.09 अध्येतावृत्तियाँ/छात्रवृत्तियाँ :

2.09.1. शोध छात्रों के लिए :

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, संस्थान ने निम्नलिखित श्रेणी के छात्र-छात्राओं के लिए अध्येतावृत्ति वितरित की है:

क्रमांक	छात्र-छात्राओं की श्रेणी	छात्र-छात्राओं की संख्या	अध्येतावृत्ति (प्रति माह)
01.	एमओई अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित संस्थान-पीएचडी	189	
02.	डीएसटी वित्त पोषित (पीएचडी)	33	जेआरएफ- ₹ 31,000/-
03.	सीएसआईआर वित्त पोषित (पीएचडी)	78	एसआरएफ- ₹ 35,000/-
04.	स्नातकसी द्वारा वित्त पोषित (पीएचडी)	92	
05.	एमओई अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित संस्थान - एम. टेक	122	₹ 12,400/-
06.	एमओई अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित संस्थान - एम. एस.	41	₹ 12,400/-
07.	डीबीटी - एनसीसीएस पुणे	5	₹ 35,000/-

साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति:

संस्थान ने विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत संस्थान द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले बी.टेक और एम.एससी. छात्र-छात्राओं के लिए साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति के रूप में ₹ 1,34,98,192 /- का संवितरण किया है।

वंचित वर्ग के छात्रों के लिए शिक्षण शुल्क में छूट :

शिक्षा मंत्रालय के पत्र एफ. संख्या 24-2/2016 टीएस 1 दिनांकित 04 अप्रैल 2016 के अनुसार संस्थान ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 में वंचित वर्ग के स्नातक छात्र-छात्राओं के लिए शिक्षण शुल्क में छूट के रूप में ₹ 4,30,77,937 /- का भुगतान/संवितरण किया है।

तुलन पत्र और आय और व्यय का सारांश निम्नानुसार है:

क) 31 मार्च 2022 को तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

निधियों का स्रोत	अनुसूचियां	31-03-2022 के अनुसार	31-03-2021 के अनुसार
कॉर्पस/पूंजीगत निधि	1	9,29,09,26,320	8,35,93,31,248
नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	2	15,43,59,784	12,34,96,131
वर्तमान देयताएं और प्रावधान	3	3,71,59,69,394	4,29,67,02,488
कुल		13,16,12,55,498	12,77,95,29,867
निधियों का आवेदन			
अचल संपत्तियां	4		
ए. मूर्त संपत्ति		9,39,51,66,561	8,53,21,73,071
बी. अमूर्त संपत्ति		3,76,96,022	4,34,99,732
सी. पूंजी कार्य-प्रगति		47,37,67,960	95,49,74,024
निर्धारित/			
से निवेश बंदोबस्ती निधि	5		
दीर्घकालिक			
लघु अवधि		5,75,571	5,75,571
निवेश - अन्य	6	-	-
वर्तमान संपत्ति	7	2,86,99,62,108	2,80,33,48,531
ऋण, अग्रिम और जमा	8	38,40,87,276	44,49,58,939
कुल		13,16,12,55,498	12,77,95,29,867

ख. 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

(राशि ₹ में)

विशिष्ट	अनुसूचियां	2021-2022	2020-2021
(ए) आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	25,29,76,202	20,29,33,380
अनुदान और सब्सिडी:			
ब्याज के भुगतान के लिए उपयोग किया गया अनुदान			
i. एचईएफ से सावधि ऋण		15,35,03,422	
ii. राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया अनुदान		94,38,34,622	
iii. आईआरजी का उपयोग निवेश से राजस्व व्यय		5,18,97,669	
आय के लिए किया गया निवेश से आय	11	8,54,36,386	5,83,75,213

ब्याज अर्जित	12	3,40,60,991	7,44,59,952
अन्य आय	13	31,65,98,982	1,05,05,882
पूर्व अवधि की आय	14	1,34,75,118	67,75,974
कुल (ए)		1,85,17,83,391	1,39,31,49,674
(बी) व्यय			
स्टाफ भुगतान और लाभ (स्थापना कस्प)	15	65,45,98,650	54,10,79,060
शैक्षणिक व्यय	16	18,91,20,212	17,91,15,960
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	17	20,91,21,862	19,17,62,101
परिवहन खर्च	18	31,48,192	21,68,764
मरम्मत और रखरखाव	19	2,78,85,142	2,83,28,871
वित्त लागत	20	15,35,68,757	13,60,25,231
मूल्यहास	4	41,85,13,266	37,14,60,138
अन्य खर्चे	21	22,65,823	89,35,484
पूर्व अवधि व्यय	22	75,91,103	94,94,564
कुल (बी)		1,66,58,13,007	1,46,83,70,173

शेष राशि व्यय से अधिक			
आय (ए-बी) है		18,59,70,384	-7,52,20,499
घटाएं: (i) अनुदान पर ब्याज (एमओई को देय)		-3,40,60,991	-7,44,59,952
(ii) आईआरजी से उपयोग किए जा रहे ओएच-31 के तहत घाटा		-5,18,97,669	-2,90,46,182
(iii) आईआरजी (संस्थान शेयर) से 25% एचईएफए मूल ऋण का भुगतान		-16,79,79,343	-11,98,48,542
(iv) 2021-2022 (2020-21) के आंतरिक राजस्व सृजन के लिए कॉर्पस फंड में स्थानांतरण (महत्वपूर्ण नीतियां देखें - बिंदु संख्या 8.1)		-44,86,09,675	-12,96,95,725
कुल		-51,65,77,294	-42,82,70,900
जोड़ें: कैपिटल फंड से अमाउंट ट्रांसफर जोड़ें			
- मूल्यहास	41,85,13,266	-	-
- नकदीकरण देयता छोड़ दें	8,04,46,821	-	-
- ग्रेच्युटी देनदारी	1,76,17,207	-	-
शेष राशि अधिशेष (घाटा) पूंजी निधि में ले जाया जा रहा है		-51,65,77,294	-42,82,70,900

संस्थान समारोह

1. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

भा.प्रौ.सं., इंदौर ने 21 जून 2021 को योग से सहयोग के मंत्र का पालन करते हुए 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। यह कार्यक्रम कोविड प्रोटोकॉल के कारण व्यक्तिगत रूप से भाग नहीं ले सकने वाले सदस्यों के लिए लाइव स्ट्रीम किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओमानन्द गुरुजी ने किया। डॉ. ओमानन्द शिक्षापर्यंत योग्यता धारी हैं और विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित हैं। उनके छात्र 95 देशों से इंदौर आकर सफल योग व्यावसायिक बन गए। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के हिंदू विश्वविद्यालय, फ्लोरिडा के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। वर्तमान में वह परमानंद यूनिवर्सिटी ट्रस्ट और परमानंद इंस्टीट्यूट ऑफ योग साइंसेज एंड रिसर्च के मानद संरक्षक के रूप में कार्यरत हैं। इस कार्यक्रम में बड़ी भागीदारी देखी गई और इसमें निदेशक (कार्यवाहक) प्रो. नीलेश कुमार जैन सहित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। एक घंटे का यह कार्यक्रम दैनिक आधार पर योग का अभ्यास करने की आदत डालने की प्रतिज्ञा के साथ समाप्त हुआ। बाद में पहले से योग का अभ्यास कर रहे प्रतिभागियों ने कल्याण और लाभों का अपना अनुभव साझा किया।



2. भा.प्रौ.सं. इंदौर द्वारा आयोजित संवहनीय निर्माण प्रौद्योगिकी पर अटल एफडीपी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर ने एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएल) अकादमी द्वारा आयोजित एफडीपी के एक भाग के तौर पर 26 से 30 जुलाई, 2021 तक संवहनीय निर्माण प्रौद्योगिकी पर 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में 22 राज्यों के व्यावसायिक और शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम के समन्वयक और भा.प्रौ.सं. इंदौर में संकाय प्रो. संदीप चौधरी ने कहा, निर्माण उद्योग को संवहनीयता हासिल करने के लिए लंबा रास्ता तय करना होगा और यह एफडीपी सही दिशा में कुछ कदम बढ़ाएगा। यह ऑनलाइन कार्यक्रम निर्माण उद्योग से जुड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों और नवीनतम संवहनीय निर्माण प्रौद्योगिकियों की सहायता से उनके समाधान पर केंद्रित था। इन 5 दिनों के दौरान, उद्योग और शैक्षणिक जगत के 14 विशेषज्ञों ने विभिन्न संवहनीय निर्माण प्रौद्योगिकियों पर तकनीकी ज्ञान प्रदान किया। भा.प्रौ.सं., रा.प्र.सं., बीआईटीएस., भा.सू.प्र.सं., एनआईसीएमएआर, जे.के.सीमेंट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में विशेषज्ञों के विविधतापूर्ण व्यावसायिक संघ और दक्षिण कोरिया और बेल्जियम के विदेशी विश्वविद्यालयों सहित अन्य द्वारा निर्माण उद्योग के विभिन्न पहलुओं से ज्ञान और अनुभव लाया गया। इस कार्यक्रम में महामारी में बढ़ते तनाव स्तर से निपटने में प्रतिभागियों की सहायता करने के लिए तनाव प्रबंधन पर भी सत्र शामिल था। समापन समारोह के दौरान प्रतिभागियों ने अपना अनुभव साझा किया और एफडीपी, इसके विशेषज्ञ वक्ताओं और साझा ज्ञान की अत्यधिक सराहना की।

3. भा.प्रौ.सं., इंदौर द्वारा आयोजित विज्ञान पर चर्चा

एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत, भा.प्रौ.सं., इंदौर की टीम ने 13 जनवरी 2021 से राज्य शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश के सहयोग से विज्ञान पर चर्चा कार्यक्रम आरंभ किया। यह कार्यक्रम कक्षा 6 से 8 के छात्र-छात्राओं के लिए उनका बुनियादी वैज्ञानिक विकसित करने और साथ ही शिक्षकों के लिए इंटरनेट आधारित साधनों का उपयोग कर अपना शिक्षण कौशल विकसित करने और ऑनलाइन शिक्षण के कारण निर्मित तनाव का स्तर कम करने के लिए तैयार किया गया है। यह कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत के संयोजक डॉ. नीरज कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में एवं उनकी टीम द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

निदेशक (कार्यवाहक) प्रो. नीलेश कुमार जैन ने कहा, इस कार्यक्रम की बढ़ती दर्शक संख्या छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के बीच विज्ञान में रुचि दर्शाती है। इस तरह के कार्यक्रम न केवल छिपी हुई प्रतिभाओं का पता लगाते हैं बल्कि शिक्षा प्रणाली में भी सुधार लाते हैं क्योंकि यह शिक्षकों के लिए भी अभिप्रेत है।



4. 75वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

भा.प्रौ.सं., इंदौर ने बड़े जोश और उत्साह से 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। इस अवसर पर निदेशक (कार्यवाहक) प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन द्वारा राष्ट्रीय तिरंगा फहराया गया। इस बार हम 75वां स्वतंत्रता दिवस आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं और इस भव्य समारोह में भाग लेने के लिए संस्थान द्वारा ढेर सारे कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। हालांकि हम स्वतंत्रता संग्राम के युग में नहीं हैं, लेकिन निश्चित रूप से राष्ट्र निर्माण में हमारी बड़ी भूमिका है। जलवायु परिवर्तन, स्वच्छता, ऊर्जा भंडारण, तकनीकी निरक्षरता दूर करने के क्षेत्र में बहुत सारे विघटनकारी नवाचारों की आवश्यकता है। भा.प्रौ.सं. समुदाय के रूप में इस तरह के नवाचारों का शुभारंभ करने में हमारी बड़ी भूमिका है।

अपने जीवन में प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट तक शारीरिक गतिविधि शामिल करने का संकल्प लेने यानी फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज के लिए संस्थान ने फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 का आयोजन किया। इसी तरह, यह समुदाय सक्रिय रूप से राष्ट्रगान गायन में भाग ले रहा है और भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट 2 पोर्टल पर अपना वीडियो अपलोड कर रहा है। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की जा रही है।

प्रो. जैन ने नवीनतम तकनीक के उपयोग से पादप जगत की जानकारी को सूचीबद्ध और साझा करने के लिए संस्थान के परिसर में पौधों के क्यूआर कोड की हरित पहल का भी उद्घाटन किया। इससे पहले संस्थान ने 12 अगस्त 2021 को शासक मंडल के अध्यक्ष प्रो. दीपक बी. फाटक से नई सुविधा, दृष्टि भवन, भा.सू.प्र.सं. दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन का उद्घाटन कराया था।



5. एनएसजी ने भा.प्रौ.सं. में किया मॉक ड्रिल

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के 26 विशेष मिश्रित समूह ने 21 अगस्त 2021 को भा.प्रौ.सं., इंदौर में अभ्यास किया। स्थानीय प्रशासन, स्थानीय पुलिस, एटीएस, आईबी, राज्य आपातकालीन सेवाओं, राज्य आपदा प्रबंधन बलों, अग्नि और चिकित्सा सेवाओं के साथ कुल 170 कमांडो ने इस अभ्यास में भाग लिया। एनएसजी द्वारा ड्रिल और प्रक्रियाओं का अभ्यास करने के अलावा, विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय पहलुओं को सुदृढ़ करने का अभ्यास किया गया। इसका उद्देश्य आतंकवादी रोधी ड्रिल का शासन और पूर्वाभ्यास करना था ताकि प्रथम अनुक्रियाकर्ताओं की क्षमता को बढ़ाने के लिए परिचालन तत्परता का अनुकूलतम स्तर बनाए रखा जा सके।

चिकित्सीय और बंधक स्थिति सहित वास्तविक परिदृश्यों का अनुकरण करते हुए विभिन्न आपात स्थितियों का निर्माण किया गया। कमांडो ने विभिन्न चालबाजियों का प्रदर्शन किया जिसमें रस्सी चढ़ना, सबल प्रवेश, डेटोनेटर का उपयोग, इस प्रकार किसी भी संभावित विनाशक या बंधक स्थिति का प्रयास विफल करना शामिल था। यह अभ्यास सुबह 9:30 बजे से आरंभ होकर 5 घंटे तक चला।



6. शिक्षक दिवस 2021 का समारोह

भा.प्रौ.सं., इंदौर ने 5 सितंबर 2021 को शिक्षक दिवस मनाया। बीओजी के अध्यक्ष प्रोफेसर दीपक बी. फाटक को इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, इसके बाद सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी विकास, सर्वश्रेष्ठ स्नातक शोधकर्ता, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक और सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए संस्थान के पुरस्कारों का वितरण किया गया।



7. सेना के छात्र अधिकारियों का भा.प्रौ.सं., इंदौर का भ्रमण

भा.प्रौ.सं., इंदौर ने भारतीय सेना के भविष्य के तकनीकी अधिकारियों की अगवानी की, जिनका 9 सितंबर 2021 को एमसीटीई, महु में प्रशिक्षण चल रहा था। यह भ्रमण सेंटर ऑफ फ्यूचरिस्टिक डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजी (सीएफडीएसटी) द्वारा आयोजित किया गया था।

छात्र अधिकारियों ने भा.प्रौ.सं., इंदौर की विभिन्न प्रयोगशालाओं और सुविधाओं का भ्रमण किया। इसमें सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एमईएमएस, रसायनिकी, खगोलिकी, भौतिकी और परिष्कृत इंस्ट्रुमेंटेशन सेंटर की प्रयोगशालाएं शामिल थीं। शैक्षणिक मामलों के डीन डॉ. देवेन्द्र देशमुख ने संस्थान के इतिहास और अनुसंधान गतिविधियों का संक्षिप्त परिचय भी दिया। छात्र अधिकारियों ने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और शोधार्थियों के साथ भी बातचीत की। इसके अलावा उन्होंने अनुसंधान-चालित शिक्षण, नवाचार और अनुप्रयोग-उन्मुख अनुसंधान के लिए भा.प्रौ.सं. इंदौर द्वारा अपनाई गई कार्यपद्धति पर भी चर्चा की। छात्र अधिकारी सीएनसी मशीन, एक्स-रे मशीन, रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी आदि में प्रयुक्त विभिन्न तकनीकों को भी जानने के लिए उत्सुक थे।

सीएफडीएसटी के प्रमुख डॉ. इंद्रसेन सिंह ने संस्थान की ओर से इस भ्रमण का आयोजन किया था। उन्होंने कहा, भा.प्रौ.सं., इंदौर रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों का संचालन करता है। दोनों संस्थानों की निकटता साझा हित और क्षेत्रों में सहयोग आगे बढ़ाने के लिए लाभप्रद होगी। हमारा वैज्ञानिक अनुसंधान, विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी जानकारी के आदान-प्रदान और एमसीटीई, महु और भा.प्रौ.सं., इंदौर के बीच सुविधाओं/संसाधनों को साझा करने के संदर्भ में निकट कार्य संबंध रखने के लिए एमसीटीई के साथ एक समझौता ज्ञापन किया गया है।



8. भा.प्रौ.सं. इंदौर ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती मनाई

भा.प्रौ.सं. इंदौर के लिए महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती गतिविधियों की अधिकता का दिन था। समारोह की शुरुआत प्रभारी कुलसचिव श्री एसपी होता की उपस्थिति में भा.प्रौ.सं. इंदौर के निदेशक (कार्यवाहक) प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन द्वारा नर्सरी के उद्घाटन के साथ हुई। 2000 वर्ग फुट की नर्सरी के ढांचे को अनुपयोगी सामग्रियों और संस्थानिक प्रयासों से बनाया गया है। इसमें जैविक, औषधीय और हर्बल पौधे सहित विभिन्न पौधे हैं।

इसके बाद महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन की विभिन्न महत्वपूर्ण घटनाओं और पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया और छात्र, संकाय, कर्मचारी, परिवार और बच्चों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन ने कहा, हमें महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री के कुछ गुणों को आत्मसात करने का प्रयास करना चाहिए। हमें क्षमा करने और भूलने के मंत्र का पालन करने की आवश्यकता है जैसा कि महात्मा गांधी द्वारा अनुसरण किया गया था। हम किसी भी देश पर हथियार या बलपूर्वक शासन करने में सक्षम हो सकते हैं लेकिन अगर हमें दिल जीतने हैं तो यह केवल सत्य और अहिंसा की भावना के माध्यम से किया जा सकता है। हमें महात्मा गांधी और वर्तमान सरकार के जनादेश, स्वच्छ से स्वास्थ्य पर काम करना चाहिए। साध्य को साधनों को उचित सिद्ध चाहिए इसलिए हमें अपने गंतव्य के लिए मार्ग चुनने में बहुत सावधान रहना चाहिए। श्री लाल बहादुर शास्त्री का भी देश पर विशेष प्रभाव रहा है। उन्होंने जय जवान जय किसान के जरिए हरित क्रांति के बीज बोए थे।



भारत सरकार के आत्मनिर्भर कार्यक्रम के अनुरूप स्थानीय विकास के लिए एक आउटरीच (पहुंच से परे) कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, ग्रामीण विकास केंद्र (सीआरडीटी), भा.प्रौ.सं. इंदौर ने तक्षशिला व्याख्यान कक्ष परिसर में विशेष आत्मनिर्भर स्टालों का आयोजन किया। इन स्टालों का उपयोग सिमरोल – चोरल क्षेत्र और खादी और ग्रामोद्योग के स्थानीय आदिवासी ग्रामीणों द्वारा जैविक और हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के लिए किया गया था, इसमें हुडा प्रिंटर और क्राफ्टर्स (कारीगर) द्वारा हाथ ब्लॉक प्रिंट हथकरघा और शास्त्रीय संगीत डिजाइन लिए हुए कपड़ा, राष्ट्रीय लेदर आर्ट्स द्वारा हस्तनिर्मित खिलौने, यशवी फाउंडेशन द्वारा सामाजिक और ग्रामीण विकास, हथकरघा संघ, कसरावद कला संघ और एमपी वस्त्र और बैटिक प्रिंट, सुपारी कला और कलाकृति, महात्मा गांधी के जीवन और शिक्षाओं पर पुस्तकों का एक विशेष प्रदर्शन भी संस्थान के लर्निंग रिसोर्स सेंटर में आयोजित किया गया था। सीआरडीटी के संयोजक डॉ. संदीप चौधरी ने ग्रामीण लोगों के लिए उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए स्थानीय कारीगरों और सहयोगात्मक अनुसंधान गतिविधियों को एक मंच प्रदान करने के सीआरडीटी के दृष्टिकोण से दर्शकों को अवगत कराया।

9. भा.प्रौ.सं. इंदौर हाइब्रिड मोड में 9 वीं दीक्षांत समारोह आयोजित करेगा

भा.प्रौ.सं. इंदौर ने 9 नवंबर 2021 को अपनी 9 वीं दीक्षांत समारोह का आयोजन किया, जिसमें भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. के. विजय राघवन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। माननीय प्रधानमंत्री के सलाहकार श्री अमित खरे सम्मानित अतिथि थे और बीओजी के अध्यक्ष प्रो. दीपक बी. फाटक ने समारोह की अध्यक्षता की। इस दीक्षांत समारोह में कुल 498 छात्रों ने अपनी डिग्री प्राप्त की, जो भा.प्रौ.सं.

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर से स्नातक होने वाले छात्रों की सबसे बड़ी संख्या थी। स्वर्ण पदक (भारत के राष्ट्रपति और बुटी फाउंडेशन) के 2 प्राप्तकर्ता, विभिन्न श्रेणियों में संस्थान रजत पदक के 8 प्राप्तकर्ता थे और सर्वश्रेष्ठ बीटेक परियोजना पुरस्कार का 1 प्राप्तकर्ता था। 11 पदक और पुरस्कार प्राप्तकर्ता में 4 महिला छात्र थीं। यह दीक्षांत समारोह हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया था जिसमें लगभग 270 स्नातक छात्रों ने व्यक्तिगत रूप से और अन्य ने ऑनलाइन भाग लिया था।



10. 26 नवंबर 2021 को संविधान दिवस समारोह

इस संस्थान ने 26 नवंबर 2021 को हमारे संविधान के अभिग्रहण के दिन का उत्सव मनाने के लिए भारत के संविधान दिवस को मनाया, संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पठन भा.प्रौ.सं. इंदौर में आयोजित किया गया। संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा विकसित दो पोर्टलों के बारे में जानकारी भी छात्रों, कर्मचारियों, परिवारों और उनके दोस्तों सहित भा.प्रौ.सं. समुदाय के बीच व्यापक प्रचार के लिए परिचालित की गई थी।



11. मध्य प्रदेश विज्ञान सम्मेलन और एक्सपो 2021

25 दिसंबर 2021 को, भारत सरकार के माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, डॉ सुभाष सरकार ने मध्य प्रदेश विज्ञान सम्मेलन और एक्सपो 2021 के समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भा.प्रौ.सं. इंदौर परिसर का दौरा किया।

मंत्री महोदय ने प्राचीन भारत के ज्ञान को शैक्षिक प्रणाली से जोड़ने के लिए संकायों को प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि एनईपी 2020 का उद्देश्य नई शिक्षा प्रौद्योगिकियों को अपनाने या संस्थानिक कौशल विकसित करने के माध्यम से नए सीखने के प्रतिमान को बढ़ाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षण – अधिगम प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया है। यह डिजिटल मूलभूत सुविधाओं के उचित समर्थन के साथ ऑनलाइन सीखने पर और वर्तमान डिजिटल अंतर को पाटने पर जोर देता है। उन्होंने एमपीवीएस -2021 के सफल संचालन के लिए भा.प्रौ.सं. इंदौर, एमपीसीएसटी और विज्ञान भारती को बधाई दी।

उन्होंने अकादमिक, अनुसंधान और विकास, अंतर्राष्ट्रीय मामलों, पेटेंट, ऊष्मायन, उद्यमिता, उद्योग संबंधों और सामान्य प्रशासन के बारे में भा.प्रौ.सं. इंदौर के सभी डीन, कुलसचिव और उच्च अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण चर्चा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने भा.प्रौ.सं. प्रणाली, प्रौद्योगिकी विकास और मेक इन इंडिया से संबंधित एनईपी योजनाओं पर भी चर्चा की। डॉ. सरकार ने एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के लिए भा.प्रौ.सं. इंदौर की अगुआई पर ज्ञानकृत किया और बताया कि भा.प्रौ.सं. इंदौर भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दृष्टिकोण में योगदान दे रहा है। डॉ मोहन यादव, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार ने मध्य प्रदेश में एनईपी को लागू करने के लिए भा.प्रौ.सं., विज्ञान भारती और एमपीसीएसटी द्वारा प्रदान किए गए समर्थन की प्रशंसा की, डॉ मोहन ने यह भी कहा कि आम आदमी के विचार भी नए आविष्कार करते हैं।

उन्होंने उच्च तकनीक भवनों, प्रयोगशालाओं, क्षिप्रा आवासीय परिसर, नर्सरी और केवी स्कूल, केंद्रीय कार्यशाला, एचवीएसी संयंत्र, हॉस्टल का दौरा किया। सेंट्रल डाइनिंग हॉल (मुख्य भोजनकक्ष), एमपी क्षेत्र का सबसे बड़ा स्तंभ रहित सभागार, स्वास्थ्य केंद्र, अभिनंदन भवन और लर्निंग रिसोर्स सेंटर। उन्होंने आरएफआईडी सिस्टम लर्निंग रिसोर्स सेंटर (लाइब्रेरी/पुस्तकालय) का उद्घाटन किया है।

इस कार्यक्रम का समापन एमपीवीएस -2021 के महासचिव डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा, भा.प्रौ.सं. इंदौर के संकाय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।



12. विश्व हिंदी दिवस-2022 (10 जनवरी, 2022)

विश्व हिंदी दिवस -2022, भा.प्रौ.सं. इंदौर में संस्थान राजभाषा समिति द्वारा आयोजित किया गया था। प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन, निदेशक (कार्यवाहक) इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने राजभाषा और विभिन्न भारतीय क्षेत्रीय भाषाओं में अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियों को चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। चीन और जापान में अपनी मूल भाषाओं में किए गए उत्कृष्ट अनुसंधान कार्यों का उदाहरण देते हुए उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए भाषा एक प्रतिबंधक कारक नहीं है।

राजभाषा समिति के संबंधित प्रोफेसर और संयोजक डॉ. राजेश कुमार ने स्वागत भाषण दिया और राजभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अनुसंधान विद्वानों द्वारा वैज्ञानिक विषयों पर रचे किए गए पोस्टर के साथ सीखने की प्रक्रिया को सरल और स्पष्ट बनाने में राजभाषा की शक्ति का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रभारी कुलसचिव श्री एस.पी. होता ने अपनी उपस्थिति से शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने द्विभाषी संकेतकों के उपयोग, नाम बोर्ड, सम्मान बोर्ड, लेटरहेड (पत्र-शीर्ष) और राजभाषा में पत्राचार में पर्याप्त वृद्धि, राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए नकद प्रोत्साहन और विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण बनाने के लिए राजभाषा के प्रचार और कार्यान्वयन की भविष्य की योजनाओं के बारे में संस्थान द्वारा की गई पहल पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम का समापन पुस्तकालय और संसाधन केंद्र में पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता के उद्घाटन के साथ हुआ। प्रतिभागियों और अतिथियों को प्रशंसा के चिन्ह के रूप में विभिन्न विषयों और हिंदी में अनुसंधान पटकथाओं के साथ मुद्रित कॉफी मग भी प्रदान किए गए। पूरे भा.प्रौ.सं. इंदौर समुदाय की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।



13. भा.प्रौ.सं. इंदौर में 73वां गणतंत्र दिवस समारोह

भा.प्रौ.सं. इंदौर ने 73वें गणतंत्र दिवस को बहुत उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन, निदेशक (कार्यवाहक) द्वारा राष्ट्रीय तिरंगा फहराया गया। वर्तमान महामारी की स्थिति में, मेहमानों की शारीरिक उपस्थिति सीमित थी और इस कार्यक्रम को समुदाय के लिए संस्थान की वेबसाइट पर सीधा (लाइव) प्रसारित किया गया था।

प्रोफेसर जैन ने समुदाय को संबोधित किया और महामारी की स्थिति के दौरान संस्थान के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, 'मैं 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी को बधाई देता हूं। हमने पिछले 25 महीनों में बहुत अच्छा काम किया है। जबकि हमने अनुसंधान और शैक्षणिक क्षेत्रों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, हमने आगे निकलने में और समावेशिता में काफी वृद्धि की है। हमने 17 अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं और हमें 11 पेटेंट दिए गए हैं। केवी भा.प्रौ.सं. इंदौर के अधिकांश छात्र पास के गांवों और क्षेत्रों से संबंधित हैं जो समावेशिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह सब पूरे भा.प्रौ.सं. इंदौर समुदाय की कड़ी मेहनत, धैर्य और दृढ़ता के कारण संभव हो पाया है। यह हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम अब अपने भविष्य के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें। संस्थान को पेटेंट, ऊष्मायन और स्टार्ट-अप, गुणवत्ता प्रकाशन विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।



14. प्रोफेसर सुहास एस जोशी ने भा.प्रौ.सं. इंदौर के निदेशक के रूप में पदभार संभाला

भा.प्रौ.सं. इंदौर बॉम्बे के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर सुहास एस जोशी ने 31 जनवरी 2022 को भा.प्रौ.सं. इंदौर के दूसरे नियमित निदेशक के रूप में पदभार संभाला है। उन्होंने प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन से पदभार ग्रहण किया, जो प्रोफेसर प्रदीप माथुर के 31 दिसंबर 2019 को निदेशक के रूप में अपना कार्यकाल त्यागने के बाद से कार्यवाहक निदेशक थे।

15. भा.प्रौ.सं. इंदौर का 13वां स्थापना दिवस समारोह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने 17 फरवरी 2022 को संस्थान का 13वां स्थापना दिवस मनाया। दिन में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। आरआरसीएटी के निदेशक श्री शंकर वी. नाखे मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर शासी मण्डल के अध्यक्ष प्रोफेसर दीपक बी फाटक विशिष्ट अतिथि थे और निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के उद्घाटन के साथ हुई, जो सबसे बड़ी दवा आपूर्ति श्रृंखला समूह (नेटवर्क) में से एक है। भा.प्रौ.सं. इंदौर आम लोगों के लाभ के लिए इस तरह का केंद्र खोलने वाला पहला भा.प्रौ.सं. इंदौर है। यह केंद्र रियायती मूल्य पर दवा और सर्जिकल (जर्ही या शस्त्र वैद्यक) प्रदान करेगा जो न केवल समुदाय को बल्कि स्थानीय लोगों को भी लाभान्वित करेगा। मैग्नम ओपस 22, वार्षिक पूर्व छात्र बैठक, पूर्व छात्र सेल के प्रमुख कार्यक्रम का आरंभ घोषित किया गया। अगले कुछ दिनों के दौरान पूर्व छात्रों और भा.प्रौ.सं. समुदाय से संबंधित विभिन्न वार्ताएं और चर्चाएं होंगी।



श्री नाखे ने आरआरसीएटी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा, आरआरसीएटी पहले ही दिन से भा.प्रौ.सं. इंदौर से जुड़ा हुआ है। भा.प्रौ.सं. इंदौर के प्रारंभिक वर्षों में, आरआरसीएटी समुदाय प्रयोगशालाओं, प्रयोगशाला मैनुअल और कुछ सेट – अप के विकास के लिए भा.प्रौ.सं. इंदौर से जुड़ा हुआ था। श्री नाखे ने भा.प्रौ.सं. इंदौर के सभी हितधारकों और समुदाय को छात्रों को आगे बढ़ने, बड़ा सोचने और महान ज्ञान के साथ दुनिया में उद्यम करने के लिए, हिम्मत और विश्वास देने के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को संस्थान पुरस्कार भी प्रदान किए गए।



16. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2022

एक आउटरीच कार्यक्रम के रूप में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के दौरान कार्यक्रम की एक श्रृंखला आयोजित की। रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में 27 और 28 फरवरी 2022 को आयोजित ऑनलाइन विज्ञान चित्रकला प्रतियोगिता और विज्ञान मॉडल और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता शामिल थी। इस प्रतियोगिता में इंदौर के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 200 छात्र – छात्राओं ने भाग लिया था। एसआईसी स्कूल (नंबर 2 और 3) के छात्रों की कई टीमों, आर्मी पब्लिक स्कूल, मिलेनियम स्कूल और केंद्रीय विद्यालय भा.प्रौ.सं. इंदौर ने विज्ञान मॉडल और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया, जहां टीमों ने सामाजिक समस्याओं का समाधान खोजने के लिए अपने अभिनव विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का मुख्य मूल-विषय इंटरैक्टिव (संवादात्मक) दृष्टिकोण के माध्यम से विज्ञान में करियर बनाने के लिए स्कूल के युवा छात्रों की रुचि विकसित करना था।



17. भा.प्रौ.सं. इंदौर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

भा.प्रौ.सं. इंदौर ने 2 दिवसीय कार्यक्रम यानी 7 और 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया, जिसमें सभी महिला समुदायों को सम्मानित किया गया और संस्थान की प्रगति के मार्ग में उनके अपार योगदान की सराहना की गई। इस उत्सव को 7 मार्च 2022 को जन औषधि दिवस के साथ भी संयुक्त किया गया था। यह कार्यक्रम महिला प्रकोष्ठ द्वारा छात्र मामलों के कार्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का मूल-विषय संवहनीयता के लिए लैंगिक समानता था, महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. किरण बाला ने अतिथियों का स्वागत किया और सफलता की यात्रा पर महिलाओं को प्रदान किए गए समर्थन की सराहना की। जन औषधि दिवस के मुख्य अतिथि पीएचसी सिमरोल की चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रगति गुप्ता थीं।

दिन में सीएसआईआर – सीएलआरआई से डॉ. निषाद फातिमा द्वारा एक महिला वैज्ञानिक की दृष्टि से विज्ञान की खोज, एमिटी विश्वविद्यालय से डॉ. कल्पना नागपाल लिंग समानता: आगे का एक नया प्रेरक रास्ता और भा.प्रौ.सं. इंदौर से डॉ. श्वेता कौशल महिला नेता: सतत परिवर्तन की कुंजी पर वार्ता भी शामिल थी। परिसर में काम करने वाले मजदूरों को प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र (मेसर्स मिशिका फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड) के सहयोग से सैनिटरी पैड भी वितरित किए गए।



सामग्री प्रबंधन अनुभाग (एमएमएस)

वित्तीय वर्ष 2021-2022 के लिए 31 मार्च 2022

तक सामग्री प्रबंधन अनुभाग की गतिविधियों का विवरण

क्र.सं.	विवरण	2021-22	मूल्य ()
1.	कुल मांगपत्र जारी किया गया	993	गैर-परियोजना- 603 परियोजना- 390
2.	कुल क्रय आदेश जारी	1491 पीओ - 715 कुल जीईएम ऑर्डर (उपयोगकर्ता द्वारा सीधे ऑर्डर सहित) - 776 (52% आदेश जीईएम के माध्यम से दिया गया)	कुल पीओ मूल्य 31,97,80,160/- पीओ 27,98,69,160/- जीईएम पर ई-खरीद 3,35,15,814/- जीईएम के माध्यम से सीधी खरीद 63,95,186/-
3.	साख पत्र	02	16,66,281/-
4.	सामग्री का आयात (उपकरण+उपभोज्य)	25	92,39,803.00
5.	कुल स्वदेशी आदेश	961	30,41,45,171.00
6.	एलडी शुल्क काटा गया	पीओ बिलों पर एलडी- 8,55,679.29 जीईएम बिलों पर एलडी - 24,724.23	8,80,404.00
7.	पुराना ईएमडी रिफंड प्रोसेस किया गया	53	1,23,68,100/-
8.	पीबीजी प्राप्त किया	27	1,62,90,182/-
9.	पीबीजी लौटा (समाप्त)	57	1,52,49,598/-
10.	मरम्मत के लिए स्पेयर पार्ट्स का निर्यात	02	जेड स्कैनर आरएमए 18-424 का स्पर हिस्सा एफ ईएसएम ब्राजील को नमूने का निर्यात।
11.	स्कैप बिक्री	03 नग (ऑटोमोबाइल + पैकिंग सामग्री)	2,52,551/-
12.	31/03/2022 तक स्टॉक एंट्री		

प्रत्यक्ष खरीद स्टॉक प्रविष्टि डेटा 2021-22

उपभोज्य / गैर उपभोज्य	कुल प्रवेश संख्या	कुल राशि
पीओ/डीपी/जेम	11929	25,73,67,409.7/-

खरीद ऑर्डर स्टॉक एंट्री डेटा 2021-2022

उपभोज्य / गैर उपभोज्य	कुल प्रवेश संख्या	कुल राशि
खरीद ऑर्डर स्टॉक एंट्री	4100	18,89,00,167.7/-

जीईएम ऑर्डर स्टॉक एंट्री डेटा 2021-22

उपभोज्य / गैर उपभोज्य	कुल प्रवेश संख्या	कुल राशि
कुल स्टॉक प्रविष्टि	1546	3,56,58,172.23/-

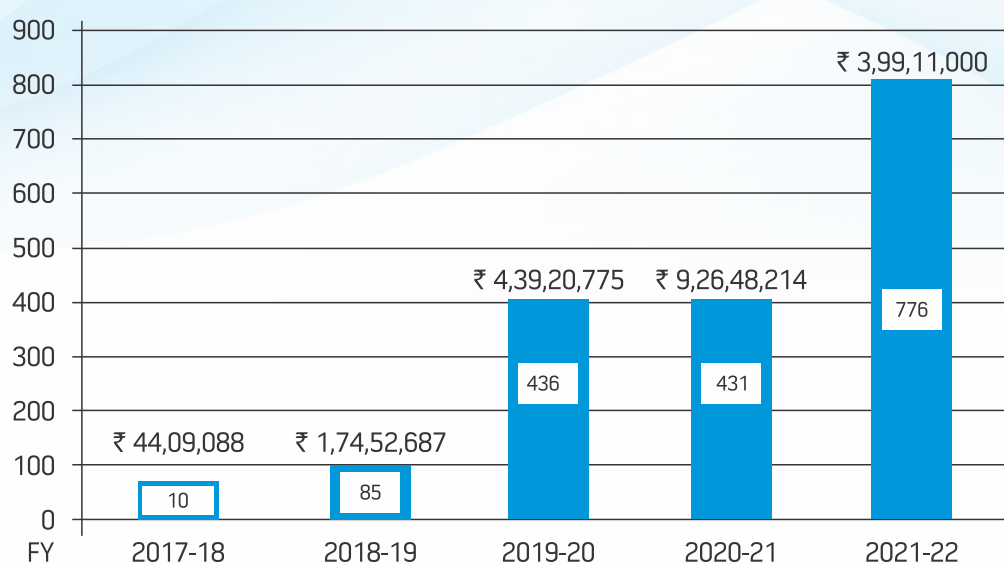
सीपीपीपी की वार्षिक सांख्यिकीय रिपोर्ट

वित्तीय वर्ष	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	4 वर्ष
संगठन	निविदाओं की संख्या	निविदाओं की संख्या	निविदाओं की संख्या	निविदाओं की संख्या	निविदाओं की संख्या	निविदाओं की संख्या
भा.प्रौ.सं., इंदौर	73	111	258	191	16	649
योग	73	111	258	191	16	649

जीईएम की वार्षिक सांख्यिकीय रिपोर्ट

वित्तीय वर्ष	आदेश की संख्या	जीईएम (₹) पर खरीद का मूल्य
वित्तीय वर्ष 2017-2018	10	44,09,088.00
वित्तीय वर्ष 2018-2019	85	1,74,52,687.00
वित्तीय वर्ष 2019-2020	436	4,39,20,775.00
वित्तीय वर्ष 2020-2021	431	9,26,48,214.00
वित्तीय वर्ष 2021-2022	776	3,99,11,000.00

जीईएम खरीद पर ग्राफिकल ग्रोथ



● No. of Orders

ई-प्रोक्योरमेंट पर व्यय की प्रमुख बचत:

खरीद का विवरण	अनुमानित लागत (₹)	जेम ऑर्डर वैल्यू (₹)	व्यय की बचत (₹)
एलआरसी के लिए डेस्कटॉप कंप्यूटर (150 नंबर)	₹ 1,05,00,000/-	₹ 77,01,750/-	₹ 27,98,250/-
नालंदा सभागार हॉल फर्नीचर	₹ 4,80,00,000/-	₹ 1,69,28,280/-	₹ 3,10,71,720/-
केंद्रीय भंडार के लिए बैकहो लोडर	₹ 30,60,000/-	₹ 27,86,490/-	₹ 2,73,510/-
व्यय की कुल बचत			₹ 3,41,43,480/-

एमएमएस गतिविधियों की उपलब्धि:

- क) भा.प्रौ.सं. इंदौर में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र की स्थापना।
- ख) ऑनलाइन इंडेंट मॉड्यूल और स्टॉक लेजर मॉड्यूल: परिसंपत्तियों को बनाए रखने के लिए ऑनलाइन इंडेंट मॉड्यूल और स्टॉक मॉड्यूल का अद्यतन।
- ग) जी ई एम बी ओक्यू बोली के माध्यम से केंद्रीय स्टोर के लिए बैकहो लोडर की खरीद: दैनिक दिनचर्या के काम और विभिन्न उपयोगकर्ता विभागों की आवश्यकताओं के लिए केंद्रीय स्टोर के लिए बैकहो लोडर खरीदा गया।
- घ) दैनिक नियमित खरीद फाइल के लिए कार्यरत कार्यालय में हिंदी भाषा का कार्यान्वयन।
- ङ) सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों / छात्रों के लिए फर्नीचर का मानकीकरण प्रक्रियाधीन है।
- च) परिसर में संबद्ध सेवाओं और कियोस्क सेवाओं का उद्घाटन।
- छ) जीईएम पर ऑनलाइन खरीद, सीपीपीपी ने भा.प्रौ.सं. को एमएमएस, वित्त, प्रशासन और आरएंडडी सदस्यों के डीएससी के साथ एक प्रमुख इकाई के रूप में सूचीबद्ध किया।

नीति मामले:

- क) जीईएम और भा.प्रौ.सं. इंदौर के बीच समझौता ज्ञापन: भा.प्रौ.सं. इंदौर के छात्रों और संकाय सदस्यों की भागीदारी के साथ एक मोबाइल ऐप के विकास सहित जीईएम के एक उन्नत संस्करण को विकसित करने के लिए जीईएम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- ख) आधिकारिक दस्तावेजों/अभिलेखों की स्कैनिंग और डिजिटाइजेशन: कार्यालय अभिलेखों की स्कैनिंग और डिजिटलीकरण की सुविधा के लिए सबसे कम उत्तरदायी तकनीकी रूप से योग्य प्रस्ताव के लिए विषय आदेश रखा गया है, 10 लाख पेज .58 प्रति पेज के लिए ₹0, 1, 3, 4, कानूनी, आदि जीएसटी सहित। आधिकारिक दस्तावेजों की स्कैनिंग और डिजिटलीकरण के लिए ऑपरेशन गतिविधि शुरू कर दी गई है।
- ग) डीएसआईआर और पैन रिकॉर्ड में अद्यतन: कठोर अनुवर्ती कार्रवाई के बाद, आयात और निर्यात शिपमेंट की मंजूरी के लिए सक्षम प्राधिकारी और सिमरोल पते का विवरण भा.प्रौ.सं. इंदौर के डीएसआईआर और पैन कार्ड में अपडेट किया गया है।
- घ) एम एम एंड स्टोर्स में संशोधन: जीएफआर क्लॉज और जीईएम ऑर्डर को शामिल करते हुए फॉर्म को संशोधित किया जाता है।
- ङ) जीएसटी प्रमाणपत्र: अनुसंधान उद्देश्यों के लिए प्रत्यक्ष खरीद के खिलाफ जीएसटी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए एक फॉर्म शुरू किया।
- च) सीपीपीपी पर बोली खोलने वाले: सीपीपीपी पर ऑनलाइन बोली खोलने के लिए सदस्य वित्त/व्यवस्थापक/अनुसंधान एवं विकास को शामिल किया गया है।

विविध- समयबद्ध कार्य:

1. दीक्षांत समारोह 2021 – संरचना की आपूर्ति, सेवाओं, दीक्षांत समारोह के लिए सुविधाएं, आमंत्रणों की छपाई और दीक्षांत रिपोर्ट आदि सहित इवेंट मैनेजमेंट सेवाओं में सक्रिय रूप से शामिल।
2. डेस्कटॉप कंप्यूटर की खरीद (मात्रा 100 संख्या) समय सीमा के भीतर यानी कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग विभाग के एक महीने के भीतर।
3. आस्तियों के पूंजीकरण के लिए पुराने अग्रिमों का निपटान।
4. संबंधित बोलीदाताओं को पुरानी लंबित ईएमडी की वापसी।
5. पुरानी/समाप्त निष्पादन बैंक गारंटी की वापसी।
6. नालंदा ऑडिटोरियम हॉल और सेमिनार हॉल की फर्निशिंग।
7. TEQUIP/FLUXUS की विभिन्न घटनाओं के लिए आवश्यकता को सुविधाजनक बनाने के लिए सक्रिय समर्थन।
8. स्थापना दिवस समारोह और पूर्व छात्र बैठक के लिए सक्रिय भागीदारी और समन्वय।
9. भर्ती गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी जैसे भर्ती विज्ञापन का समय पर प्रकाशन, आवेदन की जांच और निरीक्षण कर्तव्य आदि।
10. खातों को अंतिम रूप देना: वितरण और स्थापना की स्थिति, एलसी स्थिति, बिल जमा करने आदि के साथ आदेश विवरण प्रस्तुत करना।

परिसर में शुरू हुई विभिन्न कियोस्क / आउटलेट सेवाएं:

छात्रों, कर्मचारियों, संकाय सदस्यों / भा.प्रौ.सं. इंदौर समुदाय की सुविधा के लिए उपरोक्त विषय सेवाएं परिसर में शुरू की गई हैं।

1. एलआरसी भवन में फोटोकॉपी, प्रिंटिंग और बाइंडिंग शॉप – मेसर्स। रावेची जेरोक्स और स्टेशनरी।
2. चाय/कॉफी और नाश्ते की दुकान – मेसर्स राधे गोपाल कॉर्पोरेशन, मेसर्स एस कैटीन, और मेसर्स माई विलेज कॉफी शॉप।
3. जूस शॉप सर्विस – मेसर्स. साईनाथ जूस पॉइंट
4. नई सब्जी और फल काउंटर।
5. सैलून/नाई की दुकान (पुरुष और महिला दोनों)।

संस्थान के अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण सत्र:

- क) एमएसएमई, स्टार्ट-अप और मेक इन इंडिया योजनाओं और वस्तुओं, सेवाओं और कार्यों की खरीद में भूमिकाएं पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र: प्रशिक्षण सत्र एमएसएमई, स्टार्ट-अप और मेक इन इंडिया योजनाओं और खरीद में भूमिका पर 20 दिसंबर 2021 को एमएमएस द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें अतिथि वक्ता श्री गौरव गोयल सहायक निदेशक एमएसएमई थे। सत्र में 70 व्यक्तियों ने ऑफलाइन और 10 व्यक्तियों ने संस्थान के विभिन्न वर्गों / खंडों और अन्य संस्थानों और संगठनों जैसे आईआईएम इंदौर और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण, इंदौर द्वारा ऑनलाइन भाग लिया।
- ख) संस्थान के अधिकारियों के लिए जीईएम पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित: शिक्षा मंत्रालय ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से श्री सूरज शर्मा द्वारा माल और सेवाओं की खरीद पर जीईएम द्वारा एमओई के तहत स्वायत्त निकायों, संस्थानों आदि के अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण आयोजित किया। 19 जनवरी 2022। सत्र में विभिन्न संस्थानों जैसे IIT, NITTR, IIIT, KVS, NVS, CBSE, NCERT, आदि से लगभग 1000 लोगों ने ऑनलाइन भाग लिया।



समाचार में आईआईटी इंदौर

IIT Indore and DAVV ink pacts with AIGGPA over public policy, governance



IIT Indore and AIGGPA officials pose for a photo after inkling pact on IIT Indore campus on Tuesday.

OUR STAFF REPORTER
Indore

Two leading educational institutions of the city, Indian Institute of Technology Indore and the All India Governance and Policy Analysis (AIGGPA), have inked a pact to foster collaboration, and provide an opportunity for professional, scholarly and academic interaction in matters relating to public policy, governance, administration and related areas at IIT Indore, the MoU was signed in presence of IIT Indore officiating director Neelash Kumar Jain and AIGGPA vice-chairman Sachin Chaturvedi.

Both IIT Indore and AIGGPA will hold collaborative programmes in the form of lectures, seminars, workshops, round discussions, symposia, webinars, training programmes in public policy, governance, administration and related areas, said Jain.

The institutions would also extend cooperation to each other in the areas of teaching, research, publications and other activities.

The institutions would do preparation of background papers, compendiums, white papers, dossiers, policy documents and on topical issues related to public policy, governance, administration etc. to be submitted to the government, which could be of assistance to it, in policy formulation in those areas.

Both the institutions will also be sharing infrastructure, resources and services in the organisation of programmes and activities.

The institutions also agree to investigate ways of identifying and inviting persons from the other institution to participate in ongoing research or development of programmes of mutual interest.

At DAVV, the MoU was signed in presence of DAVV vice-chancellor Prof. Renu Jain and AIGGPA vice-chairman Chaturvedi.

On the occasion, Chaturvedi laid emphasis on quality over quantity in different realms of academia, which included not only knowledge imparted to the students but also the re-

आइआईटी इंदौर व आरआरकेट मिलकर करेंगे शोध कार्य

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)
एन.एम.एस. प्रान्त प्रौद्योगिकी संस्थान (आरआरकेट) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के बीच एक शोध सहयोग समझौता किया गया है। इस समझौते के तहत दोनों संस्थानों के शोधकर्ता एक-दूसरे के शोध प्रोजेक्टों पर सहयोग देंगे।

आरआरकेट के अध्यक्ष डॉ. एन.एम.एस. ने कहा कि यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच एक नए स्तर पर सहयोग का संकेत है।

आईआईटी इंदौर के निदेशक डॉ. एन.एम.एस. ने कहा कि यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच एक नए स्तर पर सहयोग का संकेत है।

इस समझौते के तहत दोनों संस्थानों के शोधकर्ता एक-दूसरे के शोध प्रोजेक्टों पर सहयोग देंगे।

IIT-I sets up DRAISHTI in Interdisciplinary Cyber Physical Systems

OUR STAFF REPORTER
Indore

The Indian Institute of Technology Indore, has set up a Technology Innovation Hub (TIH), named DRAISHTI, in Interdisciplinary Cyber Physical Systems (ICPS).

The hub plans to lead in skill enhancement, technology development and product commercialisation. The overarching objective of the proposed hub is to create an ecosystem that supports the development and commercialisation of technologies facilitating modelling, simulation and visualisation of CPS.

Towards this, IIT Indore, has appointed a new CEO, Col. Suresh Kumar Singh.

The details may be short-ly available on the website.

499 students step out with IIT degree

OUR STAFF REPORTER
Indore

A group of 499 students, who have completed their undergraduate studies at IIT Indore, have stepped out with their IIT degrees.

The students, who were part of the 2018 batch, have been awarded their degrees by the university.

The students, who were part of the 2018 batch, have been awarded their degrees by the university.

आइआईटी इंदौर में हो रही हरियाली की 'इंजीनियरिंग'

गजेंद्र विश्वकर्मा • इंदौर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर अब हरियाली की इंजीनियरिंग कर रहा है। 500 एकड़ परिसर को हरा-भरा करने के लिए ऐसी योजना बनाई गई है, जिसमें 70 प्रशिक्षण क्षेत्र हरियाली से आच्छादित रहेंगे।

30 प्रशिक्षण क्षेत्र में इमारत और अन्य संरचनाएं डूब जाएंगी।

आईआईटी इंदौर परिसर में हर समय लेजी से विकास जारी है। संस्थान का उद्देश्य है कि देश के अन्य आईआईटी के मुकाबले इंदौर परिसर सबसे खूबसूरत हो। इसके लिए वेग-वेगिका के

IIT-I develops low-cost coloured bricks for affordable rural houses

Times News Network

Indore: Indian Institute of Technology (IIT), Indore has developed a low-cost coloured bricks using stone waste aimed at promoting low-cost housing in rural areas.

The institute claimed that the use of these bricks will save around 35 per cent cost of construction as these bi-layered bricks will not need plaster and paint.

NO PAINT OR PLASTER NEEDED

These bricks can be manufactured at an industrial scale at a cost of less than Rs 5 per brick, said the institute adding that these bricks can be manufactured in machines used for normal fly ash brick with minor alterations. Institute's Centre for Rural Development and Technology has developed these special bricks jointly with the department of civil engineering, mechanical engineering and

Army student officers see facilities at IIT-Indore

OUR STAFF REPORTER
Indore

Future technical officers of the Indian Army who are undergoing training at the MCTE, Mhow, on Thursday, visited IIT-Indore and saw its facilities. The visit was organised by the Centre of Futuristic Defence and Space Technology (CFDST).

The student officers visited various labs and other facilities of IIT-Indore. These included the laboratories of Civil Engineering, Computer Science Engineering, Mechanical Engineering, MEMS, Chemistry, Astronomy, Physics and Sophisticated

आंत्रप्रैन्सोर को आइआईएम और आइआईटी दे रहे आत्मनिर्भरता का

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के बुद्धिमान और आंत्रप्रैन्सोर को आइआईएम और आइआईटी दे रहे आत्मनिर्भरता का संकेत है।

आईआईटी इंदौर के निदेशक डॉ. एन.एम.एस. ने कहा कि यह संकेत है कि आइआईएम और आइआईटी दोनों संस्थानों के बीच एक नए स्तर पर सहयोग का संकेत है।

आईआईटी इंदौर के निदेशक डॉ. एन.एम.एस. ने कहा कि यह संकेत है कि आइआईएम और आइआईटी दोनों संस्थानों के बीच एक नए स्तर पर सहयोग का संकेत है।

IIM-IIT Indore's first joint master's degree course launched

OUR STAFF REPORTER
Indore

The first batch of two-year Master of Science in Data Science and Management (MSDM), which is being jointly offered by IIM Indore and IIT Indore, was launched on Thursday.

A total of 40 participants have been selected for the first batch of the programme.

The MSDM is an online programme offering 15 credits over a period of 30 weeks and a total of 900 hours of learning.

The programme has been designed to meet the demand for data science and management skills in the industry.

The programme has been designed to meet the demand for data science and management skills in the industry.

शोध नीदरलैंड्स-जापान के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर किया काम

आइआईटी इंदौर ने खोजी काविड की नई दवा

आइआईटी इंदौर के शोधकर्ताओं ने नीदरलैंड्स के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर काविड की नई दवा खोजी है। शोधकर्ताओं ने काविड के जीनोम को विश्लेषित करके नई दवा खोजी है। शोधकर्ताओं ने काविड के जीनोम को विश्लेषित करके नई दवा खोजी है। शोधकर्ताओं ने काविड के जीनोम को विश्लेषित करके नई दवा खोजी है।

IIT-B faculty Subhas Joshi is new director of IIT Indore

आइआईटी इंदौर के नए निदेशक हैं। आइआईटी इंदौर के नए निदेशक हैं। आइआईटी इंदौर के नए निदेशक हैं। आइआईटी इंदौर के नए निदेशक हैं। आइआईटी इंदौर के नए निदेशक हैं। आइआईटी इंदौर के नए निदेशक हैं।

5 IIT-I students bag Young Scientist Congress Award

आइआईटी इंदौर के पांच छात्रों ने युवा वैज्ञानिकों का सम्मेलन जीता है। आइआईटी इंदौर के पांच छात्रों ने युवा वैज्ञानिकों का सम्मेलन जीता है। आइआईटी इंदौर के पांच छात्रों ने युवा वैज्ञानिकों का सम्मेलन जीता है। आइआईटी इंदौर के पांच छात्रों ने युवा वैज्ञानिकों का सम्मेलन जीता है।

उज्जैन में खुलेगा आइआईटी इंदौर का सेटलाइट कैम्पस : डॉ. यादव

आइआईटी इंदौर का सेटलाइट कैम्पस उज्जैन में खोलेगा। आइआईटी इंदौर का सेटलाइट कैम्पस उज्जैन में खोलेगा। आइआईटी इंदौर का सेटलाइट कैम्पस उज्जैन में खोलेगा। आइआईटी इंदौर का सेटलाइट कैम्पस उज्जैन में खोलेगा।

InCovid times, IIT-I gets 5 patents for research work

आइआईटी इंदौर को COVID-19 के दौरान 5 पेटेंट मिले हैं। आइआईटी इंदौर को COVID-19 के दौरान 5 पेटेंट मिले हैं। आइआईटी इंदौर को COVID-19 के दौरान 5 पेटेंट मिले हैं। आइआईटी इंदौर को COVID-19 के दौरान 5 पेटेंट मिले हैं।

IIT, CIMEI join hands for tech support to startups

आइआईटी इंदौर और CIMEI ने स्टार्टअप्स के लिए तकनीकी सहायता दी है। आइआईटी इंदौर और CIMEI ने स्टार्टअप्स के लिए तकनीकी सहायता दी है। आइआईटी इंदौर और CIMEI ने स्टार्टअप्स के लिए तकनीकी सहायता दी है।

आइआईटी इंदौर संस्थानों को आगे बढ़ाने में करें मदद

आइआईटी इंदौर अन्य संस्थानों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। आइआईटी इंदौर अन्य संस्थानों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। आइआईटी इंदौर अन्य संस्थानों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

'Ek Bharat Shrestha Bharat' unit visits 4 schools

IIT-I team distributes education & health kits

आइआईटी इंदौर की टीम ने चार स्कूलों में शिक्षण और स्वास्थ्य किटें वितरित की हैं। आइआईटी इंदौर की टीम ने चार स्कूलों में शिक्षण और स्वास्थ्य किटें वितरित की हैं। आइआईटी इंदौर की टीम ने चार स्कूलों में शिक्षण और स्वास्थ्य किटें वितरित की हैं।

आइआईटी इंदौर देश के पहले माइक्रोप्रोसेसर वेगा से विकसित कर रहा ड्रोन

आइआईटी इंदौर देश के पहले माइक्रोप्रोसेसर वेगा से विकसित कर रहा ड्रोन। आइआईटी इंदौर देश के पहले माइक्रोप्रोसेसर वेगा से विकसित कर रहा ड्रोन। आइआईटी इंदौर देश के पहले माइक्रोप्रोसेसर वेगा से विकसित कर रहा ड्रोन।

आइआईटी इंदौर जल्दी शुरू करेगा बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में एमटेक

आइआईटी इंदौर जल्दी शुरू करेगा बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में एमटेक। आइआईटी इंदौर जल्दी शुरू करेगा बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में एमटेक। आइआईटी इंदौर जल्दी शुरू करेगा बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में एमटेक।

IIT Indore faculty selected national respondent for Himalayan glaciers

आइआईटी इंदौर के शिक्षक को हिमालय की ग्लेशियरों के लिए राष्ट्रीय प्रतिनिधि चुना गया है। आइआईटी इंदौर के शिक्षक को हिमालय की ग्लेशियरों के लिए राष्ट्रीय प्रतिनिधि चुना गया है।

KV IIT gets sanction up to Class 9

आइआईटी इंदौर को KV IIT के लिए अनुमति दी गई है। आइआईटी इंदौर को KV IIT के लिए अनुमति दी गई है। आइआईटी इंदौर को KV IIT के लिए अनुमति दी गई है।

IIT-I, Vigyan Bharti to hold MPVS-2021

आइआईटी इंदौर और विज्ञान भारती MPVS-2021 का आयोजन करेंगे। आइआईटी इंदौर और विज्ञान भारती MPVS-2021 का आयोजन करेंगे। आइआईटी इंदौर और विज्ञान भारती MPVS-2021 का आयोजन करेंगे।

हाइड्रोजन फ्यूल के उपयोग पर कोर्स करा रहा आइआईटी इंदौर

आइआईटी इंदौर हाइड्रोजन फ्यूल के उपयोग पर कोर्स करा रहा है। आइआईटी इंदौर हाइड्रोजन फ्यूल के उपयोग पर कोर्स करा रहा है। आइआईटी इंदौर हाइड्रोजन फ्यूल के उपयोग पर कोर्स करा रहा है।

IIT-I developing surveillance system to detect forest fire

आइआईटी इंदौर वन आग को पहचानने के लिए निगरानी प्रणाली विकसित कर रहा है। आइआईटी इंदौर वन आग को पहचानने के लिए निगरानी प्रणाली विकसित कर रहा है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2023 में भा.प्रौ.सं. इंदौर 396वें स्थान पर

इंदौर के लिए एक और गर्व की बात है कि भा.प्रौ.सं. इंदौर को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2023 में 396वां स्थान मिला है। यह भारतीय विश्वविद्यालयों के बीच 9 वां है और दूसरी पीढ़ी के भा.प्रौ.सं. में उच्चतम स्थान पर है। विश्वविद्यालयों को उपलब्ध सबसे व्यापक और संतुलित तुलना प्रदान करने के लिए शैक्षणिक, अनुसंधान, उद्घरण, अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण और रोजगार परिणामों सहित 8 प्रमुख रैंकिंग संकेतकों में आंका गया है।

इस वर्ष की क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका के विभिन्न स्थानों के विश्वविद्यालयों सहित दुनिया भर के लगभग 1,500 संस्थान शामिल थे। प्रोफेसर सुहास जोशी, निदेशक, ने भा.प्रौ.सं. इंदौर समुदाय को बधाई दी और उनसे आग्रह किया कि वे अपने शोध और शैक्षणिक गतिविधियों को परिश्रम के साथ आगे बढ़ाएं, जो अनिवार्य रूप से संस्थान के विकास में योगदान देगा और भविष्य में और अधिक वैश्विक मान्यता के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा।

कैंपस के आधारिक संरचना का विकास

आधारिक संरचना विकास कार्यालय ने परिसर में विभिन्न भवनों, सेवाओं और आधारिक संरचना सुविधाओं का निर्माण और विकास किया।

वर्ष के दौरान पूर्ण किए गए भवन/सेवाएं :

1. एवी सुविधाओं के साथ नालंदा सभागार
2. क्षिप्रा आवासीय परिसर
3. इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (भीतरी खेल परिसर)
4. वाहन की छतदार पार्किंग
5. सेंट्रल एयर – कूलिंग सुविधाएं
6. बैठने के लिए स्थायी बेंचों का निर्माण
7. कंप्यूटर और सूचना केंद्र में उठे हुए फर्श को प्रदान करना और ठीक करना
8. क्षिप्रा आवासीय परिसर में आगे के कैनोपी शेड, कंपाउंड गेट का निर्माण
9. परिसर की सड़कों का सड़क अंकन और उन पर कर्ब स्टोन पेंटिंग
10. रोड नंबर 1 पर गेट नंबर 1 बी पर स्वचालित स्लाइडिंग गेट का निर्माण
11. टीआईएच गतिविधियों के लिए दृष्टि भवन (टेस्ट बड्स) की आंतरिक साज-सज्जा
12. भा.प्रौ.सं. इंदौर में स्कूल भवन में मरम्मत और रंगलेप का काम

पूर्ण परियोजनाओं / कार्यों का विवरण:

1. एवी सुविधाओं के साथ नालंदा सभागार

पूरा होने की तिथि: 15.04.2021

विन्यास – जी +2

संक्षिप्त विवरण: नालंदा सभागार में 2000 से अधिक की क्षमता है, और यह मध्य भारत में सबसे बड़े सभागार में से एक है।



नालंदा सभागार, विशेष मंच प्रकाश व्यवस्था के साथ नवीनतम एवी सुविधा से सुसज्जित है। ऑडिटोरियम की ऊंचाई 22 मीटर है। सभागार की एक अनूठी विशेषता यह है कि स्लैब पीटी बीम संरचना पर टिका है और 45 मीटर के विस्तार में कोई स्तम्भ नहीं है।

2. क्षिप्रा आवासीय परिसर

अनुमानित लागत – ₹ 29.56 करोड़

निर्मित क्षेत्र – 10000 वर्गमीटर

पूर्ण होने की तिथि – 31.05.2021

विन्यास – जी +6

संक्षिप्त विवरण: केआरसी एक आवासीय सुविधा है जिसमें भा.प्रौ.सं. इंदौर के कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के लिए 27 2बीएचके इकाइयां और 27 3बीएचके इकाइयां शामिल हैं। इसमें समुदाय के सदस्यों के लिए भूतल पर एक सामान्य हॉल भी है।



3. इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

अनुमानित लागत – ₹ 12.63 करोड़

निर्मित क्षेत्र – 4,257 वर्गमीटर

पूर्ण होने की तिथि – 03.05.2022

संक्षिप्त विवरण:

र) इंडोर बैडमिंटन कोर्ट (06 नंबर)

ल) इंडोर बास्केटबॉल कोर्ट – (02 नंबर)

ल) देखने की गैलरी क्षमता की संख्या 580 है (बास्केटबॉल और ; बैडमिंटन कोर्ट)

व) जिम

श) स्कैश कोर्ट (03 नंबर)

ष) ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल (50 मीटर 25 मीटर) (देखने की गैलरी क्षमता की संख्या –288)

स) आउटडोर वॉलीबॉल कोर्ट

ह) आउटडोर बास्केटबॉल कोर्ट



4. जेसी बोस के सामने वाहन कवर्ड पार्किंग

अनुमानित लागत – ₹ 29,92,400

निर्मित क्षेत्र –640 वर्गमीटर

पूर्ण करने की तिथि –19.02.2022

संक्षिप्त विवरण: भा.प्रौ.सं. इंदौर समुदाय के लिए पार्किंग सुविधाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए



5. केंद्रीय वातानुकूलन सुविधाएं

अनुमानित लागत - ₹ 29.42 करोड़

समापन की तिथि:

संक्षिप्त विवरण: प्रयोगशालाओं, कार्यालयों, लर्निंग रिसोर्स सेंटर और; व्याख्यान हॉल परिसर सेंट्रल एचवीएसी प्लांट से जोड़कर पूरी तरह से सेंट्रल एयर कूलिंग सुविधाओं से लैस हैं

6. भा.प्रौ.सं. इंदौर में बस स्टॉप (ई-वाहन) पर स्थायी बैठने की बेंच का निर्माण

अनुमानित लागत - ₹ 3,53,010

पूरा होने की तिथि - 15.06.2021

संक्षिप्त विवरण: छात्रों, संकायों और स्टाफ के सदस्यों के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए



7. भा.प्रौ.सं. इंदौर में कंप्यूटर और सूचना केंद्र (हब बिल्डिंग) में उठे हुए फर्श को उपलब्ध कराना और ठीक करना

अनुमानित लागत - ₹ 12,94,084

निर्मित क्षेत्र - 200 वर्गमीटर

पूर्ण करने की तिथि - 04.02.2022

संक्षिप्त विवरण: उठे हुए फर्श को यांत्रिक और विद्युत सेवाओं के मार्ग के लिए एक छिपी रिक्ति बनाने के लिए एक ठोस सब्सट्रेट (अक्सर एक ठोस स्लैब) के ऊपर एक ऊंचा संरचनात्मक मंजिल प्रदान करने के लिए बनाया जाता है।



8. भा.प्रौ.सं. इंदौर में क्षिप्रा आवासीय परिसर में फ्रंट कैनोपी शेड, कंपाउंड गेट का निर्माण

अनुमानित लागत – ₹ 6,72,501

निर्मित क्षेत्र – 70.43 वर्गमीटर

पूर्ण होने की तिथि – 05.03.2022

संक्षिप्त विवरण: बारिश और प्रत्यक्ष सूर्य के प्रकाश से प्रवेश द्वार की रक्षा करने के लिए और लिफ्ट क्षेत्र में बारिश के पानी की प्रविष्टि को प्रतिबंधित करने के लिए भी।



9. भा.प्रौ.सं. इंदौर में कैंपस की सड़कों की रोड मार्किंग और कर्व स्टोन पेंटिंग

अनुमानित लागत – ₹ 18,24,500

पूर्ण होने की तिथि – 08.11.2021

संक्षिप्त विवरण: आवश्यकता/डिजाइन के अनुसार विभिन्न रंग संयोजनों के साथ, दिन और रात की दृश्यता के लिए किए गए कर्व पत्थर पेंटिंग और परिसर के भीतर की सड़कों के यातायात को मार्गदर्शित और नियंत्रित करने के लिए।



10. भा.प्रौ.सं. इंदौर में रोड नंबर 15 पर गेट नंबर 1बी पर ऑटोमेटिक स्लाइडिंग गेट का निर्माण

अनुमानित लागत – ₹ 10,81,450

पूर्ण होने की तिथि – 27.08.2021

संक्षिप्त विवरण: स्वचालित प्रणाली प्रदान करके सुरक्षा कर्मियों द्वारा वाहनों के यातायात और आवागमन को नियंत्रित करना



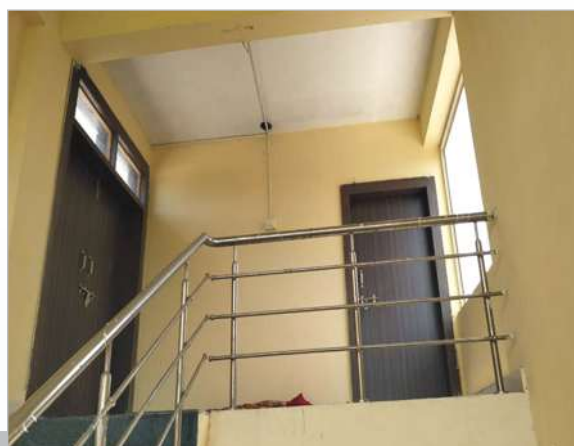
11. भा.प्रौ.सं. इंदौर में टीआईएच गतिविधियों के लिए भा.प्रौ.सं. दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन का कार्यालय दृष्टि भवन की आंतरिक साज सज्जा

अनुमानित लागत – ₹ 8,88,060

निर्मित क्षेत्र – 405.5 वर्गमीटर

पूरा होने की तिथि – 28.06.2021

संक्षिप्त विवरण: टीआईएच गतिविधियों के लिए दृष्टि भवन की स्थापना



12. भा.प्रौ.सं. इंदौर में स्कूल की इमारत की मरम्मत और रंग रोगन का कार्य

अनुमानित लागत - ₹ 5,77,565

निर्मित क्षेत्र - 8628 वर्ग मीटर

पूरा करने की तिथि - 23.07.2021

संक्षिप्त विवरण: वर्ष 2016 - 17 में इमारत पर कब्जा किया गया था। कई स्थानों पर रंग रोगन का नुकसान हुआ था। इमारत के जीवन को बढ़ाने के लिए रंग रोगन किया गया था।



छात्रावास

ए पी जे अब्दुल कलाम छात्रावास भा.प्रौ.सं. इंदौर स्थाई परिसर का पहला छात्रावास है और इसका उद्घाटन 2016 में किया गया था। इसके बाद, 2019 में होमी जहांगीर भाभा (एच जे बी) छात्रावास का उद्घाटन किया गया था और देवी अहिल्या, विक्रम साराभाई (वी एस बी) और सी वी रमन (सी वी आर) छात्रावास का 2020 में उद्घाटन किया गया था। प्रत्येक छात्रावास में 98 इकाइयां हैं जिसमें कुल 490 छात्र रहते हैं। प्रत्येक इकाई में पांच शयनकक्ष हैं और प्रत्येक कमरे में एक छात्र रहता है। यहाँ सर्वसुविधा युक्त मेहमानों के लिए स्थान है, एक सामान्य रसोई है, दो शौचालय और दो स्नानागार हैं। भा.प्रौ.सं. इंदौर यह सुनिश्चित करता है की अलग अलग राज्य, भाषाओं और अलग अलग विभागों के छात्रों को इकाई दी गई है ताकि अध्ययन और खोज सम्बन्धी अंतर् अनुशासनी संकल्प का प्रोत्साहन हो सके और उनमें राष्ट्रीय सम्बन्ध का निर्माण हो सके। सभी छात्रावासों में सौर ऊर्जा युक्त गर्म पानी की सुविधा है और ए पी जे छात्रावास में केंद्रीय वातानुकूलन की सुविधा है।

छात्रावास के विभाग के मुखिया डाक्टर ललित बोराणा हैं, मुख्य वार्डन जिसका सहयोग श्री दिगांत कार्वे द्वारा किया जाता है, जो कि मुख्य वार्डन के दफ्तर के वरिष्ठ सहयोगी हैं। प्रत्येक छात्रावास का प्रबंधन पर्यवेक्षक और परिचारक की मदद के साथ किया जाता है। छात्रावासों का विवरण नीचे दिया गया है: -

छात्रावास संख्या	छात्रावास का नाम	छात्रावास की किस्म (लड़कियां/लड़के)	वार्डन/वार्डन कार्य प्रभारित	सहयोगी वार्डन
01	एपीजे छात्रावास (अवुल पकिर जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम)	लड़के	डॉ. हरेकृष्ण यादव	-
02	सीवीआर छात्रावास (चंद्रशेखर वेंकट रमन)	लड़के	डॉ. सप्तर्षि घोष	-
03	एचजेबी (होमी जहांगीर भाभा)	लड़के	डॉ. जयप्रकाश मुरुगेसन	-
04	देवी अहिल्या छात्रावास	लड़कियां	डॉ. चरिता चेरुगोंडी	डॉ. अनन्या घोषाल
05	विक्रम साराभाई छात्रावास	लड़कियां	डॉ. राम संजीवन मौर्य	-

छात्रावास में मेहमानों के कमरे/इकाइयां: -

छात्रावास में 100 मेहमानों के लिए मेहमान गृह सुविधाएं हैं। मेहमान के कमरों में कई सुविधाएं प्रदान करते हैं जिसमें आधुनिक प्रकाश उत्सर्जक डायोड टेलीविजन, सोफे सेट, बीच में रखने वाला टेबल, शीतलक, सूक्ष्म तरंग चूल्हा, बिजली वाली केतली, गद्दे, कंबल, चादर, तकिया, नहाने के कपड़ों को टांगने वाली जगह आदि शामिल हैं।

छात्रावास के चित्र



छात्रावास संख्या 01 - ए.पी.जे. अब्दुल कलाम



छात्रावास संख्या 02 - सी वी रमन



छात्रावास संख्या 03 - होमी जे. भाभा



छात्रावास संख्या 04 - देवी अहिल्या



छात्रावास संख्या 05 - विक्रम साराभाई छात्रावास

छात्रावास में मूलभूत सुविधाएं



साधारण कमरा



सामान्य कक्ष



शौचालय



आर.ओ. पानी के साथ रसोई



पानी ठंडा करने की मशीन



वाई-फाई

छात्रावास में खेल सुविधाएं



बैडमिंटन कोर्ट



टेबल टेनिस



सॉकर टेबल

छात्रावास में अन्य सुविधाएं



अखबार रखने की जगह



पत्रिका रखने की जगह

केंद्रीय खाना खाने की सुविधा

संस्था में केंद्रीय खाना खाने की सुविधा है (कार्बन इमारत) जहाँ तकरीबन 5000 लोग एक समय पर खाना खा सकते हैं। विभिन्न छात्रावासों के छात्र खाना खाने के कक्ष में एक साथ भोजन करते हैं। छात्रों, संस्था के कर्मचारियों या अन्य मेहमानों के भोजन के लिए अलग अलग क्षेत्र बनाए गए हैं। खाना खाने के कक्ष में 02 बड़ी और 04 छोटी रसोइयां हैं, 02 सामान्य शौचालय और उद्वाहक की सुविधा भी है। एक कार्यकारी खाना खाने का कक्ष में केंद्रीय खाना खाने की सुविधा में मौजूद है ताकि संस्था में बुलाए गए / मुख्य मेहमानों की मेहमान नवाजी हो सके और उन्हें भोजन कराया जा सके।

छात्रों को पोषक तत्वों से भरपूर और स्वास्थ्य के लिए उत्कृष्ट खाना खिलाया जाता है जहाँ छात्रों का निकाय साप्ताहिक आधार पर खाने की किस्म का फैसला करता है और एक खाना खिलाने से सम्बंधित संगठन पूर्ण कार्यों की निगरानी करता है। अक्सर दी जाने वाली प्रतिक्रियाओं और तुरंत शिकायतों के निवारण द्वारा भोजन की गुणवत्ता को कायम रखा जाता है। मासिक खाने की योजना के आधार पर खाना बनाने वाले को भुगतान किये जाते हैं। स्मार्ट कार्ड सुविधा के द्वारा भुगतान किया जाता है और इसमें नकद का इस्तेमाल नहीं होता है। पूर्ण केंद्रीय खाना खाने की सुविधा कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करती है। अन्य नियमित खाना खाने सम्बन्धी सेवाओं के अलावा, कार्बन इमारत में कई स्थान हैं जहाँ समय समय पर अन्य स्वादिष्ट चीजें और अन्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

खाना खिलाने के कर्मचारियों, छात्रों के निकाय, छात्रों के उम्मीदवारों और डॉक्टर अभिजीत जोशी, खाना खिलाने के कार्य के वार्डन की निगरानी में कथित खाना खिलाने के संगठन द्वारा केंद्रीय खाना खिलाने के क्षेत्र में कार्य किये जाते हैं।



खाना खाने के कक्ष की इमारत



पूरे विश्व के महामारी के समय के दौरान खाना खाने के कक्ष में सफाई



सुरक्षित और साफ बैठने की व्यवस्था



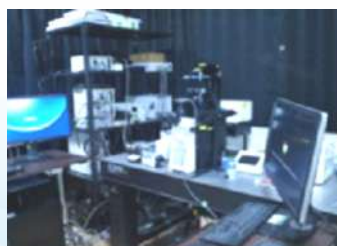
विश्वव्यापी महामारी के समय में सुरक्षा उपकरणों के साथ खाना पकाने की गतिविधियाँ

जैव विज्ञान और जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी का विभाग



जैव विज्ञान और जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग में कई अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं हैं। BSBE विभाग में श्रेणी II 2 जैव सुरक्षा अलमारियां, प्रतिदीप्ति खुर्दबीन, इलेक्ट्रोपोरेटर, CO₂ ऊष्मानियंत्रक आदि वाली कोश पालन सुविधा है। इसके अलावा, हमारे यहाँ आप्टिक जीवविज्ञान, जैव रसायन और सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रयोग करने के लिए रसायनिक प्रयोगशालाएं हैं जिनमें रीयल टाइम PCR, 96 वेल प्लेट रीडर, जेल डॉक, आदि शामिल हैं। साथ ही, BSBE ने एक उपकरणों का केंद्र स्थापित किया है जहाँ निम्न कथित आधुनिक यंत्र मौजूद हैं:

1. FCS सॉर्टर BO FCS एरियल फ्यूजन- 4 लेजर से लैस
2. FCS विश्लेषक BO LSRFortessa- 5 लेजर से लैस
3. संनाभि सूक्ष्मदर्शिकी ओलंपस, जिसमें FLIM (प्रतिदीप्ति आजीवन इमेजिंग खुर्दबीन क्रिया), FCS (प्रतिदीप्ति सहसंबंध स्पेक्ट्रोस्कोपी), और माई टाई फेम्टो-सेकंड लेजर के साथ मल्टी-फोटॉन उत्सर्जन इमेजिंग शामिल हैं
4. प्रोटीओमिक्स सुविधा AKTA अवंत, लोइलेक्ट्रिक फोकसिंग, 20 जेल वैद्युतकणसंचलन



संनाभि सूक्ष्मदर्शिकी



FCS सुविधा



आइसोइलेक्ट्रिक फोकसिंग



2D जेल वैद्युतकण संचलन



जेल डाक प्रणाली



खोज स्टूडिया



AKTA अवंत

शैक्षणिक कार्यक्रम:

BSBE विभाग में ग्यारह मुख्य पढ़ाने वाले सदस्य (प्रोफेसर – 04, संबंधित प्रोफेसर-06, सहायक प्रोफेसर(ग्रेड -1) – 01) हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रमों में शामिल हैं MSc (जैव प्रौद्योगिकी) और PhD& MSc (जैव प्राद्योगिकी) कार्यक्रम में, छात्र JM² GT-B द्वारा भर्ती होते हैं। विभाग जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी में बीटेक छात्रों के लिए एक मामूली डिग्री भी दी है। आने वाले वर्षों में, विभाग बीटेक और एमटेक प्रोग्राम शुरू करने का संकल्प है।

हमारे संकाय सदस्यों का जीवंत समूह चाहता है कि शोध में विद्वतापूर्ण गतिविधियों के साथ-साथ जीवन और जीवित जीवों के अध्ययन पर प्रशिक्षण के लिए सही वातावरण का निर्माण हो, जिसमें शामिल है साधारण बैक्टीरियोफेज से लेकर जटिल बहुकोशिकीय जीव जैसे मनुष्य के संरचना, कार्य, विकास, उत्पत्ति, विकास, वितरण और वर्गीकरण पर ध्यान केंद्रित करना। BSBE विभाग देश में व्यावहारिक समस्याओं पर अनुप्रयुक्त अनुसंधान में योगदान करना चाहता है जो बुनियादी जीव विज्ञान अनुसंधान के अलावा है।

अभियांत्रिकी सिद्धांतों, जीव विज्ञान, चिकित्सा और अन्य विज्ञानों की शैली अवधारणाओं के अनुप्रयोग के साथ, यह समूह अपेक्षा करता है कि मनुष्यों के लिए बेहतर दीर्घायु, स्वास्थ्य और कल्याण प्राप्त करने के लिए अनुवाद प्रौद्योगिकी नवाचारों पर अपनी ऊर्जा और विशेषज्ञता को समर्पित किया जाए; ताकि इमेजिंग तकनीकों, डायग्नोस्टिक किट और उचित उपचारों में खोजों के परिणामस्वरूप अनुसंधान और विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाया जा सके।

प्रोफेसर सदस्यों की संख्या:	11
प्रोफेसर	04
संबंधित प्रोफेसर	06
सहायक प्रोफेसर श्रेणी I	01
सहायक प्रोफेसर श्रेणी II	Nil
डॉक्टरेट सहकर्मियों की संख्या	07

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या	दी गई उपाधि
MSc	20	09
PhD	30	12

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां

1. प्रो. अमित कुमार: AK प्रयोगशाला (प्रोफेसर अमित कुमार) की शोध का मुख्य क्षेत्र विभिन्न बिमारियों के लिए दवाइयों के शोध और लक्ष्य पहचान पर केंद्रित है जैसे कैंसर, संक्रामक और दिमाग सम्बन्धी विकार। उनके शोध समूह ने कई रोगजनक जीवाणुओं और विषाणुओं में विभिन्न अणुओं और उनके आणविक लक्ष्य की पहचान की है। विभिन्न खबरों के साधनों द्वारा इस कार्य को सार्वजनिक किया गया था (रिपब्लिक न्यूज़, द साइंस वायर, द हिन्दू बिजनेस लाइन, डाउन टू अर्थ, बायोटेक्निका आदि)।

2. **प्रो. अविनाश सोनवाने:** प्रो. अविनाश सोनवाने के नेतृत्व में कोशीय प्रतिरक्षाविज्ञान और बिमारी जीव विज्ञान समूह, तपेदिक संक्रमण के दौरान मेजबान प्रतिरक्षा के मॉड्यूलेशन, तपेदिक विरोधी दवा विकास और निदान पर काम करता है। उनका समूह रक्त कैंसर के उपचार के लिए शतावरी आधारित चिकित्सा के विकास पर भी काम करता है।
3. **प्रो. गंती एस. मूर्ति:** स्थाई प्राद्यौगिकी प्रयोगशाला समूह जो कि प्रो. मूर्ति के नेतृत्व में है वह व्यापक रूप से संसाधन-विवश दुनिया के लिए स्थायी समाधान विकसित करने से सम्बंधित काम करती है। स्थाई समाधान तकनीकी रूप से व्यवहार, आर्थिक रूप से व्यवहार, संसाधन टिकाऊ, पर्यावरण के प्रति जागरूक और सामाजिक रूप से स्वीकार्य हैं। अनुसंधान समूह विशेष रूप से टिकाऊ जैव प्रसंस्करण और अभियांत्रिकी प्रणाली विश्लेषण पर केंद्रित है। वे बहु-स्तरीय और प्रणाली-स्तरीय विश्लेषण करने के लिए प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक दृष्टिकोणों के संयोजन का उपयोग करते हैं। वे पोषक तत्व-ऊर्जा-जल गठजोड़ का अध्ययन करते हैं, जिसमें कृषि-पारिस्थितिक प्रणालियों के नाड़ी और दबाव की गड़बड़ी के लचीलेपन के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाता है।
4. **प्रोफेसर प्रशांत कोडगीरे :** प्रशांत कोडगीरे की चल रही खोज व्यापक तौर पर आणविक प्रतिरक्षा क्रिया और आणविक जीव विज्ञान के क्षेत्र से सम्बंधित है, खास तौर पर इम्युनोग्लोबुलिन जीन विनियमन पर केन्द्रित हैं और इम्युनोग्लोबुलिन (IG) जीन के दैहिक हाइपरम्यूटेशन (SHM) के आणविक आधार को का वर्णन करते हैं। उनके समूह की मौजूदा कोशिशें इस बात पर केन्द्रित हैं कि कार्वाई के आणविक तंत्र की पहचान करनी है और IG जीन पर सक्रियण-प्रेरित साइटिडीन डेमिनमिनस (AID) के लक्ष्यीकरण से सम्बंधित है। यह अध्ययन यह निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं कि कैसे एंटीबॉडी जीन के विविध प्रदर्शनों की सूची को ट्यूमर कोशिका एंटीजन शिट किसी भी विदेशी एंटीजेनिक पदार्थ के विरुद्ध प्रतिक्रिया की सम्भावना के साथ बनाया जाता है। शक्तिशाली एंटी-कैंसर एंटीबॉडी बनाकर ट्यूमर से बचाव में सहायता के अलावा, SHM का कैंसर के प्रेरक के तौर पर नकारात्मक प्रभाव होता है जिससे बी सेल लिम्फोमा और ल्यूकेमिया का निर्माण होता है। दैहिक उत्परिवर्तन को समझने से बलिफोसाइट विकृतियों के सेलुलर, आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारणों का पता करने में मदद होगी और यह भी समझ में आएगा कि संक्रामक कारकों और ट्यूमर एंटीजन के विरुद्ध उच्च-आत्मीयता एंटीबॉडी के उत्पादन को प्रभावित कैसे करता है।
5. **डॉ. मिर्जा एस. बेग:** मैक्रोफेज जीव विज्ञान समूह जिसका नेतृत्व डाक्टर. मिर्जा एस. बेग द्वारा किया गया है उसका उद्देश्य है इम्यूनोलॉजिकल रोगों के विकास में सक्रिय रूप से शामिल घटनाओं को जानना ताकि मैक्रोफेज जीव विज्ञान की समझ प्राप्त हो सके। समूह सक्रिय रूप से मैक्रोफेज में चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान करने और पुरानी सूजन संबंधी बीमारियों और कैंसर के लिए दवा खोज रणनीतियों सम्बन्धी काम करने में शामिल है।
6. **डॉ. किरण बाला:** अल्गल इकोटेक्नोलॉजी और कायम रहने योग्य समूह, जिसका नेतृत्व डाक्टर किरण बाला द्वारा किया जाता है, वह सूक्ष्म जीव उप उत्पादों की जांच सम्बन्धी काम करते हैं जो कि जैवोपचारण, जैव ईंधन और जैव प्लास्टिक्स आदि सहित विभिन्न पर्यावरणीय अनुप्रयोगों को लक्षित करता है।
7. **डॉ. शरद गुप्ता:** जैवभौतिकी और जैव अभियांत्रिकी शोध समूह जिसका नेतृत्व डॉ. शरद गुप्ता द्वारा किया जाता है, रोग निदान और जैविक नमूना लक्षण वर्णन के लिए गैर-आक्रामक उपकरण विकसित करने से सम्बंधित काम करता है। खास तौर पर, उनका शोध समूह जैव-द्रव विश्लेषण, NIR इमेजिंग, जैव फोटोनिक्स, और रेशम और अन्य जैव सामग्री आधारित पुनर्योजी चिकित्सा के लिए जैव-नैनो प्रौद्योगिकी आधारित दृष्टिकोण पर काम कर रहा है।
8. **डॉ हेम चंद्र झा:** संक्रमण जैव अभियांत्रिकी समूह जिसका नेतृत्व डॉ हेम चंद्र झा द्वारा किया जा रहा है, वह विभिन्न रोगजनकों के संक्रमण और संयोग से संबंधित काम कर रहे हैं जैसे हेलिकोबैक्टर पाइलोरी, मौखिक बैक्टीरिया, एपस्टीन बार विषाणु और प्लास्मोडियम। डॉ. हेम चंद्र झा: संक्रमण जैव अभियांत्रिकी समूह जिसका नेतृत्व डॉ. हेम चंद्र झा द्वारा किया जा रहा है, वह विभिन्न रोगजनकों के संक्रमण और संयोग से संबंधित काम कर रहे हैं जैसे हेलिकोबैक्टर पाइलोरी, मौखिक बैक्टीरिया, एपस्टीन बार विषाणु और प्लास्मोडियम। इन रोगजनकों की संभावित भूमिका का अध्ययन विभिन्न कैंसर (यानी, गैस्ट्रिक और मुंह के कैंसर) और दिमाग के अपकर्षक रोगों (जैसे, मल्टीपल स्केलेरोसिस और अल्जाइमर रोग) में किया जाता है। इसके अलावा, समूह इन रोगों के उपचार के लिए SRS-CoV-2 मध्यस्थ मेजबान संपर्क और पारंपरिक चिकित्सा घटकों के उपयोग के क्षेत्र में भी काम करता है।
9. **डॉ. परिमल कर:** डॉ. परिमल कर द्वारा संगणना जैव भौतिकी समूह की अगवाई की जाती है जो कि, बहु पैमाना अनुकरण का उपयोग करके प्रोटीन, ग्लाइकेन्स और प्रोटीन-ग्लाइकेन कॉम्प्लेक्स की संरचनागत गतिशीलता की जांच सम्बन्धी कार्य करता है। यह समूह कम्प्यूटर द्वारा सहायक दवाइयों की खोज पर भी काम करता है। हम स्व प्रतिरक्षा सम्बन्धी विकारों और उच्च रक्तचाप में फंसे किनेसेस के फॉस्फोराइलेशन-प्रेरित गठनात्मक गतिशीलता का अध्ययन करते हैं। हम तंत्रिका संबंधी विकारों में फंसे किनेसेस के गठनात्मक प्लास्टिसिटी पर भी काम करते हैं जैसे डाउन सिंड्रोम और अल्जाइमर रोग।
10. **डॉ. अभिजीत जोशी:** डॉ. अभिजीत जोशी द्वारा थेरासंस प्रयोगशाला में काम किया जाता है और वह जैव अतिसूक्ष्म प्रौद्योगिकी, अतिसूक्ष्म दवाई, जैव पदार्थों और प्रतिदीप्ति आधारित जैव सेंसरों के क्षेत्र में काम करते हैं और बिंदु देखभाल उपकरणों के सम्बन्ध में अनुवादित करते हैं।

11. डॉ. सुनील कुमार बोड़ा: जैव पदार्थों और ऊतक अभियांत्रिकी समूह का नेतृत्व डॉ. सुनील कुमार बोड़ा द्वारा किया जाता है और वह ऊतक अभियांत्रिकी के लिए जैव चिकित्सा अंतर्रोप और मानव द्वारा बने जोड़ / मचान के डिजाइन पर काम करता है। इसके अलावा, समूह जैव गोंद / चिकित्सा सम्बन्धी सीलेंट, बायोमिमेटिक पेप्टाइड्स, बायोफैब्रिकेशन और ऑर्गेन-ऑन-ए-डिश प्रौद्योगिकियों के विकास के अनुसंधान विषयों पर काम करता है।

विभाग में प्रसिद्ध कार्य:

- 21 मार्च 2022 से 26 मार्च 2022 तक उभरती तकनीक और जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी शोध में अनुप्रयोग पर QIP कार्यक्रम तय हुआ है। जिसमें BSBE के निम्न कथित संकाय सदस्यों ने एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिए हैं:
 1. प्रो. प्रशांत कोडगिरे
 2. डॉ. अभिजीत जोशी
 3. डॉ. परिमल कर
 4. डॉ. शरद गुप्ता
 5. प्रो. गंती एस मूर्ति
 6. प्रो. अमित कुमार
 7. डॉ. सुनील कुमार बोड़ा
- दिसंबर 2021 में डॉ. हेम चंद्र झा और डॉ. परिमल कर द्वारा पारंपरिक और आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल सम्मेलन पर MPVS का आयोजन किया।
- जुलाई 2022 में डॉ. हेम चंद्र झा द्वारा अलगाव और विभिन्न संक्रमित नमूनों से DN / RN / प्रोटीन का लक्षण वर्णन शीर्षक से छह दिनों के व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

परियोजनाएं:

परियोजना	प्रायोजित	सलाह सम्बन्धी
नई परियोजनाएं	3	शून्य
चल रही परियोजनाएं	20	शून्य
पूर्ण हुई	5	शून्य

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित हुई किताबें	किताबों में पाठ	सम्मेलन में कागजात	पत्रिकाओं में कागजात
कुल	7	14	3	107

खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष अभियांत्रिकी का अनुशासनी विभाग

खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष अभियांत्रिकी का अनुशासनी विभाग (DAASE) महत्वपूर्ण रूप से विचार सम्बन्धी बेहतर हुआ है और 2015 से इसमें काफी बढ़ोतरी हुई है और अंतिम शैक्षणिक साल में भी ऐसा देखा गया है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारी ताकतें नौ नियमित अध्यापक सदस्यों तक बढ़ी है, जिसमें एक रामानुजन अध्यापक सहकर्मी, एक INE विशिष्ट प्रोफेसर, अडलीस पी एच डी खोज माहिर और 41 PG छात्र भी शामिल हैं।

DAASE अंतरिक्ष खोज और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में IIT प्रणाली में एक विशिष्ट विभाग है जो विज्ञान और अभियांत्रिकी के खास मिश्रण के साथ खोज कार्य करता है। हम भा.प्रौ.सं. इंदौर में और बाहर अन्य विभागों के साथ ताल मेल स्थापित करते हैं ताकि आधुनिक परियोजनाओं पर काम कर सकें। PG और PHD स्तर पर स्नातक उपाधि हासिल कर रहे छात्र विदेशों में उचित भविष्य में कदम रखते हैं और साथ ही भारत में प्रसिद्ध संस्थाओं में भी नियुक्त होते हैं।

DAASE की हद से परे प्रमुख भागीदारी है। हमने विशिष्ट तौर पर नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष में एक अवधारणा टिकरिंग लैब विकसित की है। हमारे हद से परे कार्यक्रमों में इंदौर और पूरे मध्य भारत के स्कूल और कॉलेज के छात्रों ने ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरीकों से अच्छी तरह से भाग लिया।

शैक्षणिक कार्यक्रम

- 1) PhD कार्यक्रम (2016 से)
- 2) खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष इंजीनियरिंग में बीटेक माइनर कार्यक्रम (2017 से)
- 3) अंतरिक्ष अभियांत्रिकी में एमटेक कार्यक्रम (2021 से)
- 4) अंतरिक्ष विज्ञान और इंजीनियरिंग में MS (अनुसंधान द्वारा) कार्यक्रम (2021 से)

संकाय सदस्यों की संख्या:	
प्रोफेसर	1
संबंधित प्रोफेसर	1
सहायक प्रोफेसरग्रेड II	1
सहायक प्रोफेसरग्रेड I	6
आने वाले प्रोफेसर/INE सहकर्मी/रामानुजन सहकर्मी	2
डॉक्टरेट सहकर्मियों की संख्या	1

कार्यक्रम	भर्ती हुए छात्र	दी गई उपाधि
BTech	-	
MTech	9	-
MSc	40	16
MS (अनुसंधान द्वारा)	8	-
PhD	44	6

शोध एवं विकास गतिविधियां

कई परियोजनाओं पर DAASE संकाय सदस्य निम्न कथित क्षेत्रों में काम करते हैं:

- 1) खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी – भारत की तीन मेगा विज्ञान परियोजनाओं से जुड़ा – स्क्रायर किलोमीटर एरे (SK), तीस मीटर टेलीस्कोप (TMT) और LIGO इंडिया (गुरुत्वाकर्षण तरंग वेधशाला) – वित्त पोषण DST, DAE, CSIR, MoE (शिक्षा मंत्रालय) द्वारा किया जाता है।
- 2) अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी – इसरो के साथ कुछ मेगा विज्ञान परियोजनाओं और अंतरिक्ष मिशनो से जुड़ी – वित्त पोषण इसरो, एमओई, DST द्वारा किया जाता है
- 3) पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान – सुदूर संवेदन अनुप्रयोगों और जलवायु/मौसम अध्ययन से जुड़ा – वित्त पोषण DST, इसरो, MoES, आदि द्वारा किया जाता है।

विभाग में मुख्य गतिविधियां

- 1) DAASE को स्तर 2 पर DST-FIST अनुदान से सम्मानित किया गया है (₹ 3.2 करोड़)
- 2) प्रो. हरि हबलानी को प्रतिष्ठित INAE प्रतिष्ठित प्रोफेसर पुरस्कार मिला
- 3) दो संकाय सदस्यों को अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और यात्रा के लिए DST-SIRE पुरस्कार मिला

परियोजनाएं:

परियोजना	प्रायोजित	सलाह सम्बन्धी
नई परियोजनाएं	7	
चालू परियोजनाएं	17	
पूर्ण	8	1

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित हुई किताबें	किताबों में पाठ	सम्मेलन में कागजात	पत्रिकाओं में कागजात
कुल	1	4	15	72



रसायन विज्ञान विभाग

भा.प्रौ.सं. इंदौर में रसायन विज्ञान के विभाग की स्थापना अगस्त 2009 में हुई थी और यह आकार, खोज विभिन्नता, बाहरी वित्त पोषण और प्रकाशनों की संख्या के आधार पर तेज़ी से बढ़ रहा है। इस समय, हमारे पास 19 अध्यापक सदस्य हैं जो कि परम्परागत क्षेत्रों से खोज रुचियों से लेकर (जैविक, अजैव, भौतिक, और वर्णन सम्बन्धी/संगणना सम्बन्धी) उच्च अनुशासनी खोज क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जैसे सूक्ष्म प्राद्यौगिकी, प्रेरक क्रिया, ऊर्जा, मशीन शिक्षा, जैव रसायन, विश्लेषक और पदार्थों के क्षेत्र। विभाग के संकाय बहुत अच्छी तरह से योग्य हैं और शिक्षण और अनुसंधान के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ प्रेरित हैं। हमारा विभाग रसायन विज्ञान और अंतःविषय अनुसंधान के लगभग सभी क्षेत्रों में अनुसंधान की सुविधा के लिए अत्याधुनिक परिष्कृत उपकरण सुविधाओं से सुसज्जित है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

रसायन विज्ञान के विभाग का उद्देश्य है छात्रों को विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान करना ताकि आधुनिक शिक्षा और खोज हो सके। भा.प्रौ.सं. में रसायन विज्ञान विभाग रसायन विज्ञान में दो वर्ष का मास्टर प्रोग्राम प्रदान करता है जिसमें एक पूरा साल, खास तौर पर प्रोग्राम का दूसरा साल, छात्र की मर्जी के क्षेत्र में प्रयोगशाला खोज के लिए समर्पित है। 2013 से, यह विशिष्ट कार्यक्रम प्रयोगशाला में असल खोज समस्याओं को हल करने के लिए पूरा साल देता है और उच्च अध्ययन में डॉक्टोरल प्रोग्राम करने के लिए छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है। यह सुनिश्चित करता है कि केवल योग्य और प्रेरित छात्र डॉक्टोरल कार्यक्रम में हिस्सा लें और समाज की भलाई में योगदान करें। इसके अतिरिक्त, छात्र डॉक्टरेट कार्यक्रम के लिए अपनी यात्रा तय करते हैं या भा.प्रौ.सं. इंदौर में मास्टर कार्यक्रम पूरा करने के बाद एक आकर्षक नौकरी की तलाश करते हैं। वर्तमान में हमारे पास विभाग में लगभग 60 MSC और 100 PHD छात्र नामांकित हैं। विभाग के पूर्व छात्रों का आधार धीरे-धीरे बढ़ रहा है, जिसमें उनमें से कई ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा और उद्योग दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उनकी उपलब्धियां उत्कृष्ट रही हैं और स्नातक और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान किए जाने वाले गुणवत्ता प्रशिक्षण को दर्शाती हैं। हम सभी संभावित छात्रों और अन्य आगंतुकों को हमारे विभाग के बारे में अधिक जानने के लिए हमारी वेबसाइट का पता लगाने का सुझाव देते हैं।

संकाय सदस्यों की संख्या:	19
प्रोफेसर	06
संबंधित प्रोफेसर	08
सहायक प्रोफेसर श्रेणी II	-
सहायक प्रोफेसर श्रेणी I	05
डॉक्टरेट सहकर्मियों की संख्या	03

कार्यक्रम	भर्ती हुए छात्र	दी गई उपाधि
BTech	-	-
MTech	-	-
MSc	30	24
PhD	-	12

शोध और विकास गतिविधियां

संकाय और छात्र रासायनिक विज्ञान के कई प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियां करते हैं, जिसमें शामिल हैं नैनो प्रौद्योगिकी, कार्बनिक प्रकाश संचयन सामग्री, कृषि धात्विक औषधीय क्रिया, असममित संश्लेषण, विषमचक्रीय रसायन विज्ञान, जैव सेंसर धातु समूह, आणविक प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोस्कोपी, कार्बनिक अकार्बनिक संकर बहुलक, रोग लक्ष्य, दवा की खोज, उत्प्रेरण, स्वच्छ ऊर्जा, हरित और टिकाऊ रसायन विज्ञान के लिए पदार्थों और आणविक रुकावटों की संगणना पहलु और प्राकृतिक उत्पादों, जैव पदार्थों, ऊर्जा भंडारण और रूपांतरण, एपिटैक्सियल मेटल ऑक्साइड बहु संरचना और सभी ठोस-राज्य आयनिक उपकरणों के लिए के कुल संश्लेषण। वैज्ञानिक समुदाय द्वारा इन सभी क्षेत्रों में

अनुसंधान को अंतरराष्ट्रीय सहकर्म-समीक्षित शोध प्रकाशनों, पेटेंट, पुस्तक अध्यायों और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान के रूप में मान्यता दी गई है। हमारा शोध निजी और साथ ही सरकारी एजेंसियों, विशेष रूप से DST-SERB, CSIR, DBT, SPARC, DAE और DAAD से उदार वित्त पोषण द्वारा समर्थित है। हाल ही में, विभाग ने DST FIST 500 MHz NMR और FTIR सुविधाओं का अधिग्रहण किया है।

विभाग में मुख्य गतिविधियां

उल्लेखनीय आउटरीच गतिविधि:

- रसायन विज्ञान बाहरी समूह (डॉ दीपक के राय और सदस्य) – राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, रसायन विज्ञान विभाग 2022 का आयोजन।



- रसायन विज्ञान बाहरी समूह (डॉ. दीपक के राय और सदस्य) – रसायन विज्ञान विभाग में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे रसायन विज्ञान व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया।
- रसायन विज्ञान दिवस और आंतरिक रसायन विज्ञान संगोष्ठी (CHEM 2022)।

मुख्य प्राप्ति

- प्रो. बिस्वरूप पाठक – CRSI कांस्य पदक पुरस्कार 2023।
- प्रो. रजनीश मिश्रा – CRSI कांस्य पदक 2022।
- प्रो. बिस्वरूप पाठक – रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री जर्नल्स, 2021 के फिजिकल पोर्टफोलियो में उच्च उद्धृत लेखकों में से शीर्ष 5%।
- प्रो. संजय के सिंह – अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य, विली-VCH द्वारा केमकेटकेम (2020-22)।
- डॉ. शेख एम मोबिन – महाराष्ट्र विज्ञान अकादमी के फेलो
- प्रो. बिस्वरूप पाठक को रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, यूके, जनवरी 2022 (RSC द्वारा आमंत्रित) द्वारा FRSC के रूप में भर्ती कराया गया है।
- डॉ. शेख एम मोबिन – रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (FRSC) के सहकर्मी (अंडर लीडर्स इन फील्ड कैटेगरी), दिसंबर 2021
- CS पत्रिकाओं को सबसे प्रभावशाली 2021 बनाने वाले भारतीय शोधकर्ताओं में प्रो. विश्वरूप पाठक।
- प्रो. विश्वरूप पाठक – 2021 DUO-भारत प्रोफेसर सदस्यता पुरस्कार।
- डॉ. शेख एम मोबिन – रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री से डाल्टन ट्रान्जेक्शन के 50वें संस्करणों के अवसर पर उन्हें डाल्टन ट्रान्स के लिए गोल्डन ऑथर के बीच नामित किया गया है।
- डॉ. शेख एम मोबिन – मटेरियल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (MRSI) मेडल 2021 के प्राप्तकर्ता।
- डॉ. शेख एम मोबिन – भारतीय रसायन विज्ञान (FICS) के सहकर्मी (आमंत्रित), दिसंबर 2021।
- प्रो. संजय के सिंह – राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम के आयोजन में शामिल (अंतर्राष्ट्रीय मामलों और बाहरी क्रियाओं के माध्यम से)
- डॉ. चेल्वम वेंकटेश – जैव प्राद्यौगिकी विभाग प्रायोजित जैव-इमिग्रेशन ग्रांट (BIG) अगस्त 2021-2022 फरवरी से एक शुरुआत के लिए BIRC द्वारा।
- प्रो. सुमन मुखोपाध्याय – शिक्षक दिवस 2021 (5 सितंबर 2021) पर संस्थान के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित।
- रसायन विज्ञान बाहरी समूह (डॉ. दीपक के रॉय और सदस्य) – रसायन विज्ञान विभाग में रसायन विज्ञान दिवस 2022 का आयोजन किया।
- डॉ. दीपक के रॉय – SERB-2020-2022 से शुरुआती खोज ग्रांट पुरस्कार।
- डॉ. सेल्वाकुमार सेरमदुरै – SERB –2019-2022 से प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान पुरस्कार।
- प्रो. अपूर्वा के दास (कार्यशाला) – भा.प्रौ.सं. इंदौर में 'अगली पीढ़ी के अनुप्रयोगों के लिए नैनो सामग्री' पर ICTE QIP प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन (22 मार्च, 2021 – 27 मार्च, 2021)।
- NSRP-2021 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार के लिए डॉ. तुषार के मुखर्जी की देखरेख में PHD छात्रा सुश्री भावना काम कर रही है।
- प्रोफेसर बिस्वरूप पाठक की देखरेख में काम कर रहे PHD छात्र श्री अमिताभ दास को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार, TCS, IISER कोलकाता, दिसंबर 2021 मिला।
- श्री सौविक मन्ना को प्रधान मंत्री अनुसंधान सदस्यता (PMRF) अप्रैल 2022 से सम्मानित किया गया है
- श्री तन्मय रीत को प्रधान मंत्री अनुसंधान सदस्यता (PMRF) अप्रैल 2022 से सम्मानित किया गया है।

परियोजनाएं:

परियोजना	प्रायोजित	सलाह सम्बन्धी
नई परियोजनाएं	-	-
चालू परियोजनाएं	16	-
पूर्ण	11	-

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित हुई किताबें	किताबों में पाठ	सम्मेलन में कागजात	पत्रिकाओं में कागजात
कुल	-	4	-	101

सिविल अभियांत्रिकी विभाग

सिविल अभियांत्रिकी विभाग 2016 से क्रियाशील है जिसका उद्देश्य है असली दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए बुनियादी और लागू खोज पर ध्यान केंद्रित करना। विभाग चार साल का पाठ्यक्रम प्रदान करता है जिससे सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक और सिविल अभियांत्रिकी में PHD की उपाधि मिलती है। सिविल अभियांत्रिकी का संकाय और छात्र प्रायोजित शोध परियोजनाओं में क्रियाशील तौर पर शामिल हैं जो कि पूरे देश में और विदेश में भारत सरकार और साथ ही उद्योगों / सलाहकार परियोजनाओं के विभिन्न संगठनों द्वारा वित्त पोषित हैं। विभाग में सक्रिय और गतिशील संकाय सदस्य हैं जिन्हें सिविल अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्र में महारत हासिल होने के साथ साथ अंतर्राष्ट्रीय अनुभव भी प्राप्त है जैसे संरचनात्मक, भू तकनीकी, परिवहन, जल संसाधन और वातावरण सम्बन्धी अभियांत्रिकी। सिविल अभियांत्रिकी संकाय को कमेटी मुखिया/सदस्यों, लाजवाब समीक्षा कर्ताओं, सम्पादक निकाय सदस्यों के रूप में विश्व में विभिन्न स्तरों पर पहचान मिली है। सिविल अभियांत्रिकी विभाग खुद को आगे राष्ट्रीय, और वैश्विक तौर पर स्थापित करना चाहता है जो कि सक्रिय औद्योगिक बातचीत और राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय ताल मेल के साथ एक मुख्य अकादमिक केंद्र के रूप में होगा।

शैक्षणिक कार्यक्रम

विभाग सिविल अभियांत्रिकी में बीटेक और PHD कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग में संस्थान द्वारा प्रायोजित, प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं और अन्य एजेंसियों द्वारा प्रायोजित विभिन्न विशेषज्ञताओं में पोस्ट डॉक्टरल अध्येता भी मौजूद हैं।

संकाय सदस्यों की संख्या	14
प्रोफेसर	03
संबंधित प्रोफेसर	00
सहायक प्रोफेसर श्रेणी II	03
सहायक प्रोफेसर श्रेणी I	08
पोस्ट डॉक्टरल सहकर्मियों की संख्या	02

कार्यक्रम	भर्ती हुए छात्र	दी गई उपाधि
BTech	52	35
MTech	-	-
MSc	-	-
PhD	-	03

विभाग में मुख्य गतिविधियां

विभाग को कई अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श परियोजनाओं (लगभग 52 परियोजनाओं) और ₹ 2.36 करोड़ से सम्मानित किया गया है। हमारे गतिशील संकाय और छात्रों को विभिन्न स्तरों पर पहचान मिली है, कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं।

- प्रो. मनीष कुमार गोयल को प्रो. एस एन गुप्ता मेमोरियल लेक्चर अवार्ड, इंडियन सोसाइटी ऑफ हाइड्रोलिक्स, 2021 मिला है और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा तैयार की गई सूची में शीर्ष 2% वैज्ञानिक में स्थान दिया गया है और दुनिया के 42000 से अधिक शोधकर्ताओं में से शीर्ष 500 में शामिल हैं। उप-क्षेत्र पर्यावरण इंजीनियरिंग (मौसम विज्ञान और वायुमंडलीय विज्ञान) – 2021 और 2022।
- डॉ. ललित बोराना को हांगकांग पॉलिटेक्निक विश्व विद्यालय में आने वाले सहचर के रूप में आमंत्रित किया गया है।
- भा.प्रौ.सं. हैदराबाद ने इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग INAE के नेतृत्व के तहत नेशनल फ्रंटियर्स ऑफ इंजीनियरिंग सिम्पोजियम NatFoE-2021 में उपलब्धियों के आधार पर देश के 48 युवा सितारों में से डॉ. अभिषेक राजपूत को चुना और आमंत्रित किया।

- प्रो. संदीप चौधरी ने रबर कचरे का उपयोग करके पेवर ब्लॉक की तैयारी के लिए संरचना पर 1 पेटेंट से सम्मानित किया।
- प्रो. नीलिमा सत्यम को विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, गुआंगडोंग, चीन शान्ताउ विश्वविद्यालय का दौरा करने के लिए 2020-2021 से निर्माण उद्योग विकास परिषद (योजना आयोग, भारत सरकार और निर्माण उद्योग द्वारा स्थापित) और विदेशी प्रसिद्ध वैज्ञानिक परियोजना (अनुदान संख्या 20201414010268) CIDC विश्वकर्मा शिक्षाविद पुरस्कार 2021 प्राप्त हुआ है।
- डॉ. मो. फारुक आजम विश्व ग्लेशियर निगरानी सेवा स्विट्जरलैंड के राष्ट्रीय संवाददाता बने।
- प्रो. नीलिमा सत्यम, सिविल इंजीनियरिंग विभाग की देखरेख में कार्यरत पीएचडी छात्रा सुश्री मीनू त्रेसा अब्राहम को पोस्टडॉक्स के लिए प्रतिष्ठित हम्बोल्ट फेलोशिप के लिए चुना गया।
- सिविल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. अभिषेक राजपूत की देखरेख में कार्यरत पीएचडी छात्र श्री ज्ञानेश पटनायक को स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट (SECON'21) के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला।

शोध एवं विकास गतिविधियां

सिविल अभियांत्रिकी विभाग सिविल अभियांत्रिकी की विभिन्न उप धाराओं जैसे संरचनात्मक, भूगोलिक प्राद्यौगिकी, परिवहन, जल संसाधन और वातावरण अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता रखता है।

- केंद्रित अनुसंधान और अनुप्रयोगों के प्रमुख क्षेत्र
- संरचनात्मक अभियांत्रिकी
- भू – तकनीकी इंजीनियरिंग
- कंक्रीट प्रौद्योगिकी
- प्रभाव यांत्रिकी
- भूकम्प वास्तुविद्या
- पर्यावरणीय इंजीनियरिंग
- जल विज्ञान और जल संसाधन इंजीनियरिंग
- आपदा प्रबंधन
- स्मार्ट शहर, शहरी नियोजन
- नगर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
- संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी
- सतत निर्माण
- जल-ऊर्जा-फूडनेक्सस
- हिमालयन ग्लेशियोलॉजी

परियोजनाएं:

परियोजना	प्रायोजित	सलाह मशवरा सम्बन्धी
नई परियोजनाएं	-	-
चालू परियोजनाएं	16	-
पूर्ण	10	-

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित हुई किताबें	किताबों में पाठ	सम्मेलन में कागजात	पत्रिकाओं में कागजात
कुल	1	28	37	111

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

कम्प्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी (CSE) विभाग को जुलाई 2009 स्थापित किया गया था। यहाँ बैचलर आफ टेक्नोलॉजी (बी टेक), मास्टर आफ साइंस बाई रिसर्च (MS रिसर्च) और डाक्टर आफ फिलासफी (PHD) कार्यक्रम पेश किये जाते हैं। विभाग में छात्रों को शिक्षण देने के लिए आधुनिक संकल्प अपनाया गया है जहाँ उन्हें शैक्षणिक आज़ादी दी गई है ताकि प्रक्रिया में नवीनता और उचित क्रिया शामिल हो सके। अत्याधुनिक सुविधाएं जिसमें नवीन सॉफ्टवेयर और उन्नत हार्डवेयर शामिल है वह दोनों शिक्षा और खोज में इस्तेमाल के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं में मौजूद है। इन सुविधाओं में मुख्य बी टेक परियोजनाओं को उचित ढंग से लागू किया गया है और खोज नतीजों के लिए सत्यापन और मान्यकरण किया गया है। विभाग के संकाय सदस्य विभिन्न क्षेत्रों से हैं और उन्हें अलग-अलग महारत हासिल है। एक उभर रही और सम्बंधित तौर पर नई संस्था के हिस्से के रूप में, दोनों उचित अनुकूल खोज सुविधा के साथ, भा.प्रौ.सं. इंदौर का CSE संकाय छात्रों के लिए विशिष्ट सक्रिय स्तर प्रदान करता है ताकि वह बुनियादी और लागू शोध के क्षेत्र के बारे में पता कर सकें।

शैक्षणिक कार्यक्रम

CSE विभाग बैचलर आफ टेक्नोलॉजी (बीटेक), मास्टर ऑफ साइंस बाय रिसर्च (एमएस रिसर्च) और डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) कार्यक्रम प्रदान करता है। जुलाई 2022 तक कुल 35 PHD, 15 MS रिसर्च और 463 बी.टेक छात्रों ने CSE विभाग से स्नातक किया है। वर्तमान में, विभाग में 28 PHD, 20 MS रिसर्च और 240 बीटेक छात्र हैं।

संकाय सदस्यों की संख्या	14
प्रोफेसर	03
संबंधित प्रोफेसर	00
सहायक प्रोफेसरश्रेणी II	03
सहायक प्रोफेसरश्रेणी I	08
पोस्ट डॉक्टरल सहकर्मियों की संख्या	02

कार्यक्रम	भर्ती हुए छात्र	दी गई उपाधि
BTech	82	83
PhD	-	5
MS	12	8

शोध एवं विकास गतिविधियां

वर्तमान CSE संकाय सदस्य और छात्र उभरते अनुसंधान क्षेत्रों की एक विस्तृत शृंखला पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इसमें शामिल है

- नेटवर्किंग, नेटवर्क सुरक्षा, सिस्टम सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, क्लाउड सुरक्षा, भरोसेमंद सिस्टम और नेटवर्क प्रबंधन और उद्यम प्रबंधन।
- एंबेडेड सिस्टम (साइबर-भौतिक सिस्टम, इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, आदि) उनका औपचारिक सत्यापन (मॉडल चेकिंग, एक्सट्रैक्ट इंटरप्रिटेशन, प्रोग्राम ट्रांसफॉर्मेशन एंड जेनरेशन, प्रोग्राम एनालिसिस) और सिमेंटिक्स-आधारित इम्यूलेशन ऑफ लैंग्वेज एंड सिस्टम।
- एल्गोरिदम और सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान, एल्गोरिथम ग्राफ सिद्धांत, कम्प्यूटेशनल जटिलता।
- कम्प्यूटेशनल विज्ञान और इंजीनियरिंग, संख्यात्मक रैखिक बीजगणित, संख्यात्मक विश्लेषण और अनुकूलन
- बिग डेटा एनालिटिक्स, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, लर्निंग एल्गोरिदम, न्यूरल नेटवर्क, जेनेटिक एल्गोरिदम, इवोल्यूशनरी अप्रोच और गेम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)।

- पैटर्न पहचान, कंप्यूटर विज्ञान, इमेज प्रोसेसिंग, बायोमेट्रिक्स, मानव-कंप्यूटर इंटरैक्शन, मशीन लर्निंग, और डीप लर्निंग।
- हार्डवेयर सुरक्षा, क्रिप्टोग्राफिक कार्यान्वयन पर साइड चैनल विश्लेषण हमले, उभरती VLSI प्रौद्योगिकियों में सुरक्षा पहलू, VLSI के लिए हार्डवेयर एक्सेलेरेटर की सुरक्षा और मशीन लर्निंग।
- CD-VLSI, ED, Cf स्तरीय संश्लेषण, IP कोर सुरक्षा, हार्डवेयर ट्रोजन, दोष सुरक्षा, डिजिटल चिप में डिजिटल वाटरमार्क, हार्डवेयर एक्सेलेरेटर का अनुकूलन और डिजाइन स्वचालन।
- सेवा-उन्मुख प्रणाली, गतिशील प्रणाली, भौगोलिक रूप से वितरित विकास वातावरण, चुस्त तकनीक, सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर और वायरलेस सेंसर नेटवर्क।
- प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण, सूचना पुनर्प्राप्ति, और डेटा खनन।
- स्वायत्त वाहन, स्वायत्त वाहनों में सुरक्षा आश्वासन के लिए प्रमाणन ढांचा।



विभाग में मुख्य गतिविधियां

1. विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग 2022: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर विश्व स्तर पर 201-250 और भारत में दूसरे स्थान पर है।
2. CSE विभाग से जुलाई 2022 तक कुल 35 PHD, 15 MS रिसर्च और 463 बी.टेक छात्रों ने स्नातक किया है।
3. मितेन शाह और उनकी टीम ने इंटर भा.प्रौ.सं. टेक मीट 10.0 समस्या कथन ब्लू यॉन्डर्स नेक्स्ट-जेन ऑप्टिमाइज्ड डिलीवरी इकोसिस्टम के लिए 22 अन्य भा.प्रौ.सं. में पहला स्थान हासिल किया।
4. CSE के स्नातक छात्र श्री कस्तूरी अजीत शर्मा ने भा.प्रौ.सं. इंदौर के 2021 दीक्षांत समारोह में संस्थान का रजत पदक प्राप्त किया।
5. सार्थक जैन ने HackerEarth द्वारा आयोजित Bruteforce 3.0 साइबर सुरक्षा हैकथॉन में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
6. प्रो अरुणा तिवारी को जनवरी 2022 में एमपी पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड में बोर्ड में एक महिला स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।
7. डॉ. अनिर्बान सेनगुप्ता 2022 में IETE के सहचर चुने गए।
8. डॉ. अनिर्बान सेनगुप्ता को 2021 में 'स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों के साथ-साथ 'स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर हार्डवेयर और वास्तुकला क्षेत्र में शीर्ष 0.27% वैज्ञानिकों' में शामिल किया गया है।

परियोजनाएं:

परियोजना	प्रायोजित	सलाह मशवरा सम्बन्धी
नई परियोजनाएं	6	-
चालू परियोजनाएं	14	-
पूर्ण	3	-

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित हुई किताबें	किताबों में पाठ	सम्मेलन में कागजात	पत्रिकाओं में कागजात
कुल	4	5	14	30

विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग

भा.प्रौ.सं. इंदौर में विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग को साल 2009 में स्थापित किया गया था। कुछ सालों में विभाग संकाय में मजबूती और शोध गतिविधियों के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण तौर से वृद्धि हुई है। वर्तमान में विभाग में सत्रह संकाय सदस्य हैं और दो DST INSPIRE संकाय हैं। विभाग वर्तमान में अंतर अनुशासनी क्षेत्र में आधुनिक खोज करने में शामिल है जैसे विद्युतीय उपकरण, विद्युतीय प्रणालियाँ, नवीनीकरण योग्य ऊर्जा स्रोतों का एकीकरण, स्मार्ट ग्रिड, VLSI शैली, सूक्ष्म प्राद्यौगिकी और सूक्ष्म विद्युतीय उपकरण, संचार प्रणालियाँ और नेटवर्किंग,



तार के बिना संचार, चित्र प्रसंस्करण, सिग्नल प्रसंस्करण और RF माइक्रोवेव। विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग आंतरिक और बाहरी ताल मेल बैठने के लिए प्रोत्साहन करता है। विभाग का उद्देश्य है कि भारत में विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभाई जाए जो कि स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरों पर शैक्षणिक कार्यक्रमों द्वारा नवीन अंतर- अनुशासनी खोज द्वारा क्रिया और गुणवत्ता शिक्षा देने से सम्बंधित है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

विभाग का उद्देश्य है उच्च गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करना और अंतर-अनुशासनी कार्यवाही, उद्योग – सम्बंधित उन्नत विज्ञान खोज करना ताकि चुनौतियों को सम्बंधित किया जा सके और भविष्य की प्रौद्योगिकियों को विकसित किया जा सके जो कि औद्योगिक और समाजिक ज़रूरतों से सम्बंधित हैं। भा.प्रौ.सं. इंदौर में विभिन्न मुहारतों के तहत विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग दोनों शैक्षणिक और खोज कार्यक्रमों के लिए मुख्य केंद्र है। विभाग वर्तमान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम एक MS (Res) कार्यक्रम और दो एम तक कार्यक्रम पेश कर रहा है जो कि (i) संचार और सिग्नल प्रसंस्करण, (ii) VLSI शैली और सूक्ष्म विद्युतीय उपकरण और एक PHD कार्यक्रम से सम्बंधित है। विभाग से 104 छात्रों ने PHD उपाधि हासिल की है जब से इसकी शुरुआत हुई है। हमारे पिछले PHD छात्र अन्य भा.प्रौ.सं. में भी शामिल हैं। लगभग 73 अधिक छात्र विभाग से PHD वर्तमान में कर रहे हैं। एक अंतर्राष्ट्रीय छात्र भी विभाग में भर्ती हुआ है।

संकाय सदस्यों की संख्या	17
प्रोफेसर	9
संबंधित प्रोफेसर	3
सहायक प्रोफेसर श्रेणी II	3
सहायक प्रोफेसर श्रेणी I	2
DST प्रेरक सहचर	2
पोस्ट डॉक्टरल सहकर्मियों की संख्या	2

कार्यक्रम	भर्ती किये गए छात्र	दी गई उपाधि
BTech	85	65
M. Tech. CSP	15	13
M. Tech. VDN	15	10
MS (Res)	10	-
Ph.D.	13	11

शोध और विकास गतिविधियां

विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग का शोध और विकास में मजबूत स्थान है और बाहरी वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा पोषित परियोजनाओं को सुरक्षित करने और लागू करने सक्रिय रूप से शामिल है। यह ध्यान देने की जरूरत नहीं है कि विभाग ने DST -सूक्ष्म मिशन और DST FIST के अधीन अन्य 2.3 करोड़ के उच्च मूल्य परियोजना में तकरीबन 1.4 करोड़ रुपए जैसे उच्च मूल्य परियोजनाओं को सुरक्षित किया है जो कि विभाग में चल रहा है। इसके अलावा, इस शैक्षणिक साल 2021 -22 में विभाग को दस अतिरिक्त परियोजनाओं का पुरस्कार दिया गया है, बीस नई खोज परियोजनाएं दी गई हैं और वर्तमान में लागू योग्य है और दस अतिरिक्त परियोजनाओं के नज़दीक है जो कि सफल तौर पर पूर्ण हो गए हैं। DST, SERB, CSIR, DRDO, ISRO आदि द्वारा परियोजनाएं वित्त पोषित हैं। विभाग के संकाय सदस्यों ने 72 पत्रिका कागज़ात प्रकाशित किये हैं, जबकि खोज कार्य की गुणवत्ता का अन्य सूचक है जो कि विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जारी किया गया है। आधुनिक शोध के अन्य नतीजे के तहत विभाग में तीन पेटेंट दायर किये गए हैं और चार अतिरिक्त को शैक्षणिक साल 2021 - 22 में पुरस्कृत हैं।

विभाग में मुख्य गतिविधियां

विद्युतीय अभियांत्रिकी के संकाय सदस्य छात्रों में विश्लेषणात्मक और व्यावहारिक कौशल विकसित करने का प्रयास करते हैं। यह नियमित पाठ्यक्रम सीखने और मूल्यांकन, उद्योग-प्रासंगिक परियोजनाओं, फील्ड ट्रिप और असली -समय कार्य के हिस्से के रूप में विभिन्न उप-घटकों को शामिल करके व्यवस्थित रूप से प्राप्त किया जाता है जो अवधारणाओं को समझने और उपयोग करने में काफी हद तक लाभान्वित होंगे। इसके अलावा, विभिन्न श्रेणियों के छात्रों को कई सम्मेलनों, प्रतियोगिताओं में भाग लेने और पुरस्कार जीतने के लिए समर्थन दिया गया है। विद्युतीय अभियांत्रिकी संकाय सदस्यों द्वारा अपनाई गई एक अंतःविषय दृष्टिकोण उभरा है, इन अभियांत्रिकी समस्याओं में से कुछ को परियोजनाओं और इंटरनशिप के रूप में ले रहा है जिसे हमारे छात्रों ने सफलतापूर्वक हल किया है। इसके परिणामस्वरूप प्रायोजित अनुसंधान के लिए उद्योग के साथ सहयोग हुआ है। हमारे उद्योग आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से, विभाग कुछ परामर्श परियोजनाओं को प्राप्त करने में भी सहायक रहा है।

वार्षिक वर्ष 2021-22 के दौरान विभाग के संकाय सदस्यों की कुछ मुख्य प्राप्तियां निम्न कथित हैं: -

- प्रो. राम बिलास पचौरी ने रिसर्च डॉट कॉम द्वारा कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में 2022 के लिए शीर्ष वैज्ञानिकों में भारत में 22वां स्थान प्राप्त किया।
- प्रो. राम बिलास पचौरी ने IETE - प्रो SVC अय्या मेमोरियल अवार्ड, सितंबर, 2021 प्राप्त किया।
- प्रो. प्रभात के उपाध्याय को नोकिया फाउंडेशन फेलोशिप, 2022 से सम्मानित किया गया।
- डॉ सप्तर्षि घोष ने मोतोहिसा कांडा पुरस्कार (2022), URSI (2022) से युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया।
- प्रो. राम बिलास पचौरी और डॉ. सप्तर्षि घोष को अक्टूबर, 2021 में एल्सेवियर बी.वी. और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में जे. बास और अन्य द्वारा किए गए अध्ययन में दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में सूचीबद्ध किया गया था।
- प्रो. शैबल मुखर्जी IEEE सेंसर्स जर्नल के एसोसिएट एडिटर बने, उन्होंने RMIT विश्व विद्यालय, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में सहायक एसोसिएट प्रोफेसर का भी समर्थन किया। उन्हें आईटीई फेलो, 2022 से भी सम्मानित किया जा चुका है।
- हमारे एक PHD छात्र श्री नरेंद्र विश्वकर्मा को वार्षिक वर्ष 2021-22 में PMRF फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- प्रो. तृप्ति जैन IET और IETE सहचर, 2021 बनीं, वे IEEE PES की उपाध्यक्ष और IEEE MP सेक्शन (PES) अध्याय, 2022 की संस्थापक अध्यक्ष भी हैं।
- IEEE बायोमेट्रिक्स काउंसिल के उपाध्यक्ष प्रो. विवेक कान्हांगड।

परियोजनाएं:

परियोजना	प्रायोजित	सलाह मशवरा सम्बन्धी
नई परियोजनाएं	10	0
चालू परियोजनाएं	20	1
पूर्ण	10	1

प्रकाशन:

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में कागजात	पत्र-पत्रिकाओं में
कुल	0	7	37	72

गणित विभाग



भा.प्रौ.सं. इंदौर में गणित का विभाग गणित की विभिन्न शाखाओं में शैक्षणिक और शोध कार्यक्रमों के लिए मुख्य केंद्र है। विभाग निरंतर तौर पर मुख्य शोध क्षेत्रों में शामिल है और अन्य विज्ञान और अभियांत्रिकी विभागों के साथ सहयोगी शोध के लिए प्रोत्साहित करता है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

विभाग में गणित में PHD और MSc कार्यक्रमों को वर्तमान समय में पेश किया जा रहा है और सम्बंधित क्षेत्रों में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को भी प्रोत्साहित करता है, जैसे कि सांख्यिकी और अनुप्रयुक्त कंप्यूटिंग। विभाग मुख्य बी तक कार्यक्रम के लिए प्रस्ताव पर विभाग में काम कर रहा है।

संकाय सदस्यों की संख्या	
प्रोफेसर	02
संबंधित प्रोफेसर	04
सहायक प्रोफेसर श्रेणी II	0
सहायक प्रोफेसर श्रेणी I	10
पोस्ट डॉक्टरल सहकर्मियों की संख्या	02

कार्यक्रम	भर्ती हुए छात्र	दी गई उपाधि
MSc (गणित)	20	12
PhD	10	5

शोध एवं विकास गतिविधियां

विभाग के संकाय सदस्य अच्छी तरह से योग्य हैं और शिक्षण और अनुसंधान के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ प्रेरित हैं। यह निम्न के माध्यम से परिलक्षित होता है

1. विभाग में आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम।
2. NBHM, SERB, DST, CSIR, MHRD, ICMR जैसी कई फंडिंग एजेंसियों द्वारा प्रायोजित चल रही अनुसंधान परियोजनाएं और
3. प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन।

परियोजनाएं:

परियोजना	प्रायोजित	सलाह मशवरा सम्बन्धी
नई परियोजनाएं	3	1
चालू परियोजनाएं	11	0
पूर्ण	14	0

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित हुई किताबें	किताबों में पाठ	सम्मेलन में कागजात	पत्रिकाओं में कागजात
कुल	04	02	05	74

DST-FIST समर्थन:

भास्कराचार्य गणित प्रयोगशाला
ब्रह्मगुप्त गणित पुस्तकालय

इसके अलावा, विभाग विभिन्न बाहरी गतिविधियों, जैसे अल्पकालिक पाठ्यक्रम, वेबिनार, छात्र संगोष्ठी श्रृंखला आदि के माध्यम से भारत में कॉलेज शिक्षकों, स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों के बीच गणित को बढ़ावा देने में भी लगा हुआ है। विभाग दुनिया भर में नियमित रूप से प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिष्ठित गणितज्ञों द्वारा व्याख्यान आयोजित करता है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया <http://math.iiti.ac.in> देखें।



मशीनी अभियांत्रिकी विभाग

मशीनी अभियांत्रिकी विभाग संस्था में सबसे पुराने और बड़े विभागों में से एक है जहाँ 24 पूर्ण समय के लिए संकाय सदस्य काम करते हैं और तकरीबन 10 पूर्ण समय के लिए प्रबंधन और प्राद्यौगिकी कर्मचारी सदस्य काम करते हैं। विभाग विज्ञान और अभियांत्रिकी/प्राद्यौगिकी आधारित पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो कि प्राद्यौगिकी शिक्षा, समस्या के हल और नई तकनीकों के उभार में कौशल देने पर केंद्रित है। विभाग में अत्याधुनिक शोध सुविधाएं हैं ताकि शैक्षणिक और खोज कार्यक्रमों को सहयोग दिया जा सके। उच्च गुणवत्ता अभियांत्रिकी शिक्षा देने का एक मुख्य उद्देश्य है वर्तमान और उभर रही ज़रूरतों के लिए बुनियादी और खास अभियांत्रिकी प्रशिक्षण दिया जाए।

शैक्षणिक कार्यक्रम

विभाग मशीनी अभियांत्रिकी में अपने अतिरिक्त दोहरी उपाधि कार्यक्रमों (बीटेक + एमटेक), (एमटेक + PHD) और (MS-रिसर्च + PHD) के साथ बीटेक, एमटेक, MS (रिसर्च), और PHD कार्यक्रम जैसे विभिन्न कार्यक्रम प्रदान करता है। वर्तमान में, 244 से अधिक स्नातक, 32 स्नातकोत्तर, और 56 PHD छात्र शामिल हैं; इसके अलावा, विभाग में कई पोस्ट डॉक्टरल सहचर हैं। वर्तमान में, विभाग तीन एमटेक कार्यक्रम प्रदान करता है: (i) उन्नत विनिर्माण (शैक्षणिक वर्ष 2022 आगे), पहले उत्पादन और औद्योगिक अभियांत्रिकी (शैक्षणिक वर्ष 2013-2021) (ii) मशीनी प्रणाली शैली, और (iii) ऊष्णता और ऊर्जा प्रणाली (शैक्षणिक वर्ष 2022 के आगे)। विभाग में DRDO, सशस्त्र बलों और मशीनी अभियांत्रिकी से संबंधित अन्य सरकारी और निजी संगठनों के एमटेक और PHD छात्र हैं। यहाँ अंतरराष्ट्रीय एमटेक छात्र भी हैं, जिनमें नेपाल और नाइजीरिया के छात्र भी शामिल हैं।

संकाय सदस्यों की संख्या	24
प्रोफेसर	8
संबंधित प्रोफेसर	5
सहायक प्रोफेसर श्रेणी II	1
सहायक प्रोफेसर श्रेणी I	10
पोस्ट डॉक्टर सहचरों की संख्या	06

कार्यक्रम	भर्ती हुए छात्र	दी गई उपाधि
BTech	85	56
MTech	18	12
MS Research	04	5
PhD	10	14

शोध एवं विकास गतिविधियां

मशीनी अभियांत्रिकी विभाग ने सरकारी और निजी संगठनों के लिए कई प्रायोजित और परामर्श अनुसंधान परियोजनाएं की हैं जैसे- DRDO, ISRO, जॉन डीरे (भारत) और सिंपल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड। विभाग ने अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं की भी स्थापना की है और उद्योग और अकादमिक लोगों के लिए कई शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन किया है जैसे STP और FDP& इनमें से कुछ के बारे में निम्न बताया गया है:

- विभिन्न धातु सामग्री के विभिन्न मेसो-साइज एडिटिव मैनुफैक्चरिंग (M) के लिए माइक्रो-प्लाज्मा ट्रांसफर्ड आर्क (μ -PT) वायर और पाउडर डिपोजिशन प्रक्रियाओं का विकास, बायोकंपैटिबल मैटेरियल्स से घुटना प्रत्यारोपण, कार्यात्मक रूप से ग्रेडेड मैटेरियल्स (FGM) और आकार का विकास स्मृति सामग्री (SMM)
- पवन टरबाइन गियरबॉक्स में खराबी का पता लगाने के लिए एल्गोरिथम का विकास।
- कंपन से ऊर्जा प्राप्त करने के लिए लीड फ्री ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर्स का विकास।
- पानी के भीतर रोबोटिक प्रणालियों के लिए एसएमए एकीकृत जेलीफिश सॉफ्ट रोबोटिक संरचना का विकास।

- शीतलन अनुप्रयोगों के लिए चरण परिवर्तन सामग्री (PCM) के साथ एकीकृत हल्के वजन वाले हीट सिंक का विकास।
- ट्राइबो-मैकेनिकल और बायोलॉजिकल अनुप्रयोगों के लिए स्टील सबस्ट्रेट्स पर लागू थर्मली स्प्रेड सिलेमिक कोटिंग्स का अध्ययन।
- शेप मेमोरी एलॉय (SMA) स्प्रिंग्स के विश्वसनीयता आकलन के लिए थर्मो-मैकेनिकल टेस्ट बेंच का विकास।
- नैनोग्लास और नैनो-ग्लास-मेटालिक ग्लास नैनो-कंपोजिट के विरूपण और फ्रैक्चर व्यवहार का अध्ययन।
- पारस्परिक एंडोडॉन्टिक फाइल सिस्टम का उपयोग करके रूट कैनाल की बायोमेकेनिकल तैयारी में बल और कंपन विश्लेषण।

विभाग में मुख्य गतिविधियां

- विभाग के संकाय सदस्यों ने 8 लघु अवधि के पाठ्यक्रम संचालित किए हैं
- अनुसंधान गतिविधियों के परिणामस्वरूप 6 पेटेंट दाखिल किए गए।
- ऊष्मता और ऊर्जा प्रणालियों में एक नया एम.टेक प्रोग्राम शुरू किया।
- उत्पादन और औद्योगिक इंजीनियरिंग में एम.टेक को उन्नत विनिर्माण में एम.टेक में पुनर्गठित किया गया है।
- दो PHD छात्रों को SERB-OVD फेलोशिप से सम्मानित किया गया है और एक PHD छात्र को PMR फेलोशिप से सम्मानित किया गया है।
- नई अनुसंधान और परीक्षण सुविधाएं स्थापित की गईं।
- परामर्श और प्रायोजित परियोजनाओं के रूप में 2 करोड़ से अधिक मूल्य के 10 अनुदान प्राप्त किए।
- विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा दो GIN पाठ्यक्रम संचालित किए गए
- हमारे पीएचडी छात्रों ने एक विनिमय कार्यक्रम (स्पार्क योजना) के तहत गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय का दौरा किया

परियोजनाएं:

परियोजना	प्रायोजित	सलाह मशवरा सम्बन्धी
नई परियोजनाएं	8	2
चालू परियोजनाएं	29	2
पूर्ण	1	4

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित हुई किताबें	किताबों में पाठ	सम्मेलन में कागजात	पत्रिकाओं में कागजात
कुल	1	20	55	90

धातुकर्म अभियांत्रिकी और पदार्थों के विज्ञान का विभाग

2016 में स्थापित किया गया, धातुकर्म अभियांत्रिकी और पदार्थों के विज्ञान (MEMS) विभाग पदार्थों के विज्ञान में अंतर् अनुशासनी खोज पर ध्यान केंद्रित करता है, ताकि समाज को लाभ देने के लिए उचित असली विश्व की समस्याओं के लिए हल निकाले जा सकें। वर्तमान में विभाग में 17 मुख्य संकाय और साथ ही 4 सहयोगी कर्मचारी मौजूद हैं। हमारा सामूहिक उद्देश्य है प्रसंस्करण को और पदार्थों की कई श्रेणियों की बनावट को समझना; और फिर इन्हें विशेषताओं के साथ जोड़ना, जिससे प्रदर्शन में वृद्धि होगी। MEMS संकाय सदस्य खोज क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जो कि रवायती धातुकर्म और आधुनिक पदार्थों के विज्ञान से सम्बंधित हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरों पर विभिन्न कार्यक्रम पेश करता है। यह धातुकर्म अभियांत्रिकी और पदार्थों के विज्ञान में बी टेक और दोनों (i) धातुकर्म अभियांत्रिकी, और (ii) सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी में एम टेक पेश करता है। विभाग कई पाठ्यक्रम पेश करता है, जिसमें बुनियादी विज्ञान और अभियांत्रिकी और साथ ही उन्नत स्तर के इलेक्ट्रिक पाठ्यक्रम शामिल हैं।

संकाय सदस्यों की संख्या	17
प्रोफेसर	01
संबंधित प्रोफेसर	04
सहायक प्रोफेसर	12
पोस्ट डाक सहचरों की संख्या	शून्य

कार्यक्रम	भर्ती हुए छात्र	दी गई उपाधि
BTech	167	62
MTech	27	84
MSc	शून्य	शून्य
PHD	38	36

शोध एवं विकास गतिविधियां

प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र संरचनात्मक सामग्री (स्टील, टाइटेनियम मिश्र धातु, उच्च एन्ट्रॉपी मिश्र, मैग्नीशियम मिश्र और समग्र सामग्री), ऊर्जा रूपांतरण और भंडारण सामग्री (सौर सेल, सुपरकैपेसिटर, ली-आयन बैटरी, आदि) कार्यात्मक सामग्री (पीजोइलेक्ट्रिक्स, जैल, और शेप मेमोरी एलॉय) और कंप्यूटेशन मैटेरियल्स साइंस।

विभाग में मुख्य गतिविधियां

हाल ही में, विभाग को SERB DST भारत द्वारा सार्वभौमिक जांच और स्पार्क प्लाज़्मा सिंटरिंग सुविधा स्थापित करने के लिए एक FIST परियोजना से सम्मानित किया गया था। परियोजना की लागत लगभग 2.2 करोड़ थी। विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में पांच अल्पकालिक पाठ्यक्रम पेश किए और संकाय सदस्यों ने भी कई मुख्य और आमंत्रित वार्ताएं दीं। हमारे संकाय सदस्यों की कुछ प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख नीचे किया गया है:

- स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा शीर्ष 2% सबसे प्रभावशाली वैज्ञानिक की विश्व रैंकिंग में सूचीबद्ध (2020 से हर साल)
- महाराष्ट्र विज्ञान शैक्षणिक सहचर 2021
- मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया मेडल 2020

- वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन, भारत द्वारा सामग्री विज्ञान में उत्कृष्ट शोधकर्ता। (जुलाई 2022)
- स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी (2021) द्वारा शीर्ष 2% सबसे प्रभावशाली वैज्ञानिक की विश्व रैंकिंग में सूचीबद्ध
- DUO-इंडिया प्रोफेसर फेलोशिप अवार्ड, भारत सरकार और SEM-DUO, दक्षिण कोरिया (2020-22)
- ओपी ज़िंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़ (CG), भारत द्वारा आयोजित इस्पात, बिजली और निर्माण प्रौद्योगिकी में प्रगति (ICSPCT) पर पूर्ण सत्र – वी, 5 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य वक्ता। (17 जून 2022)
- टाटा इनोविस्टा के चयन दौर के लिए एक माननीय जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया, जो टाटा कंपनियों के नवाचारों को पहचानने और मनाने के लिए टाटा समूह का प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम है (8 अक्टूबर 2021)

परियोजनाएं:

परियोजना	प्रायोजित	सलाह मशवरा सम्बन्धी
नई परियोजनाएं	-	-
चालू परियोजनाएं	17	-
पूर्ण	12	-

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित हुई किताबें	किताबों में पाठ	सम्मेलन में कागजात	पत्रिकाओं में कागजात
कुल	1	-	-	57



भौतिक विज्ञान विभाग

विभाग में विभिन्न मुहान्तों वाले 16 संकाय सदस्य वर्तमान में मौजूद हैं जो कई आधुनिक खोज विषयों पर व्यापक रूप से काम करते हैं। राष्ट्रीय महत्व की संस्था का हिस्सा होते हुए, भा.प्रौ.सं. इंदौर का भौतिक विज्ञान संकाय छात्रों को विशिष्ट सक्रिय स्तर प्रदान करता है ताकि बुनियादी और लागू शोध के क्षेत्र का पता लगा सकें। हमारा पाठ्यक्रम इस तरह बनाया गया है कि छात्रों को भौतिक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक खोज के बारे में अनुभव दे सकें।

शैक्षणिक कार्यक्रम

विभाग में भौतिक विज्ञान में MSC और PHD कार्यक्रम मौजूद हैं और 200 से अधिक छात्र पहले ही स्नातक कर चुके हैं और उन्हें दुनिया भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में लगातार उन्हें नौकरियां मिल रही हैं। विभाग भौतिक विज्ञान में 2 वर्षीय MS और 4 वर्षीय BS कार्यक्रम जैसे नए शैक्षणिक कार्यक्रम स्थापित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। विभाग देश के अनुसंधान और अकादमिक क्षेत्रों का समर्थन करने के लिए प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए विभिन्न उद्योगों के साथ मिलकर काम कर रहा है और निकट भविष्य में वैज्ञानिक उपकरण केंद्र स्थापित करना है जो भारत में अपनी तरह का पहला होगा।

संकाय सदस्यों की संख्या	16
प्रोफेसर	7
संबंधित प्रोफेसर	4
सहायक प्रोफेसर श्रेणी II	1
सहायक प्रोफेसर श्रेणी I	4
पोस्ट डाक सहचरों की संख्या	2

कार्यक्रम	भर्ती हुए छात्र	दी गई उपाधि
BTech	0	0
MTech	0	0
MSc	25	25
PHD	23	10

शोध एवं विकास गतिविधियां

हमारे संकाय सदस्य संचनित पदार्थ भौतिकी, उच्च ऊर्जा भौतिकी, सांख्यिकीय यांत्रिकी, जटिल प्रणाली, कृत्रिम बुद्धि, आदि में उन्नत शोध करते हैं। हमारी अत्याधुनिक सुविधाएं पूर्व स्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर, और PHD जैसे शैक्षिक कार्यक्रमों के सभी स्तरों के छात्रों के लिए अद्वितीय शोध अवसर प्रदान करती हैं। हम अनुसंधान के अनुभव को शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं और छात्रों को उन्नत पाठ्यक्रम लेने और भौतिक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए पोषण करते हैं। भौतिक विज्ञान विभाग पहले ही भौतिक विज्ञान की विभिन्न शाखाओं पर काम कर रहे 10 से अधिक उन्नत अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना कर चुका है। विभाग अत्यधिक सहयोगी है और विभाग के भीतर, भा.प्रौ.सं. इंदौर के भीतर, और DE, ISRO, DRDO, CERN, और कई अन्य सहित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ विभिन्न अनुसंधान समूहों के बीच घनिष्ठ संपर्क है।

विभाग में मुख्य गतिविधियां

हमारा विभाग हर साल लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है। पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान हमारे विभाग की उपलब्धियों के कुछ मुख्य अंश नीचे सूचीबद्ध हैं:

- प्रो. सारिका जालान का SERB POWER ग्रांट से सम्मानित किया गया है। वह 'कैओस' पत्रिका की सहयोगी संपादक भी बनीं।
- प्रो. रघुनाथ साहू एलिस-इंडिया सहयोग के उप प्रवक्ता बने। उन्हें CERN वैज्ञानिक सहयोग से भी सम्मानित किया गया था।
- प्रो राजेश कुमार को भा.प्रौ.सं. इंदौर से सितंबर 2021 में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार मिला। उनके समूह के एक शोध पत्र को DST द्वारा हाइलाइट किया गया था।
- प्रो. सुदेशना चट्टोपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर छह आमंत्रित व्याख्यान/वार्ता/सेमिनार दिए, जिसमें जर्मनी के लाइबनिज यूनिवर्सिटी हनोवर (LUH) में दो आमंत्रित वार्ताएं शामिल थीं।
- प्रो. पंकज सगदेव को महाराष्ट्र विज्ञान अकादमी के फेलो के रूप में चुना गया था। उन्हें रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के विली जर्नल द्वारा रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के जर्नल में प्रकाशित पत्रों के लिए उच्चतम उद्धरण के रूप में भी मान्यता दी गई थी।

परियोजनाएं:

परियोजना	प्रायोजित	सलाह मशवरा सम्बन्धी
नई परियोजनाएं	4	0
चालू परियोजनाएं	6	0
पूर्ण	8	0

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित हुई किताबें	किताबों में पाठ	सम्मेलन में कागजात	पत्रिकाओं में कागजात
कुल	3	-	21	115



मानविकी और सामाजिक विज्ञान के स्कूल

भा.प्रौ.सं. इंदौर में मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल अनुसंधान और शिक्षा शास्त्र का एक रोमांचक और जीवंत स्थान है। हमारे यहाँ 15 संकाय सदस्य और 1 अतिथि संकाय हैं जो रोमांचक परियोजनाओं और समस्याओं पर काम कर रहे जिसमें 40 से अधिक PHD शोध छात्र भी शामिल हैं। स्कूल के संकाय सदस्य अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र के विभिन्न विषयों के शोधकर्ताओं का एक उदार मिश्रण हैं। अपनी अनुशासनात्मक संबद्धता के अलावा प्रत्येक संकाय सदस्य अनुसंधान के अपने विशिष्ट क्षेत्रों में लगे हुए हैं और अपने काम के बारे में लिखते, प्रकाशित और बोलते हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल के दो मुख्य शैक्षणिक कार्यक्रम हैं: पहला, एक PHD कार्यक्रम जिसमें पाठ्यक्रम कार्य और एक सक्रिय शोध प्रबंध और परियोजना कार्य शामिल है। हमारे छात्रों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्तियाँ, फेलोशिप और पुरस्कार जीते हैं और हमें उनकी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है जब वे स्कूल का हिस्सा हैं और हमारे सभी स्नातक छात्र अपने चुने हुए करियर में भी खुद को उत्कृष्ट बनाने के लिए आगे बढ़े हैं। दूसरा, एक एमएस (अनुसंधान) कार्यक्रम। इस कार्यक्रम का पहला बैच शरद ऋतु 2021 से शुरू हुआ।

संकाय सदस्यों की संख्या	
प्रोफेसर	3
संबंधित प्रोफेसर	2
सहायक प्रोफेसर श्रेणी II	5
सहायक प्रोफेसर श्रेणी I	5
पोस्ट डाक सहचरों की संख्या	0

कार्यक्रम	भर्ती हुए छात्र	दी गई उपाधि
BTech	0	0
MTech	0	0
MSc	0	0
PhD	18	3
MS (शोध)	4	0

शोध एवं विकास गतिविधियाँ

अर्थशास्त्र का विषय: प्रो. प्रीति शर्मा ने शहरी क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के कारण आपदा जोखिम आकलन किया, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास के इसके प्रभाव पर एक अध्ययन किया, ग्रामीण और शहरी गरीबों की जलवायु और गैर-जलवायु तनाव के प्रति संवेदनशीलता का आकलन किया। मध्य प्रदेश के लिए और जंगल की आग के कारण NTFP के आर्थिक नुकसान और हानि का आकलन। डॉ. मोहनसुंदरी टी. को संकाय सदस्यों के लिए RBI छात्रवृत्ति योजना से सम्मानित किया गया और तमिलनाडु में किसान उत्पादक कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन के मूल्यांकन पर परियोजना कार्य शुरू किया। उन्होंने दिसंबर 2021 में SNDEESICIMOD द्वारा आयोजित 42 वीं RNT कार्यशाला में होशंगाबाद वन प्रभाग, मध्य प्रदेश, भारत में जंगल की आग के कारण NTFP के आर्थिक नुकसान और नुकसान का अनुमान पर अपना परियोजना प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया।

अंग्रेजी का विषय: प्रो. निर्मला मेनन के पास एक SPRC परियोजना और एक विद्युतीय साहित्य संकलन परियोजना है। डॉ. अनन्या घोषाल ने छह लघु ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में भा.प्रौ.सं. इंदौर में चार स्नातक और दो स्नातकोत्तर अंग्रेजी साहित्य इंटरन का मार्गदर्शन किया। डॉ. संचिता वर्मा को NIEP, नई दिल्ली और भा.प्रौ.सं. रुड़की द्वारा मानविकी और सामाजिक विज्ञान में उभरती अनुसंधान पद्धतियों के विभिन्न आयामों पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

समाजशास्त्र विषय: डॉ. नीरज मिश्रा ने भारत में आदिवासी विकास के मुद्दों पर शोध किया। डॉ. अशोक कुमार एम ने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (NUS), सिंगापुर और कोवेंट्री यूनिवर्सिटी, यूके में दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत किए।

मनोविज्ञान विषय: डॉ. संजय प्रेमजीत खंगनबा ने डिजिटल डिवाइड को पूर्ण करने पर जोर देते हुए 'ना जुड़े हुए को जोड़ना' से संबंधित व्यापक कार्य को अंजाम दिया। नतीजे ने गैर-शहरी व्यवस्थाओं के लिए 6G और सतत विकास से संबंधित मुद्दों पर स्प्रिंगर प्रकृति द्वारा एक पुस्तक के प्रकाशन का नेतृत्व किया। यह कार्य सामुदायिक प्रणालियों के ढांचे के भीतर आईसीटी और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देता है। डॉ. केदारमल वर्मा ने यंग करियर अवार्ड के लिए YFRSG IIT इंदौर, IKS 2021-2022, IBRO (अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन) को परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किए और मनोविज्ञान: एक परिचय शीर्षक से एक भारत श्रेष्ठ भारत व्याख्यान दिया।

विभाग में मुख्य गतिविधियां

अर्थशास्त्र का विषय: प्रो. प्रीती शर्मा ने एल्सेवियर और स्प्रिंगर सहित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में चार शोध प्रकाशन लिखे। डॉ. कलंदी सी. प्रधान ने मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में क्रॉस-स्टैब्यूलेशन के महत्व पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। उन्हें भा.प्रौ.सं. बॉम्बे में एक ज्ञान साझा कार्यशाला में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया गया था, ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया एंड ग्रीन रेवोल्यूशन बाय रिसर्च एंड एम्पावरमेंट फॉर सस्टेनेबल फूड सप्लाई, ग्लोबल चैलेंज रिसर्च फंड प्रोजेक्ट, रिसर्च काउंसिल यूके। डॉ. मोहनसुंदरी टी ताडवान की रूरल इकोनॉमिक सोसाइटी द्वारा आयोजित एक वेबिनार महामारी के बाद के युग में कृषि विकास-चुनौतियाँ और प्रतिक्रियाएँ में एक आमंत्रित वक्ता थीं। उन्होंने वेल्डोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन महामारी या किसान कल्याण के प्रभावों को कम करने के लिए कृषि सलाहकार सेवाओं को बदलना में एक पैनलिस्ट के रूप में भी काम किया।

अंग्रेजी का विषय: प्रो. निर्मला मेनन संपादक, डिजिटल मानविकी तिमाही (DHQ) हैं। डॉ. अनन्या घोषाल ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में मानविकी शिक्षाशास्त्र सम्मेलन में दक्षिण एशिया और भा.प्रौ.सं. इंदौर का प्रतिनिधित्व किया। डॉ. संचिता वर्मा ने प्रो. नलिनी जुनेजा के साथ एक SHSS संगोष्ठी का आयोजन किया: क्यों संविधान निर्माण के दौरान शिक्षा को मौलिक अधिकारों से हटा दिया गया। डॉ. अरात्रिका दास ने आईआईटी इंदौर यंग संकाय सदस्यों रिसर्च सीड ग्रांट (YFRSG) योजना द्वारा वित्त पोषित भूत, देवी, और उन्नीसवीं शताब्दी बंगाल से चिकित्सा नामक एक परियोजना पर काम करना शुरू किया।

समाजशास्त्र का विषय: डॉ अशोक कुमार एम ने ब्रिटिश अकादमी (इ) को एक सहयोगी शोध अनुदान आवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. अक्षय कुमार ने कई आमंत्रित व्याख्यान दिए: कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स (UCL) और अमेरिका में ओरेगन विश्वविद्यालय ; जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और भारत में भा.प्रौ.सं. तिरुपति।

इतिहास का विषय: डॉ. शोमिक दासगुप्ता को सितंबर 2021 में भा.प्रौ.सं. इंदौर द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार दिया गया।

मनोविज्ञान विषय: डॉ. संजय प्रेमजीत खंगनबा की प्रयोगशाला ने टायर स्वास्थ्य निगरानी के लिए एक परीक्षण प्रतिमान विकसित किया जो सुरक्षा महत्वपूर्ण प्रणाली से संबंधित है। यह काम ड्राइवरों और फ्लीट कंट्रोल टीम के लिए इंटरफेस की अवधारणा के लिए महत्वपूर्ण है और इस क्षेत्र में भारत में एक उद्योग खिलाड़ी के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान में आगे बढ़ा है।

परियोजनाएं:

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएं	7	0
चालू परियोजनाएं	11	1
पूर्ण	5	1

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित हुई किताबें	किताबों में पाठ	सम्मेलन में कागजात	पत्रिकाओं में कागजात
कुल	4	22	13	30



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इन्दौर
Indian Institute of Technology Indore

खंडवा रोड, सिमरोल, इन्दौर 453 552, भारत

वेबसाइट: www.iiti.ac.in